RNI No. : MPHIN/2010/38129 MP/IDC/1375/2020-22 www.hariyalikerastey.com

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 10 » अंक : 10 » अगस्त 2020 » मूल्य : 40 रु. Email : hariyalikeraste2010@gmail.com

74 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

74वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एम.एल. गजभिये (प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री एस.के. खरे (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

सौजन्य से

श्री जगदीश बड़वाया (शा.प्र. बेटमा)
श्री राजेश चौधरी/श्री कैलाशचंद्र सोनगरा (पर्य. बेटमा)
श्री अशोक तंवर (शा.प्र. अजनोद)
श्री प्रकाश मंडलोई (पर्य. अजनोद)
श्री घनश्याम डाबी (शा.प्र. आगरा)
श्री रामचंद्र चौहान (पर्य. आगरा)

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड

कृषि यंत्र के लिए ऋण

खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
चितौड़ा, जि.इंदौर
श्री हरिसिंह पंवार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
नागपुर, जि.इंदौर
श्री हृदयेश कुमार व्यास (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
रोलाय, जि.इंदौर
श्री कल्याणसिंह पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
मेठवाड़ा, जि.इंदौर
श्री कैलाशचंद सोनगरा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
टाकुण, जि.इंदौर
श्री महेन्द्र गोस्वामी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
माचल, जि.इंदौर
श्री महेश शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
काली बिल्लौद, जि.इंदौर
श्री बद्रीलाल सिसोदिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
आगरा, जि.इंदौर
श्री खुमानसिंह यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
बेटमा, जि.इंदौर
श्री कैलाशचंद सोनगरा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
घाटा बिल्लौद, जि.इंदौर
श्री चतरसिंह दरबार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
अटावदा, जि.इंदौर
श्री गोपालसिंह यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
औरंगपुरा, जि.इंदौर
श्री त्रिलोकचंद परमार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
धतुरिया, जि.इंदौर
श्री प्रकाश मंडलोई (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
मूरखेड़ा, जि.इंदौर
श्री जगदीश चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
धन्नड़, जि.इंदौर
श्री राजेश चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
पोटलोद, जि.इंदौर
श्री हरिसिंह पंवार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
सूमठा, जि.इंदौर
श्री राजेश राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
रंगवासा, जि.इंदौर
श्री सीताराम पंवार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
कांकरिया पाल, जि.इंदौर
श्री माँगीलाल पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
कराड़िया, जि.इंदौर
श्री प्रदीप नरवरिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
दौलताबाद, जि.इंदौर
श्री इन्दरसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
कछालिया, जि.इंदौर
श्री माँगीलाल पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
नेवरी, जि.इंदौर
श्री सीताराम सिसोदिया (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 10 » अंक : 10 » अगस्त 2020 » मूल्य : 40 रु.

» विशेष संरक्षक : जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर अनन्त श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज

» संरक्षक : विष्णु नारायण त्रिपाठी

» प्रधान संपादक : बृजेश त्रिपाठी

» प्रबंध संपादक : अर्चना त्रिपाठी

» सलाहकार मंडल :

व्ही.जी. धर्माधिकारी (सेवानिवृत्त सचिव एवं आयुक्त सहकारिता)
एल.डी. पंडित (सहकारी विशेषज्ञ)
सुशील मिश्र (पूर्व अपर आयुक्त सहकारिता)
मणिशंकर उपाध्याय (कृषि विशेषज्ञ)
एम.एस. भटनागर (कृषि रत्न, बीज विशेषज्ञ, सलाहकार बीज संघ)
सुरेशचंद्र ताम्रकर (वरिष्ठ पत्रकार)
डॉ. आर.ए. शर्मा (पूर्व डीन, कृषि महाविद्यालय, इंदौर)
डॉ. वी.एन. श्रॉफ (कृषि वैज्ञानिक)
यशोवर्धन पाठक (व्याख्याता जबलपुर)
पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक' (अध्यक्ष, म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद)
डॉ. राजीव शर्मा (प्रोफेसर एवं कवि, इंदौर)
डॉ. भरत शर्मा (समाजसेवी)
हरप्रसाद मोदी (वरिष्ठ पत्रकार, झाँसी-ललितपुर)
अरुण के. बंसल (फ्यूचर पॉइंट प्रा.लि., नई दिल्ली)
पं. रतन वशिष्ठ (ज्योतिषाचार्य एवं कथावाचक)
लेफ्टिनेंट कर्नल अजय (वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य)
कैप्टन (डॉ.) लेखराज शर्मा (ज्योतिषाचार्य)

» विशेष संवाददाता

इंदौर-उज्जैन संभाग : परीक्षित शर्मा (मो. 7999692727)
भोपाल संभाग : आलोक मालवीय (मो. 9806750146)
होशंगाबाद संभाग : धनराज मालवीय (मो. 9827744248)
छत्तीसगढ़ (रायपुर) : पी.एल. चुरहे (मो. 7389652211)

» प्रकाशक : बृजेश त्रिपाठी
306/ए-ब्लॉक, शहनाई-।। रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 8989991569, 9752558186

» लेआउट-डिजाइन : नितिन पंजाबी (मो. 9893126800)
ई-मेल : nitinpunjabi5@gmail.com

» मुद्रक : वी.एम. ग्राफिक्स
के-29, एल.आय.जी. कॉलोनी, इंदौर

3
राम में रमा पूरा देश

6
सामर्थ्य और स्वाधीनता का रिश्ता

9
1857 का आंदोलन

19
अभिजीत मुहूर्त में मिली आजादी

25
खरीफ में खरपतवार प्रबंधन

31
आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का रोडमैप

38
इंदौर फिर बना नंबर-वन

76
कंगना की धाकड़ अगले साल रिलीज होगी

10 YEARS ANNIVERSARY

किसानों को आजादी!

आजादी की वर्षगाँठ के पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारे किसान भाइयों को भी आजादी दिला दी। किसानों को उनकी उपज देश या दुनिया में कहीं भी बेचने की आजादी दे दी है। अभी तक किसान भाई अपने इलाकों की मंडियों में ही उपज बेचने को बाध्य थे। इस नई व्यवस्था से जिसकी जहाँ मर्जी होगी और जहाँ भाव अधिक मिलेंगे, वहाँ जाकर उपज बेच सकते हैं। मध्यप्रदेश सरकार ऐसा फैसला पहले ही कर चुकी है। इस बंधन से मुक्त होकर किसानों को अब सच्ची आजादी मिल गई है। प्रधानमंत्री ने लाल किले से अपने संबोधन में आत्मनिर्भर भारत का आह्वान किया है। भारत आत्मनिर्भर तब ही बन सकता है जब इस देश का किसान आत्मनिर्भर बने। हमारी अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है और कृषि कर्ज तथा मौसम पर आधारित है। किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिर्फ उन्हें उपज कहीं भी बेचने की आजादी देने से ही काम नहीं चलेगा। उन्हें कर्ज से भी आजादी दिलानी होगी। हमारा किसान कर्ज का कफन लेकर पैदा होता है और कर्ज में ही दफन हो जाता है। सरकार खुद मानती है कि देश के प्रत्येक किसान पर 47 हजार रुपये का सरकारी कर्ज है और 12130 रुपये का साहूकारी कर्ज है। जब तक किसानों को कर्ज से मुक्ति नहीं मिलेगी, उसे आत्मनिर्भर कैसे बना सकते हैं। राष्ट्रीय किसान महासंघ के संस्थापक सदस्य विनोद आनंद के मुताबिक 80 फीसदी किसान कर्ज के बोझ की वजह से ही आत्महत्या करते हैं। आंध्रप्रदेश के किसानों पर कर्ज का बोझ देश में सर्वाधिक है। आपने कभी किसी उद्योगपति को कर्ज के कारण आत्महत्या करते नहीं देखा होगा। उद्योगपतियों द्वारा कर्ज न चुकाने पर बैंक उसे बट्टे खाते डाल देते हैं। मगर किसान के साथ यह सुविधा नहीं होती। सरकार बजट में किसानों की कर्ज माफी के लिए जो व्यवस्था करती है, वह राशि कृषि व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों की जेबों में चली जाती है। कृषि वैज्ञानिक रामचेत चौधरी का यह कथन उचित है कि अगर किसानों को उपज का उचित मूल्य मिलने लगे, उत्पादकता बढ़ जाए और लागत घट जाए तो किसान कर्ज के बोझ से मुक्त हो सकता है। कैसी विडम्बना है कि हर उत्पादक अपने उत्पाद का मूल्य स्वयं तय करता है मगर किसानों की उपज का मूल्य सरकार निर्धारित करती है। न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी अधिकार बनाने के लिए किसानों को आज भी संघर्ष करना पड़ रहा है। ओईसीडी की एक रिपोर्ट के अनुसार सन् 2000 से 2016-17 के बीच भारत के किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिलने के कारण करीब 45 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। अगर उन्हें उचित दाम मिले तो कर्ज लेने की जरूरत ही न पड़े। हमारा बैंकिंग सिस्टम भी गरीबों और किसानों के साथ अमानवीय व्यवहार करता है जबकि अमीरों को चूना लगाने की पूरी छूट मिलती है। आजादी के 74 साल बाद भी हमारे किसानों की आय सरकारी चपरासी से भी कम क्यों है। सरकारी चपरासी को 25 हजार मासिक वेतन मिलता है और किसानों की औसत आय 18 हजार रुपये है। लोकसभा में भी यह सवाल उठाया जा चुका है। प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों एक लाख करोड़ रुपये किसानों की उपज की सुरक्षा के लिए देने की जो घोषणा की है वह स्वागत योग्य है। भारत में हर साल करोड़ों के फल, सब्जी और अनाज सड़ जाते हैं। अब किसानों को कोल्ड स्टोरेज आदि बनाने के लिए 2 करोड़ रुपये तक कर्ज मिल सकेगा। निश्चय ही भंडारण की सुविधा किसानों की आत्मनिर्भरता के मामले में मील का पत्थर साबित होगी।

बहरहाल, देश स्वाधीनता दिवस की 73वीं वर्षगाँठ मना रहा है। आशा करें कि देश के हर नागरिक के जीवन में खुशहाली आए। सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। ■■

अयोध्या में राम मंदिर का भूमिपूजन

'राम' में रमा पूरा देश

बुधवार, 5 अगस्त 2020, मध्याह्न 12:44:32 बजे। यजुर्वेद के प्रतिष्ठा मंत्र के उच्चारण के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब राम जन्मभूमि पर नंदा, जया, भद्रा, रिक्ता, पूर्णा, अजिता, अपराजिता, शुक्ला एवं सौभागिनी नामक नौ शिलाओं का पूजन कर स्थापित किया तो अयोध्या में मन मंदिर का उल्लास ठाठे मार रहा था और पूरा देश राम में रमा हुआ था। मात्र 32 सेकंड के मुहूर्त में तुलसी के राम से राष्ट्र चरित मानस का एक नया अध्याय लिखा गया। सदियों की दूरी 32 सेकंड में सिमट गई।

देखा जाए तो त्रेता युग में इक्ष्वाकु वंश के राजधानी रही अयोध्या बुधवार को एक नए इतिहास की साक्षी बनी। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि को लेकर पाँच सदियों से चले आ रहे संघर्ष के बाद नए भव्य मंदिर के निर्माण की औपचारिक शुरुआत हो गई। टीवी कैमरे के माध्यम से देश-विदेश के करोड़ों लोग इस आयोजन में सम्मिलित हुए। करीब 200 से अधिक चैनलों पर पूरी दुनिया में सीधा प्रसारण किया गया। श्रद्धालुओं ने आस्था के दीप जलाए और उल्लास की आतिशबाजी कर 5 अगस्त की रात को दिवाली मनाई। लोगों ने एक-दूसरे को बधाइयाँ दी, मिठाइयाँ बाँटी गई और जय-जय सियाराम के उद्घोष से चहुँ दिशाएँ गुंजायमान हो उठीं। पूरी दुनिया की नजरें भारत पर टिक गईं। भारत और नेपाल ही नहीं, अमेरिका में भी जय-जय सियाराम गूँज रहा था।

आधुनिक भारत की संस्कृति का प्रतीक बनेगा मंदिर

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा कि अयोध्या में बनने वाला भव्य श्रीराम मंदिर भारतीय संस्कृति का आधुनिक प्रतीक बनेगा। मंदिर निर्माण की प्रक्रिया पूरे देश को जोड़ने वाला उपक्रम बनेगी। उन्होंने कहा कि राम हमें समय के साथ चलना सिखाते हैं। श्रीराम की रीति-नीति और कर्तव्य पालन का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें सबके साथ सबके विश्वास से सबका विकास करना है। जिनके त्याग-बलिदान और संघर्ष से यह सपना साकार हुआ, जिनकी तपस्या मंदिर में नींव की तरह जुड़ी, उन्हें नमन। आंदोलन से जुड़ा हर व्यक्तित्व हमें आशीर्वाद दे रहा है। उन्होंने कहा विश्वव्यापी महामारी कोरोना के इस काल में प्रभु श्रीराम का मर्यादा का मार्ग आज और अधिक आवश्यक हो गया है। वर्तमान समय की मर्यादा है दो गज की दूरी, मास्क पहनना जरूरी।

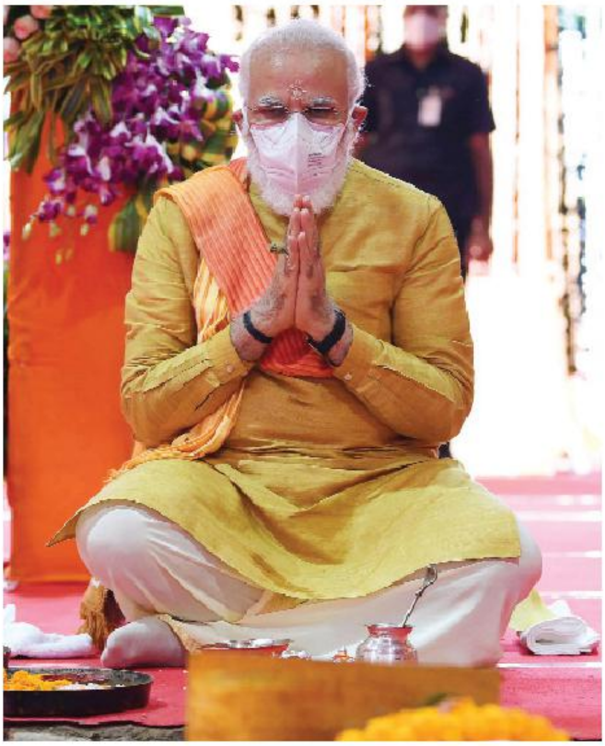

राम काजू कीजे बिनु मोहि कहाँ विश्राम...!

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कन्याकुमारी से क्षीर भवानी, कोटेश्वर से कामाख्या, जगन्नाथ से केदारनाथ, सोमनाथ से काशी, बोधगया से सारनाथ, अमृतसर से पटना साहिब, अंडमान से अजमेर तक सब राममय है। उन्होंने कहा कि राम काजू कीजे बिनु मोहि कहाँ विश्राम। मतलब यह कि भगवान राम का काम किये बिना मुझे विश्राम कहाँ? रामजी के सब काम हनुमानजी ही करते हैं। उनके आशीर्वाद से ही यह भूमि पूजन संपन्न हुआ।

5 अगस्त की भावनाएँ भी 15 अगस्त के समान

मोदीजी ने कहा 27 साल से टेंट में रहे रामलला का भव्य मंदिर बनेगा। उनकी शक्ति देखिये। इमारतें नष्ट कर दी गई, अस्तित्व मिटाने के प्रयास हुए, लेकिन राम हमारे मन में हैं। उन्होंने कहा- 15 अगस्त तप और लाखों बलिदानों का प्रतीक है। उसी तरह राम मंदिर के लिए सदियों तक पीढ़ियों ने प्रयास किये हैं। आज 5 अगस्त का दिन उसी तप, त्याग, बलिदान और संकल्प का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत वर्ष को मर्यादा की सीख देने के साथ ही देश के दुश्मनों को भी चेताया। उन्होंने कहा कि श्रीरामजी की नीति है कि 'भय बिनु होई न प्रीति'। देश जितना ताकतवर होगा, उतनी ही शांति बनी रहेगी। यही राम की नीति है। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने राम राज्य के सूत्र भी यही थे। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम आधुनिकता के पक्षधर हैं।

नेपाल के जनकपुर में निकाली गई भव्य शोभायात्रा

बुधवार को अयोध्या में जब सरयू तट पर जय-जय सियाराम का जयघोष हो रहा था तो उसकी गूँज सीमा पार माता जानकी की जन्मस्थली नेपाल के जनकपुर तक पहुँच रही थी। नेपाल की राजधानी काठमांडू से 123 किमी दूर स्थित जनकपुर के जानकी मंदिर में उत्सव का माहौल था। जिस समय रामलला मंदिर का भूमिपूजन हो रहा था, उसी समय जानकी मंदिर सहित नेपाल के सभी मंदिरों में विशेष आयोजन हो रहे थे। जानकी मंदिर ट्रस्ट के महंत राम तपेश्वर दास स्वयं चाँदी की पाँच ईंटें लेकर अयोध्या पहुँचे। जानकी मंदिर में अखंड रामायण पारायण पश्चात भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई। काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक किया गया। शाम को पूरे देश में दीपोत्सव का आयोजन कर दिवाली मनाई गई।

श्रीलंका के सीता अम्मान मंदिर में दीपोत्सव मनाया

राम जन्मभूमि पर रामलला के भव्य मंदिर निर्माण कार्य हेतु भूमिपूजन की सफलता पर श्रीलंका के न्यूवार इलिया पर्वतीय क्षेत्र में बसे सीता अम्मान मंदिर में विशेष दीपोत्सव मनाया गया। पूरे मंदिर परिसर को देशी घी के दीये प्रज्वलित कर सजाया गया। साथ ही हनुमान चालीसा पाठ एवं राम स्तुति की गई। ऐसी मान्यता है कि लंकाधिपति रावण ने माता सीता को अगवा कर इसी स्थान (अशोक वाटिका) में रखा था।

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वेयर पर भी नजर आए श्रीराम

अयोध्या में राम मंदिर भूमिपूजन को सदी की महानतम घटना मानते हुए अमेरिकन इंडियन पब्लिक अफेयर कमेटी द्वारा अमेरिका में न्यूयौर्क के प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वेयर के बिलबोर्ड पर भगवान श्रीराम की तस्वीर के साथ ही भव्य राम मंदिर का मॉडल हाई रिजोल्यूशन वाली एलईडी स्क्रीन पर दिखाई गई। भारतीय समुदाय ने अपने-अपने घरों पर दीये जलाए और आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ आतिबाजी कर उल्लास प्रकट किया।

जय श्रीराम से जय सियाराम...

जय श्रीराम, राम मंदिर आंदोलन की पहचान था, लेकिन राम मंदिर भूमि पूजन कार्यक्रम में इसकी जगह जय सियाराम के जयघोष ने ले ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कई बार सियावर रामचंद्र की जय और जय सियाराम का जयघोष करवाया।

मूर्ति पूजा के विरोधी भी शामिल हुए भूमिपूजन में

रामलला मंदिर के भूमिपूजन में मूर्तिपूजा विरोधी आर्य समाजी एवं कबीरपंथी ही नहीं, कई कम्युनिस्ट लीडर और उनके कार्यकर्ता भी शामिल हुए और राममय नजर आए।

म.प्र. के माननीय सहकारिता मंत्री

डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया

को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

74वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त एवं प्रशासक)

श्री बी.एस. कोठारी (उपायुक्त)

श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री डी.आर.सरोठिया (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री मनोज शुक्ला (शा.प्र. झाबुआ)। श्री शैलेन्द्र सिंह (पर्य. झाबुआ)
श्री राजेश जोशी (शा.प्र. छकतला)। श्री कमल प्रसाद श्रीवास्तव (पर्य. छकतला)
श्री निर्भयसिंह तोमर (शा.प्र. कट्ठीवाड़ा)। श्री जी.एल. राठौड़ (पर्य. कट्ठीवाड़ा)
श्री फूलसिंह डाबर (शा.प्र. उमराली)। श्री भेरूसिंह ओडरिया (पर्य. उमराली)

आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. झाबुआ, जि.झाबुआ श्री श्रीकांत भट्ट (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. ढेकलबड़ी, जि.झाबुआ श्री राजेन्द्र सिंह नायक (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. उमराली, जि.अलीराजपुर श्री जगदीश जबर (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. पिटोलबड़ी, जि.झाबुआ श्री रघुनाथ सिंह (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. छकतला, जि.अलीराजपुर श्री मनोज सविता (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. वालपुर, जि.अलीराजपुर श्री भेरूसिंह ओहरिया (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. देवझिरी, जि.झाबुआ श्री भारतसिंह हाड़ा (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. बखतगढ़, जि.अलीराजपुर श्री विजेन्द्रसिंह परमार (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. कट्ठीवाड़ा, जि.अलीराजपुर श्री रमेशचंद्र भूरिया (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. करड़ावद बड़ी, जि.झाबुआ श्री कोमलसिंह राठौर (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. फूलमाल, जि.अलीराजपुर श्री कमल प्रसाद श्रीवास्तव (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. आमखूट, जि.अलीराजपुर श्री जी.एल. राठौर (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सामर्थ्य और स्वाधीनता का रिश्ता

शशि शेखर

आजादी की 73वीं वर्षगांठ मना चुके हमारे देश के पास इतराने, इठलाने और बलखाने को बहुत है, पर उल्लास के उजाले अक्सर अंधेरों की अनदेखी कर दिया करते हैं। मैं आज विनयपूर्वक उन लोगों की ओर आपका ध्यान खींचना चाहूंगा, जिनसे अतीत पर गर्व करने की अपेक्षा की जाती है, पर उनका वर्तमान अनिश्चित और भविष्य अनिर्णीत है।

असम के कोकराझार जिले के मूल निवासी दीपक ब्रह्मा की व्यथा-कथा से बात शुरू करना चाहूंगा। मूल स्थान पर रोजगार न मिलने की वजह से वह गुजरात में मेहनत-मजदूरी करके पेट पालते थे। कोविड के कुहासे में जब उनका रोजगार गुम हो गया, तो अपने भाई-बंधुओं की तरह उन्होंने भी 'अपने देस' लौट जाने की सोची। रोज कमाकर खाने वालों के पास कोई जमा-पूंजी नहीं होती। घर का सामान औने-पौने में बेचकर उन्होंने जो पैसे जुटाए, वे गांव पहुंचने में खर्च हो गए। वहां पहुंचकर मालूम पड़ा कि पुरखों की भूमि ने उन्हें जन्म देकर बिसरा दिया है। वहां रोजगार था नहीं, गांव के लोगों का व्यवहार भी परायेपन की स्याही से सराबोर था। फाकाकशी जब सहनशीलता की सीमा को पार करने लगी, तो उन्होंने मजबूरी में अपनी नवजात बेटी को 45 हजार में बेच दिया।

उन्हें लगा था कि एक बच्ची गंवाकर वह अपने अन्य दो बच्चों का पेट तो कुछ दिनों के लिए पाल सकेंगे, पर इलाके में सक्रिय एक सामाजिक संगठन को इसकी भनक लग गई। उसके कार्यकर्ताओं ने जो सुना था, तहकीकात में उसे सही पाया। मामला पुलिस तक पहुंच गया। ब्रह्मा, बिचौलिया और खरीदार, तीनों जेल भेज दिए गए। बेचारा ब्रह्मा, घर का रहा न घाट का! अब लंबी कानूनी जद्दोजहद उसका इंतजार कर रही है। अफसोस यह है कि 74वें साल में कदम रख चुके भारतीय लोकतंत्र के दामन में दुख देने वाली यह अकेली कहानी नहीं है। तमाम ऐसे अभागे देश के हर कोने में तरह-तरह के दंश भोगने को अभिशप्त हैं।

यह ठीक है कि हमें दूसरों के दुख-दर्द बहुत दिनों तक याद नहीं रहते, पर कुछ हफ्तों पहले ही हमने उन बदनसीबों के काफिले देखे हैं, जो चिलचिलाती धूप में नंगे सिर और नंगे पांव अंधाधुंध अपने गांवों की ओर भागे जा रहे थे। उनकी पानी की बोतलें खाली थीं, पेट भूख से उबल रहे थे, पैरों की बिवाइयों से खून रिस रहा था, पर एक उम्मीद थी कि हमारी धरती हमें शरण देगी। इस भीड़ में गर्भवती औरतें, बीमार बुजुर्ग, बच्चे, सभी शामिल थे। देश के अधिसंख्य लोगों ने 1947 के विभाजन के बारे में सिर्फ सुना है। यह जलावतनी तो हमारे सामने घटित हो रही थी। इन लोगों के पास आधार कार्ड हैं, जिनमें उनके पते दर्ज हैं। ये पते किस काम के, जो दो वक्त की रोटी और चैन की ठांव

की गारंटी नहीं ले सकते?

यहां-वहां आश्रय जुटाने की जुगत में जुटे ये वे लोग हैं, जिन्हें मोहनदास करमचंद गांधी ने कभी 'दरिद्र-नारायण' का दर्जा देते हुए आह्वान किया था कि इनकी सेवा करो। ये वे लोग हैं, जिनके लिए बापू ने 'राम राज्य'की अवधारणा सामने रखी थी। गोरे हुक्मरानों से जूझते हुए प्राण गंवाने वाले इनके पुरखों ने इसी सपने के सहारे बलिदानी संघर्ष की शक्ति जुटाई थी। उनके सपने किस मुकाम पर पहुंचे हैं, यह बताने-सुनने से कहीं ज्यादा समझने की जरूरत है।

सवाल उठता है कि क्या केंद्र और राज्यों की सरकारें कोविड-19 के महाकोप के वक्त भी मूकदर्शक बनी रहीं? कतई नहीं। इस दौरान राजकोष खोल दिए गए और इसी का नतीजा है कि बेरोजगारी में बेइंतिहा उफान के बाद भी व्यापक भुखमरी की खबरें नहीं आईं। 'नेशनल सैंपल सर्वे' और 'ऑल इंडिया डेब्ट ऐंड इनवेस्टमेंट सर्वे' के आंकड़ों के आधार पर हमारे सहयोगी प्रकाशन मिंट ने तुलनात्मक अध्ययन कर पाया था कि 'प्रधानमंत्री किसान योजना' के तहत करोड़ों लोगों के खातों में 2,000 रुपये की किस्त अग्रिम पहुंची। इस दौरान खाद्यान्न का निन्शुल्क वितरण भी किया गया। हालांकि, इसी आकलन में यह भी पाया गया कि शहरी गरीब अपने ग्रामीण बिरादरों की बनिस्बत अधिक बेहाल थे। उन्हें अनाज और महिलाओं को जन-धन खातों में 500 रुपये का भुगतान किए जाने के बावजूद अधिक दुश्वारियों का सामना करना पड़ा।

एक अन्य सर्वेक्षण में पाया गया कि लॉकडाउन के दौरान लोगों की आमदनी में 84 फीसदी तक की कमी आई। हिन्दुस्तान के संवाददाताओं ने इस दौरान ऐसे तमाम मामले उजागर किए, जो बताते थे कि निम्न मध्यम और मध्य आय वर्ग के लोगों के सामने तो दुश्वारियों के पहाड़ खड़े हो गए थे। आमदनी घट गई, बचत रिस गई और रोजमर्रा के खर्चे पहाड़ बन गए। इस वर्ग की सबसे बड़ी दिक्कत यह थी कि अपनी तथाकथित प्रतिष्ठा के चलते वह मुफ्त खाद्यान्न की पंक्तियों में नहीं खड़ा हो सकता था, मनरेगा के लिए प्रार्थना पत्र नहीं जमा कर सकता था और मन मसोसने के अलावा कोई चारा नहीं था उसके पास। प्रेमचंद के गोदान और यशपाल की कहानी परदा के पात्र पहली बार समूची शिद्दत से हमारे इर्द-गिर्द मंडराते नजर आए।

कोई आश्चर्य नहीं कि जो लोग बड़ी उम्मीदें लेकर अपने 'वतन' पहुंचे थे, उन्हें अब उन्हीं शहरों की ओर लौटना पड़ रहा है, जिन्होंने अपने द्वार संकट के समय उनके लिए बंद कर लिए थे। तीन साल होने को आए, 'इंडिया स्पेंड' ने विभिन्न सरकारी आंकड़ों का विश्लेषण करते हुए बताया था कि देश के लगभग नौ करोड़ किसान परिवारों में 70 फीसदी जितना कमाते हैं, उससे कहीं अधिक खर्च करने को मजबूर हैं। आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया का अभागापन उनका साथ छोड़ने को तैयार ही नहीं है।

यही वजह है कि वे लगातार कर्ज के अंतहीन मकड़जाल में फंसते जाते हैं। साहूकारी को भले ही उद्योग न माना जाता हो, पर साहूकारों ने इस दौरान दिन दूनी रात चौगुनी कमाई की। बताने की जरूरत नहीं, सुखी समाज और साहूकारी एक साथ नहीं चल सकते। आजादी और आबादी के इस द्वैत को समझे बिना हम खुद को स्वाधीन और समर्थ कैसे कह सकते हैं? कहते हैं, निराशा के बादलों की ओट में रोशनी की किरणें छिपी होती हैं। आजादी की वर्षगांठ से ऐन पहले 'लोकल सर्कल'ने अपने सर्वे में पाया कि 54 फीसदी भारतीय मानते हैं कि हम इस आर्थिक संकट से उबर जाएंगे। इतिहास गवाह है कि जो कौमें उम्मीद नहीं छोड़तीं, वे कभी हारती नहीं। देशवासियों का यह आशावाद आशा जगाता है। ■■

ध्वजा वंदना

» रामधारीसिंह 'दिनकर'

नमो, नमो, नमो।
नमो स्वतंत्र भारत की ध्वजा, नमो, नमो!
नमो नगाधिराज-शृंग की विहारिणी!
नमो अनंत सौख्य-शक्ति-शील-धारिणी!
प्रणय-प्रसारिणी, नमो अरिष्ट-वारिणी!
नमो मनुष्य की शुभेषणा-प्रचारिणी!
नवीन सूर्य की नई प्रभा, नमो, नमो!
हम न किसी का चाहते तनिक अहित, अपकार।
प्रेमी सकल जहान का भारतवर्ष उदार।
सत्य न्याय के हेतु, फहर-फहर ओ केतु
हम विचरेंगे देश-देश के बीच मिलन का सेतु
पवित्र सौम्य, शांति की शिखा, नमो, नमो!
तार-तार में हैं गुँथा ध्वजे, तुम्हारा त्याग!
दहक रही है आज भी, तुम में बलि की आग।
सेवक सैन्य कठोर, हम चालीस करोड़
कौन देख सकता कुभाव से ध्वजे, तुम्हारी ओर
करते तव जय गान, वीर हुए बलिदान,
अंगारों पर चला तुम्हें ले सारा हिंदुस्तान!
प्रताप की विभा, कृषानुजा, नमो, नमो! ■■

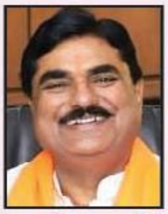

सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की बधाई

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण	दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री ओ.पी. गुप्ता
(प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री रवि ठक्कर
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री विशेष श्रीवास्तव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

74 वें स्वाधीनता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से : श्री नवीन मैथ्यूज (शा.प्र. भरतपुरी) श्री संतोष कुमार जोशी (शा.प्र. लोहाना) श्री रोहित केशव (शा.प्र. नरवर)
श्री निशिकांत चौहान (पर्य. भरतपुरी) श्री दिनेशचंद शर्मा (पर्य. लोहाना) श्री ओमप्रकाश त्रिवेदी (पर्य. नरवर)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पंथ पिपलई, जि.उज्जैन
श्री कैलाश मकवाना (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. लोहाना, जि.उज्जैन
श्री सुरेश शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मगरोला, जि.उज्जैन
श्री अशोकसिंह बैस (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. नावदा, जि.उज्जैन
श्री नवलसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. लेकोड़ा, जि.उज्जैन
श्री निशिकांत चौहान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. केताहपुर, जि.उज्जैन
श्री दशरथ गोस्वामी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. तालोद, जि.उज्जैन
श्री संतोषसिंह बैस (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. भिड़ावद, जि.उज्जैन
श्री दिनेशचंद्र शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. चंदेसरा, जि.उज्जैन
श्री जीवनलाल पोरवाल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बग्रेड, जि.उज्जैन
श्री दिनेशचंद्र शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. आकासोदा, जि.उज्जैन
श्री संतोष माथुर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पिपलु, जि.उज्जैन
श्री शंकरलाल यादव (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. चिंता जवासिया, जि.उज्जैन
श्री अबरार खान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. नौगाँवा, जि.उज्जैन
श्री कृष्णपालसिंह झाला (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. करोहन, जि.उज्जैन
श्री कमलसिंह राजावत (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. नरवर, जि.उज्जैन
श्री राधेश्याम बैरागी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गोंदिया, जि.उज्जैन
श्री पवन कुमार करनोदिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कचनारिया, जि.उज्जैन
श्री गोरधनसिंह पंवार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. हमीरखेड़ी, जि.उज्जैन
श्री सुनील मेहता (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. दताना, जि.उज्जैन
श्री प्रकाशसिंह त्रिवेदी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

1857 का आंदोलन

सन् 1857 के वर्ष का भारतीय इतिहास में एक विशिष्ट स्थान है। यह वह वर्ष है, जिसे भारतीय वीरों ने अपने शौर्य की कलम को रक्त में डुबोकर काल की शिला पर अंकित किया था और ब्रिटिश साम्राज्य को कड़ी चुनौती देकर उसकी जड़ें हिला दी थीं। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री और महान चिंतक पं. जवाहरलाल नेहरू ने लिखा- यह केवल एक विद्रोह नहीं था, यद्यपि इसका विस्फोट सैनिक विद्रोह के रूप में परिणित हो गया था। 1857 की क्रांति की शुरुआत एक तरह से 29 मार्च 1857 को कलकत्ता से 16 किलोमीटर दूर स्थित बैरकपुर छावनी में 34वीं नेटिव इन्फेंट्री के सिपाही मंगल पांडे द्वारा गाय की चर्बी वाले कारतूसों के चलाने से मना करने से हुई। जोर-जबर्दस्ती करने पर मंगल पांडे ने अंग्रेज सार्जेंट मेजर जेम्स थानर्टन को परेड ग्राउंड में गोली मार दी। उसी समय लेफ्टिनेंट एडजुटेंट बेम्पडै हेनरी वाग घोड़े पर सवार होकर आया तो वह भी मंगल पांडे की बंदूक का निशाना बना। इसकी प्रतिक्रिया में 8 अप्रैल 1857 को अंग्रेजी शासन ने मंगल पांडे को फांसी दे दी तथा पूरी छावनी को भंग कर दिया। मंगल पांडे को इस क्रांति का पहला शहीद सिपाही कहा गया। इस घटना के कुछ दिन बाद ही 24 अप्रैल 1857 को मेरठ छावनी स्थित थर्ड लाइट कैवेलरी के 85 सिपाहियों द्वारा रंगून से आए गाय की चर्बी युक्त कारतूसों को हाथ लगाने से मना कर दिया गया। इन सभी सैनिकों को अंग्रेजी शासन ने बागी करार देकर 10-10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाकर जेल में डाल दिया। 9 मई 1857 को उन्हें एक सभा में सार्वजनिक रूप से अपमानित कर व उनकी वर्दियां उतारकर हथकड़ी-बेड़ियां पहनाकर जेल भेज दिया गया। इससे बौखलाए मेरठ छावनी की तीन रेजिमेंटों के सिपाहियों ने अगले दिन रविवार, 10 मई 1857 को जब अंग्रेज चर्च जाने की तैयारी कर रहे थे, अचानक अंग्रेजी शासन से बगावत कर क्रांति का बिगुल बजा दिया और वहां के शस्त्रागार को लूटकर सिपाहियों को जेल तोड़कर छुड़ा लिया। इसके बाद इन विद्रोही सैनिकों ने दिल्ली की तरफ कूच किया, जहां नेटिव इन्फैंट्री की तीन रेजिमेंट मौजूद थीं। 11 मई के दिल्ली पहुंचकर इन सैनिकों ने लाल किले पर धावा बोलकर कैप्टन डगलस को मार गिराया और बहादुरशाह जफर से नेतृत्व की अपील की। तब तक इनके साथ अंग्रेजी शासन से त्रस्त लोगों का कारवां भी जुड़ता गया था और देखते ही देखते मेरठ में विद्रोही सैनिकों से आरंभ इस स्वाधीनता संग्राम में राजाओं-नवाबों सहित किसान, मजदूर, हिंदू, मुसलमान, महिलाएं व सामान्य जन शामिल होते गए। मेरठ एवं दिल्ली से चली इस चिंगारी ने शीघ्र ही देश के तमाम हिस्सों में हलचल पैदा कर दी। इस संग्राम का आखिरी बड़ा युद्ध 21 जनवरी 1859

मंगल पांडे

बहादुर शाह जफर

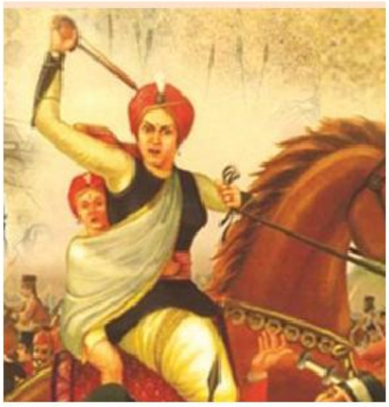
रानी लक्ष्मीबाई

को राजस्थान के सीकर में हुआ। सिर्फ उत्तर भारत ही नहीं अपितु इसका प्रभाव महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, केरल, गोवा, पांडिचेरी आदि राज्यों में भी व्याप्त था।

12 मई 1857 को दिल्ली पर कब्जा होने के पश्चात 1857 की क्रांति का नेतृत्व बहादुरशाह जफर ने किया। उन्होंने बख्त खां को सैन्य नेतृत्व सौंपा और कई राजाओं को पत्र भेजकर अंग्रेजों को देश से बाहर निकालने का अह्वान किया। लखनऊ में इस क्रांति के तारतम्य में 4 जून को अवध की बेगम हजरत महल ने अपने नाबालिग लड़के बिरजिस कादर को नवाब घोषित कर अंग्रेजों से लोहा लिया। ब्रिटिश सेना ने हारकर रेजिडेंसी में शरण ली, जिसमें क्रांतिकारियों ने आग लगा दी। इसमें तमाम सैनिकों सहित ब्रिटिश रेजिडेंट हेनरी लारेंस की मौत हो गई। कानपुर में 5 जून को अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह हुआ और नाना साहब ने क्रांति की बागडोर संभाली। तात्या टोपे व अजीमुल्ला खान के सहयोग से नाना साहब ने अंग्रेजों को कड़ी टक्कर देकर आत्मसमर्पण करने पर मजबूर कर दिया। झांसी में रानी लक्ष्मी बाई ने नेतृत्व करते हुए ब्रिटिश हुकूमत को चुनौती दी और जनरल ह्यूरोड द्वारा पराजित होने पर तात्या टोपे की सहायता से ग्वालियर पर कब्जा कर लिया। कानपुर में क्रांति से सूत्रपात के समय से कदाचित कोई माह ही ऐसा गया होगा, जबकि तात्या टोपे ने किसी नए स्थान पर जाकर क्रांति का संदेश न सुनाया हो या उत्साहहीन, पराजित क्रांतिकारी सेना का सुसंगठन न किया हो या युद्धक्षेत्र में किसी सेना का संचालन न किया हो। तभी तो गुरिल्ला युद्ध में माहिर तात्या टोपे हेतु अंग्रेजों ने लिखा कि- यदि उस समय भारत में आधा दर्जन भी तात्या टोपे सरीखे सेनापति होते तो ब्रिटिश सेनाओं की हार तय थी। इसी प्रकार फैजाबाद में मौलवी अहमदुल्लाह, मथुरा में देवीसिंह, मेरठ में करमसिंह, इलाहाबाद में लियाकत अली व बरेली में खान बहादुर खान ने क्रांति का नेतृत्व करते हुए अंग्रेजों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। बनारस, आजमगढ़, इटावा, अलीगढ़, बुलंदशहर, मुरादाबाद, रुहेलखंड जैसे क्षेत्र भी इस क्रांति से अछूते नहीं रहे। बिहार में इस क्रांति का नेतृत्व जगदीशपुर के जमींदार कुंवरसिंह ने किया और आरा के निकट ब्रिटिश सैनिकों के पराजित किया। सिर्फ उत्तरप्रदेश और बिहार ही नहीं, पंजाब व हरियाणा के लोगों ने भी इस क्रांति में आहुति दी। मेवात में सदरुद्दीन नामक किसान ने नेतृत्व की बागडोर संभाली तो पानीपत में बूअली कलंदर इमाम के नेतृत्व में लोगों ने भाग लिया। पंजाब में इस क्रांति का असर तेजी से फैला और नतीजा यह हुआ कि अंडमान जेल में पहला क्रांतिकारियों का जो जत्था भेजा गया, उसमें 206 क्रांतिकारी पंजाब से थे।

महाराष्ट्र भी इस क्रांति से अछूता नहीं रहा और लगभग 20 स्थानों पर देशी सैनिकों व स्थानीयजनों ने इस क्रांति में बढ़-चढ़कर भाग लिया। 1840 में सतारा के पूर्व राजा प्रतापसिंह के वकील के रूप में लंदन जाने वाले रंगा बापूजी गुप्ते के नेतृत्व में 10 जून को सतारा व 13 जुलाई को पंढरपुर में क्रांति को प्रज्ज्वलित किया गया। कोल्हापुर में इस बीच सैनिक विद्रोह हुए। हैदराबाद में सोनाजी पंत व रंगाराव पांडो, गंजम में राधाकृष्ण दंडसेन, गोलकुंडा में चिंताभूपति व उनके भतीजे संन्यासी भूपति ने संघर्ष का अह्वान कर नेतृत्व किया। मछलीपट्टम व गुंटूर के इलाके भी क्रांति से अछूते नहीं रहे। कर्नाटक में जून 1857 में रामचंद्रराव ने अंग्रेजों के विरुद्ध प्रचार किया। जुलाई में बंगलौर स्थित मद्रास सेना की 8वीं घुड़सवार सेना व अगस्त में बेलगांव में 20वीं पैदल सेना की पल्टन ने विद्रोह किया। कर्नाटक में मैसूर, बीजापुर, शेरापुर, धारवाड़, कारवाड़, जमाखिंडी, नर्गुण्ड, कोप्पल, सतारा व बेलगांव आदि क्रांति के प्रमुख क्षेत्र रहे। प्रमुख क्रांतिकारियों में राघोबा फड़नवीस, शांताराम फड़नवीस, सिद्धि बेनोवे इत्यादि रहे। तमिलनाडु में मद्रास, चिंगलपुर, उत्तरी, अरकाट, सेलम, तंजौर, मदुरई, कोयम्बटूर, तिरुनेलवेली क्रांति के प्रमुख केन्द्र रहे। जून 1857 में प्रथम मद्रास सैनिक पल्टन ने कूच करने से इनकार कर दिया तो 27 जुलाई 1857 को चिंगलपुर में अंग्रेजों के विरुद्ध क्रांति भड़क उठी। यहां तक कि दो प्रमुख मंदिर मनिपक्कम व पल्लवरम भी क्रांतिकारियों के

अड्डे बने और अरनागिरि व कृष्णा ने ज्योतिषी के वेश में क्रांति की ज्वाला पैदा की। केरल में कोचीन, कालीकट, किणलोर व त्रावणकोर में लोगों ने अंग्रेजों के विरुद्ध झंडा उठाया। गोवा में इस क्रांति का नेतृत्व दीपूजी राणा ने किया। कानपुर में अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती देकर क्रांति का नेतृत्व करने वाले नाना साहब अंत तक देश में स्थित अन्य क्रांतिकारियों से संपर्क बनाए रहे। शेरापुर के राजा ने नाना साहब को विद्रोह के लिए संदेश भेजे और हैदराबाद के सोनाजी पंत ने एक पत्र रंगाराव पांडो द्वारा नाना साहब को भेजा तो इसके जवाब में नाना साहब ने 18 अप्रैल 1858 को दक्कन के लिए एक घोषणापत्र भेजा। इससे साफ है कि 1857 की क्रांति की ज्वाला समूचे देश में विस्तृत हुई और इसमें सभी क्षेत्रीय, भाषायी, धार्मिक और जातीय सम्प्रदाय व वर्गों ने भाग लिया। उस समय के सरकारी दस्तावेजों में जानकारी मिलती है कि हिमालय की तराई अर्थात जम्मू से लेकर दक्षिण में हैदराबाद और पश्चिम में अफगानिस्तान से लेक पूरब में त्रिपुरा तक क्रांति की ज्वाला फैली। 1857 की क्रांति बैरकपुर व मेरठ के रास्ते दिल्ली से चारों तरफ चिंगारी की भांति फैल गई। यद्यपि, 20 सितंबर 1857 को अंग्रेजों ने दिल्ली पर पुनः कब्जा कर लिया, पर देश के अन्य भागों में क्रांति का ज्वार खत्म नहीं हुआ था। जैसे-जैसे क्रांति की खबर फैलती जाती, वैसे-वैसे लोग इसमें शामिल होते जाते। इस संग्राम का आखिरी बड़ा युद्ध 21 जनवरी 1859 को राजस्थान के सीकर में हुआ। इसमें हजारों व्यक्ति शहीद हुए, हजारों को निर्वासित किया गया, कई नेतृत्वकर्ता छिपकर नेतृत्व करने के लिए पलायन कर गए और बड़ी संख्या में लोगों को कैद में ठूंस दिया गया।

1857 की क्रांति की सफलता-असफलता के अपने-अपने तर्क हैं पर यह भारत की आजादी का पहला ऐसा संघर्ष था, जिसे अंग्रेज समर्थक सैनिक विद्रोह अथवा असफल विद्रोह साबित करने पर तुले थे, परंतु सही मायनों में यह पराधीनता की बेड़ियों से मुक्ति पाने का राष्ट्रीय फलक पर हुआ प्रथम महत्वपूर्ण संघर्ष था। अमेरिकी विद्वान प्रो. जीएफ हचिन्स के शब्दों में 1857 की क्रांति को अंग्रेजों ने केवल सैनिक विद्रोह ही कहा, क्योंकि वे इस घटना के राजद्रोह पक्ष पर ही बल देना चाहते थे और कहना चाहते थे कि यह विद्रोह अंग्रेजी सेना के केवल भारतीय सैनिकों तक ही सीमित था, परंतु आधुनिक शोधपत्रों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह आरंभ सैनिक विद्रोह के ही रूप में हुआ, परंतु शीघ्र ही इसने लोकप्रिय विद्रोह का रूप धारण कर लिया। यह आंदोलन भले ही भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति न दिला पाया हो, लेकिन लोगों में आजादी का जज्बा जरूर पैदा कर गया।

जलियाँवाला बाग से अंग्रेजों के खिलाफ बना वातावरण

तेरह अप्रैल 1919 को 'बैसाखी' के दिन अमृतसर के जलियांवाला बाग में मौजूद भीड़ को घेरकर निर्दयी कर्नल डायर ने 1650 राउंड गोली चलाई। यह बाग जिस जगह है, उसके पास संकरी गलियां हैं, गोली चलने से घबराई जनता ने भागने की कोशिश की, किंतु गली के हर मुहाने पर अंग्रेज सिपाही तैनात थे। लोगों को भागने का कोई रास्ता नहीं मिला। पुलिस की गोली और भीड़ में कुचल जाने से 379 लोग मौके पर ही मारे गए और 1500 घायल हुए।

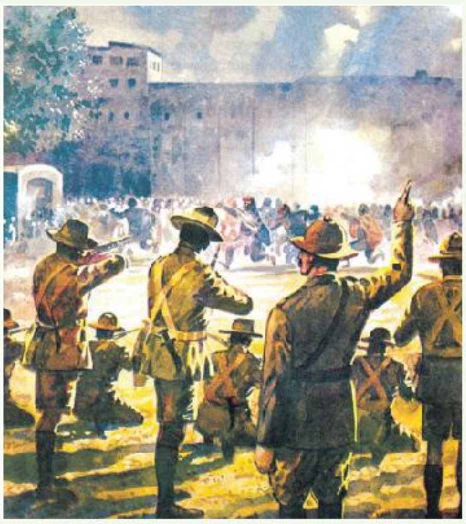

डायर के निर्देश पर सैनिकों ने तब तक गोली चलाई, जब तक उनके पास असलाह था। बख्तरबंद गाड़ियों का लश्कर, घुड़सवार सैनिकों के सामने निहत्थे लोगों को वहां से जाने की सूचना भी देना डायर ने उचित नहीं समझा। पुलिस गैरकानूनी जमावड़े को हटाने के लिए लाउडस्पीकर से सूचना देती है, फिर लाठीचार्ज किया जाता है, जब भीड़ हिंसक हो जाती है, तब भी डराने के लिए हवाई फायर किए जाते हैं। डायर तो ठान के आया था कि आजादी के मतवालो को सबक सिखाकर ही उसे चैन आएगा। डायर ने इस घटना के बाद कहा कि गनीमत है हमारे पास और ज्यादा कारतूस नहीं थे अन्यथा ज्यादा लोगों को सबक सिखाता। जलियांवाला बाग की दीवारों पर गोलियों के सैकड़ों निशान होना सिद्ध कर रहा था कि अंग्रेज सिपाहियों ने अंधाधुंध गोली चालन किया। जलियांवाला बाग के नरसंहार ने सारे देश को स्तब्ध कर दिया। डायर इतना क्रूर था कि उसने घायल व्यक्तियों को इलाज के लिए भी अस्पताल नहीं जाने दिया। अनेक लोगों ने तड़प तड़प कर अपने प्राण त्याग दिए, किंतु जालिम डायर का दिल नहीं पसीजा। जलियांवाला बाग की घटना से पूरे देश में अंग्रेजों के खिलाफ वातावरण बना। देशव्यापी हड़ताल हुई, जगह-जगह जुलूस निकाले गए और प्रदर्शन हुए।

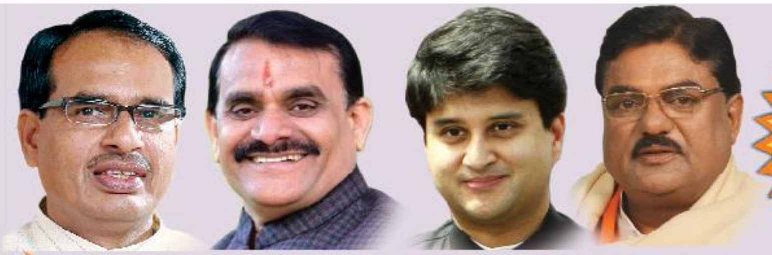

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

स्वाधीनता दिवस की 73वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सौजन्य से

श्री दिनेश शर्मा (शा.प्र. पचोर)
श्री पवन कुमार गुप्ता (पर्य. पचोर)
श्री मोहनसिंह परमार (शा.प्र. बोड़ा)

श्री नीरज सिंह (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री आर.आर. सिंह (संयुक्त आयुक्त) | श्री एम.ए. कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री डी.के. चौहान (प्रभारी सीईओ)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पचोर, जि.राजगढ़
श्री प्यारेलाल वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उदनखेड़ी, जि.राजगढ़
श्री कमलसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुस्तानी, जि.राजगढ़
श्री सुरेशचंद नागर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. करनवास, जि.राजगढ़
श्री प्यारेलाल वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोकड़ी, जि.राजगढ़
श्री तुलसीराम नागर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पटा धाकड़, जि.राजगढ़
श्री कमलसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुत्तानिया, जि.राजगढ़
श्री भागीरथ नागर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ओड़पुर, जि.राजगढ़
श्री दिलीपसिंह परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पानिया, जि.राजगढ़
श्री कमलसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. वासखेड़ा, जि.राजगढ़
श्री बलवंतसिंह नागर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. देवलखेड़ा, जि.राजगढ़
श्री कमलसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोड़ा, जि.राजगढ़
श्री रामप्रसाद राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उमरी, जि.राजगढ़
श्री रामप्रसाद राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भैसाना, जि.राजगढ़
श्री प्यारेलाल वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढावला, जि.राजगढ़
श्री प्यारेलाल वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मंडावर, जि.राजगढ़
श्री उत्तम कुमार भानेरिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सूकली, जि.राजगढ़
श्री उत्तम कुमार भानेरिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हिनोतिया, जि.राजगढ़
श्री कमलेन्द्रसिंह मकवाना (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

बापू जैसा कोई नहीं

गांधीजी दक्षिण अफ्रीका गए और वहां वकालत शुरु की, किंतु उन्हें सबसे ज्यादा क्षुब्ध किया रंगभेद की नीति ने, जिसका अनुभव उन्हें रेल यात्रा में हो चुका था। गांधीजी के जीवन पर स्वावलंबन की क्रिया का सर्वाधिक असर हुआ। स्वच्छता के मामले में उन्हें पश्चिमी देशों की जीवन शैली ने प्रभावित किया। दक्षिण अफ्रीका में फिनिक्स आश्रम की स्थापना की, जिसमें अपनी बात मनवाने के लिए सत्याग्रही तैयार करने का संकल्प लिया, इससे वहां रह रहे भारतीयों एवं आमजनों में अन्याय का विरोध करने का भावना प्रबल हुई। गांधीजी के प्रयोग दक्षिण अफ्रीका में चल रहे थे। इस दौरान भी देश में चल रहे आंदोलनों पर उनकी गहरी नजर थी, वहीं वे राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशनों में भाग लेते रहे। वे गोपालकृष्ण गोखले के चुंबकीय व्यक्तित्व से आकर्षित हुए। साथ ही फिरोज शाह मेहता, लोकमान्य तिलक की प्रतिभा से प्रभावित हुए। गोखले को उन्होंने गुरु माना, तिलक की विद्वता का भी उन्होंने अपनी आत्मकथा में जिक्र किया।

रोलेट बिल 1919 में लाया गया, जिसमें आतंकवाद के नाम पर राष्ट्रीय आंदोलन को कुचलने की चेष्टा वाले प्रावधान थे। इस विधेयक का विरोध करते हुए गांधीजी ने राष्ट्रीय हड़ताल का नेतृत्व किया। खिलाफत आंदोलन और जलियांवाला बाग का विरोध करने के लिए गांधीजी ने देशव्यापी सत्याग्रह के साथ ही असहयोग आंदोलन चलाया, वहीं चौराचौरी (गोरखपुर) की घटना हुई, जनता ने पुलिस थाने को आग लगा दी, इससे थाने में मौजूद पुलिस जवान मारे गए थे। गांधीजी का अहिंसा पर पूरा जोर था। 1929 में लाहौर कांग्रेस अधिवेशन में पूर्ण स्वतंत्रता का प्रस्ताव पेश किया गया। 27 जनवरी 1930 देशभर में स्वतंत्रता की शपथ ली गई। सिविल नाफरमानी के आंदोलन का श्रीगणेश हुआ। गांधीजी ने लोकशिक्षण, लोकसंगठन, रचनात्मक कार्यक्रम चलाए, जिससे हजारों कार्यकर्ता तैयार हुए। 1930 के सत्याग्रह की शुरुआत दांडी मार्च से हुई, जिसे नमक सत्याग्रह का रूप दिया। गांधीजी ने चंपारण (बिहार) में किसानों की समस्याओं को उठाया। खेड़ा में सरदार पटेल के आंदोलन से भी जनजाग्रति हुई।

1942 के आंदोलन के दौरान गांधीजी ने आगा खां महल (पूना) में 21 दिन का उपवास किया, तब वे इतने दुर्बल हो गए थे कि अंग्रेज सरकार ने मान लिया था कि वे कुछ दिनों के मेहमान हैं। मौत की जिम्मेदारी से बचने के लिए 6 मई 1944 को उन्हें रिहा कर दिया गया। गांधीजी देश को अहिंसा के जरिए आजाद कराने के पक्षधर थे इसलिए कई मर्तबा उन्होंने हिंसक आंदोलनों का विरोध किया, क्योंकि वे जानते थे कि अहिंसा के जरिए ज्यादा जनमत अंग्रेजों के खिलाफ खड़ा किया जा सकता है। आजाद हिंद फौज के गिरफ्तार सैनिकों की पैरवी करने के लिए भूलाभाई देसाई को गांधीजी ने भेजा। 1942 में भारत छोड़ों आंदोलन में हुई हिंसा से गांधीजी प्रसन्न नहीं थे। हालांकि वे क्रांतिकारियों की बहादुरी की हमेशा तारीफ करते थे, किंतु उनका मानना था कि शूरों की अहिंसा हिंसा के मुकाबले श्रेष्ठ है। गांधीजी ने इस देश की भावनात्मक एकता को जोड़ने का काम किया। हरिजनों को मंदिर में प्रवेश दिलाने के लिए आंदोलन चलाया। इसे हिंदू समाज में जातीय भेदभाव समाप्त करने की दिशा की शुरुआत कह सकते हैं। विभाजन के दौरान पंजाब में हुई हिंसा को दबाने में सेना को कठिनाई हो रही थी। वहीं बंगाल में भी उपद्रव शुरु हो गए। लार्ड माउंटबेटन ने गांधीजी से, जो उस समय दिल्ली में शांति कायम करने में लगे हुए थे, बंगाल जाने का अनुरोध किया। उन्होंने नोआखाली (कलकत्ता) में जाकर हिंसा पर उतारू भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जान जोखिम में डाली। बुद्ध के बाद वे अकेले ऐसे भारतीय हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हुई है।

विश्व के अनेक देशों में गांधीजी की प्रतिमा लगी, उनके विचारों के अनुरूप अहिंसा के आधार पर अनेक मुल्क आजाद हुए। नेल्सन मंडेला और मार्टिन लूथर किंग ने गांधीजी से प्रेरणा ली और विषमता-नस्ल भेदभाव को खत्म करने के लिए आंदोलन किए। ■■

आजादी के मतवाले

खुदीराम बोस

खुदीराम का जन्म 3 दिसंबर 1889 को पश्चिम बंगाल के मिदनापुर में त्रैलोक्यनाथ बोस के यहाँ हुआ। उन्होंने नौवीं कक्षा के बाद ही पढ़ाई छोड़ दी और स्वदेशी आंदोलन में कूद पड़े। 1905 में बंगाल विभाजन (बंग भंग) के विरोध में चलाए गए आंदोलन में भी उन्होंने बढ़-चढ़कर भाग लिया। 28 फरवरी 1906 को खुदीराम बोस गिरफ्तार कर लिए गए लेकिन वह कैद से भाग निकले। लगभग दो महीने बाद अप्रैल में वह फिर से पकड़े गए। 16 मई 1906 को उन्हें रिहा कर दिया गया। 6 दिसंबर 1907 को खुदीराम ने नारायगढ़ रेलवे स्टेशन पर बंगाल के गवर्नर की विशेष ट्रेन पर हमला किया परंतु गवर्नर बच गया। सन 1908 में उन्होंने दो अंग्रेज अधिकारियों वाट्सन और पैम्फायल्ट फुलर पर बम से हमला किया लेकिन वे भी बच निकले। खुदीराम बोस मुजफ्फरपुर के सेशन जज से बेहद खफा थे क्योंकि उसने बंगाल के कई देशभक्तों को कड़ी सजा दी थी। उन्होंने अपने साथी प्रफुल्ल चाकी के साथ मिलकर सेशन जज किंग्सफोर्ड से बदला लेने की योजना बनाई। दोनों मुजफ्फरपुर आए और 30 अप्रैल 1908 को सेशन जज की गाड़ी पर बम फेंक दिया, लेकिन उस समय गाड़ी में किंग्सफोर्ड की जगह उसकी परिचित दो यूरोपीय महिला कैनेडी और उसकी बेटी सवार थी। किंग्सफोर्ड के धोखे में दोनों महिलाएँ मारी गई जिसका खुदीराम और प्रफुल्ल चंद चाकी को बेहद अफसोस हुआ। अंग्रेज पुलिस उनके पीछे लगी और वैनी रेलवे स्टेशन पर उन्हें घेर लिया। अपने को पुलिस से घिरा देख प्रफुल्लचंद चाकी ने खुद को गोली मारकर अपनी शहादत दे दी जबकि खुदीराम पकड़े गए। 11 अगस्त 1908 को उन्हें मुजफ्फरपुर जेल में फाँसी दे दी गई। उस समय उनकी उम्र मात्र 19 साल थी। फाँसी के बाद खुदीराम इतने लोकप्रिय हो गए कि बंगाल के जुलाहे एक खास किस्म की धोती बुनने लगे। इतिहासवेत्ता शिरोल के अनुसार बंगाल के राष्ट्रवादियों के लिए वह वीर शहीद और अनुकरणीय हो गया। विद्यार्थियों तथा अन्य लोगों ने शोक मनाया। कई दिन तक स्कूल बंद रहे और नौजवान ऐसी धोती पहनने लगे, जिनकी किनारी पर खुदीराम लिखा होता था।

विनायक दामोदर सावरकर

विनायक दामोदर सावरकर को 'वीर सावरकर' के रूप में याद किया जाता है। प्रखर राष्ट्रवादी सावरकर ने 1904 में अभिनव भारत नामक एक क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की। 1905 में उन्होने पुणे में विदेशी वस्त्रों की होली जलाई। वे फर्ग्युसन कॉलेज, पुणे में भी वे राष्ट्रभक्ति पूर्ण ओजस्वी भाषणों की वजह से युवकों में लोकप्रिय हुए। बाल गंगाधर तिलक की प्रेरणा व अनुमोदन से उन्हें श्यामजी कृष्ण वर्मा छात्रवृत्ति मिली और पढ़ने लंदन गए। लंदन आवास के दौरान सावरकर की मुलाकात लाला हरदयाल से हुई। लंदन में वे इंडिया हाऊस की देखरेख भी करते थे। 1 जुलाई, 1909 को मदनलाल ढींगरा को गोली मार दिए जाने के बाद उन्होंने लंदन टाइम्स में भी एक लेख लिखा था। 13 मई, 1910 को पैरिस से लंदन पहुंचने पर गिरफ्तार कर लिया गया, किंतु 8 जुलाई, 1910 को एस.एस.मोरिया नामक जहाज से भारत ले जाते हुए सीवर होल के रास्ते ये भाग निकले। 24 दिसंबर, 1910 को इन्हें आजीवन कारावास की सजा दी गई। इसके बाद 31 जनवरी, 1911 को इन्हें दोबारा आजीवन कारावास दिया गया।। इस प्रकार सावरकर को ब्रिटिश सरकार ने क्रांति कार्यों के लिए दो आजन्म कारावास की सजा दी, जो विश्व के इतिहास की पहली एवं अनोखी सजा थी।

नासिक जिले के कलेक्टर जैकसन की हत्या के लिए उन्हें 7 अप्रैल, 1911 को काला पानी की सजा पर सेलुलर जेल भेजा गया। वहां उन्होंने करीब 10 वर्ष का कारावास भुगता। हिंदुत्व पर उन्होंने शोधग्रंथ भी लिखा। हिंदू महासभा की स्थापना का श्रेय सावरकर को है, जिसके वे सात वर्ष तक अध्यक्ष रहे। 8 अक्टूबर 1959 को उन्हें पुणे विश्वविद्यालय ने डी-लिट की मानद् उपाधि से अलंकृत किया। 27 फरवरी 1966 को इस महान हुतात्मा ने अंतिम सांस ली।

मदनलाल ढींगरा

मदनलाल ढींगरा का जन्म 1883 को पंजाब में हुआ था। लाहौर में पढ़ाई के दौरान उन्हें क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लेने के आरोप में कॉलेज से निकाल दिया गया। घर वालों ने भी नाता

तोड़ लिया। उसके बावजूद उन्होंने क्रांति की मशाल को थामे रखा। लंदन पढ़ाई करने गए, जहां श्यामजी कृष्ण वर्मा और वीर सावरकर के संपर्क में आए, जिन्होंने उन्हें प्रशिक्षित किया। संदन का इंडिया हाऊस उन दिनों राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र था। खुदीराम बोस, कन्हाई दत्त, सतिंदर पाल और कांशीराम जैसे क्रांतिकारियों को मृत्युदंड दिए जाने से लोग कुपित थे। इन घटनाओं का बदला लेने के लिए 1 जुलाई 1909 को सर कर्जन वायली, जो भारतीय मामलों के राजनीतिक सलाहकार थे, उन पर एक समारोह में मदनलाल ढींगरा ने पांच गोलियां दागीं जिनमें से चार वायली को लगीं। ढींगरा ने पिस्तौल से अपने को गोली मारने की कोशिश भी की, जिसमें वे सफल नहीं हुए, उन्हें पकड़ लिया गया। 23 जुलाई 1909 को उन्हें वायली की हत्या के जुर्म में फांसी दी गई। उस समय वे महज 27 साल के थे। फांसी पर चढ़ने के पहले ढींगरा ने कहा- 'मेरे पास मातृ भूमि को देने को लहू है, मैं मां की कोख से अगला जन्म लेक फिर एक बार अपने प्राण बलिदान दे सकूं, जब तक मेरी मां को मुक्त करने का मकसद पूरा नहीं होता।' वंदे मातरम् कहकर फांसी के फंदे पर ढींगरा झूल गए।

उधमसिंह

उधमसिंह का नाम प्रमुख क्रांतिकारियों में महत्वपूर्ण है, जिसने जलियांवाला बाग में क्रूर संहार करने वाले माइकल डायर की लंदन में गोली मारकर हत्या करके भारत माता का मस्तक ऊंचा किया। उधमसिंह 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग मे हुए नरसंहार के प्रत्यक्षदर्शी थे। देशवासियों की शहादत का बदला लेने के लिए उन्होंने जलियांवाला बाग की मिट्टी हाथ में लेकर प्रतिज्ञा की कि जब तक वे डायर का वध नहीं करेंगे चैन की सांस नहीं लेंगे। डायर को सबक सिखाने के लिए उन्होंने विभिन्न नामों से अफ्रीका, नैरौबी, ब्राजील और अमेरिका की यात्रा की। वे सन 1934 को लंदन पहुंचे और कार खरीदी। साथ ही अपना मिशन पूरा करने के लिए रिवॉल्वर खरीदा। जलियांवाला बाग की घटना के 21 मार्च 1940 को रायल सेंट्रल एशियन सोसायटी में भाषण देने वालों में डायर भी था। उधमसिंह ने रिवॉल्वर किताब में छुपा ली और अवसर मिलते ही डायर को गोली से छलनी कर दिया। 4 जून 1940 को उन्हें डायर की हत्या के दोषी ठहराते हुए फांसी की सजा सुनाई गई। 31 जुलाई 1940 को उधमसिंह को फांसी दे दी गई। उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान देकर राष्ट्र के स्वाभिमान की रक्षा की, इस वजह से उनका नाम स्वाधीनता संग्राम में अजर-अमर हो गया।

रामप्रसाद बिस्मिल

रामप्रसाद बिस्मिल भारत के महान सपूत थे। 1897 को जन्मे रामप्रसाद का बचपन अभावों में बीता। पूजा पाठी रामप्रसाद के जीवन में तब परिवर्तन आया, जब वे आर्य समाजी मुंशी इंद्रजीत के संपर्क में आए, मुंशीजी ने उन्हें स्वामी दयानंद की 'सत्यार्थ प्रकाश' पढ़ने के लिए दी, जिसके पठने से उनके जीवन की धारा बदल गई। लखनऊ के पास काकोरी में अंग्रेजों का खजाना लूटने के कारण उन्हें गिरफ्तार किया गया। मुकदमा चला, जिसमें

उन्हें प्राणदंड दे दिया गया। सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है देखना है जोर कितना बाजु-ए-कातिल में है, जैसे क्रांतिकारी तराने के रचयिता बिस्मिल ने आखिरी वक्त कहा- 'हे ईश्वर मुझे दोबारा इस धरती पर जन्म दे, ताकि सारे-संसार में जनतंत्र हो। कोई किसी पर हुकूमत न करे, हर इंसान आजादी की सांस लेने के लिए स्वतंत्र हो।'

अशफाकउल्ला खान

अशफाकउल्ला खान का जन्म शाहजहांपुर (उत्तरप्रदेश) में हुआ। वे कम उम्र में ही देशभक्ति के रंग में रंग गए थे। महात्मा गांधी द्वारा असहयोग आंदोलन घोषित किया गया, जिसमें अशफाकउल्ला ने बड़ी सक्रियता दिखाई और इस आंदोलन में जेल भी गए। गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन वापस लेने की घोषणा से उन्हें घोर निराशा हुई। वे क्रांतिकारियों के संपर्क में आए। रामप्रसाद बिस्मिल भी शाहजहांपुर के ही रहने वाले थे। पंडितजी घोर सनातनी थे, वहीं अशफाकउल्ला भी अपने धर्म के प्रति श्रद्धावान थे। उसके बावजूद उनके मध्य प्रगाढ़ संबंध थे। दोनों एक ही राह के राही थे। आजादी के ये दो दीवाने देश को अंग्रेजों से सशस्त्र क्रांति द्वारा मुक्त कराना चाहते थे। क्रांतिकारियों ने हथियार खरीदने के लिए सरकारी खजाने को लूटने का निश्चय किया। लखनऊ के पास काकोरी में उन्होंने रेल रोककर खजाना लूट लिया। काकोरी षड्यंत्र मामले में 19 दिसंबर 1927 को उन्हें फांसी दी गई।

चंद्रशेखर आजाद

चंद्रशेखर आजाद (23 जुलाई 1906 - 27 फरवरी 1931) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अत्यंत सम्मानित और

लोकप्रिय क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी थे। वे भगत सिंह, पंडित रामप्रसाद बिस्मिल सरीखे महान क्रांतिकारियों के अनन्य साथियों में से थे। उन्होंने कई क्रांतिकारी गतिविधियों जैसे काकोरी कांड तथा सांडर्स-वध को अंजाम दिया। 27 फरवरी का दिन भारतीय क्रांतिकारी इतिहास का प्रलयंकारी दिन था, पंडित चंद्रशेखर आजाद अल्फ्रेड पार्क में थे। तभी किसी मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उन्हें घेर लिया। आजाद ने तीन पुलिस वालों को मौत के घाट उतार दिया एवं सोलह को घायल कर दिया आजाद ने प्रतिज्ञा ले रखी थी कि वे कभी जिंदा पुलिस के हाथ नहीं आएंगे, इस प्रतिज्ञा को पूरी करते हुए जब मुठभेड़ के दौरान आजाद के पास अंतिम गोली बची तो उस गोली को उन्होंने स्वयं को मार लिया और आजाद शहीद हुए।

भगतसिंह

भगतसिंह का नाम आते ही रोमांच पैदा हो जाता है। अमर शहीद भगतसिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 को लायलपुर (पंजाब) में हुआ। उनके पिता किशनसिंह और चाचा भी स्वाधीनता आंदोलन से जुड़े हुए थे। भगतसिंह पर उनका भी प्रभाव पड़ा। लाहौर में पढ़ाई के दौरान उनका संबंध हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन क्रांतिकारी संगठन से हो गया। इस संगठन का उद्देश्य भारत माता को अंग्रेजी दासता से मुक्ति दिलाने के लिए ऐसे नौजवानों को तैयार करना था, जो कष्ट और पीड़ा सहन कर सकें। साइमन कमीशन का विरोध कर रहे लाला लाजपत राय पर पुलिस ने बर्बर प्रहार किया, जिससे वे वीरगति को प्राप्त हुए। लालाजी की मौत का बदला लेने के लिए सांडर्स को मारने की योजना बनाई गई, जिसमें चंद्रशेखर आजाद ने भी सहायता की। सांडर्स को मारने के बाद भगतसिंह ने गूंगी-बहरी संसद के सभागार में बटुकेश्वर दत्त के साथ बम धमाके करते हुए पर्चे फेंके थे। बम फेंकने के बाद इन्कलाब जिंदाबाद के नारे लगाते हुए उन्हें गिरफ्तार किया गया। भगतसिंह 23 मार्च 1931 को फांसी देने के पहले 'लेनिन' की जीवनी पढ़ रहे थे।

राजगुरु

शिवराम हरि राजगुरु भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख क्रांतिकारी थे। इनका जन्म 1908 को पुणे जिले में हुआ था। विद्या अध्ययन के लिए वे बनारस गए, जहां क्रांतिकारियों के निकट आए। शिवाजी की छापामार शैली के प्रशंसक राजगुरु कुछ इसी तरह क्रांति की चेतना जगाने की इच्छा रखते थे। हिंदूस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिक आर्मी से उनका नाता जुड़ा। इन्हें 'रघुनाथ' नामक कोडवर्ड से पुकारा जाता था। चंद्रशेखर आजाद, भगवतीचरण वर्मा, जतिनदास, भगतसिंह और सुखदेव से उनकी अंतरंगता थी। राजगुरु का निशाना अचूक था इसलिए सांडर्स की हत्या करने के लिए आजाद ने उन्हें मौका दिया। 23 मार्च 1931 को लाहौर में भगतसिंह के साथ उन्हें फांसी दी गई। भगतसिंह के नाम के साथ ही सुखदेव, राजगुरु का नाम देश प्रेमियों की जुबान पर आ जाता है।

सुखदेव

सुखदेव थापर का जन्म 15 मई 1907 को लुधियाना के चौराबाजार में हुआ था। भगतसिंह और सुखदेव दोनों ही लाहौर नेशनल कॉलेज में सहपाठी थे। दोनों के बीच गहरी दोस्ती थी। दोनों के जन्म का वर्ष भी एक था। प्रमुख क्रांतिकारी के रूप में सुखदेव थापर का नाम बड़ी शिद्दत से लिया जाता है। 1929 में जेल में कैदियों के साथ अमानवीय व्यवहार के विरुद्ध हुई भूख हड़ताल में वे भी शरीक थे। सांडर्स वध के अभियुक्त के रूप में भगतसिंह, राजगुरु के साथ उन्हें भी 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में फांसी दे दी गई।

बटुकेश्वर दत्त

क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त का भगतसिंह से संपर्क गणेशशंकर विद्यार्थी के माध्यम से हुआ। उस समय भगतसिंह कानपुर के प्रताप अखबार में काम करते थे। बटुकेश्वर दत्त बंगाली पृष्ठभूमि के थे। सेंट्रल असेम्बली में पब्लिक सेफ्टी और ट्रेड डिस्प्यूट नामक दो नए बिल पेश किए जाने वाले थे। हिंदुस्तान सोशलिस्ट आर्मी के चीफ चंद्रशेखर आजाद के समक्ष भागतसिंह ने इसबिल का विरोध करने का इरादा जताया। भगतसिंह ने बहरी असेम्बली को जगाने के लिए धमाका करने साथी के रूप में बटुकेश्वर दत्त को चुना। असेम्बली में बम धमाका करने के लिए ऐसा स्थान चुना गया, जहां विस्फोट से किसी की जान न जाए। बटुकेश्वर दत्त ने असेम्बली में बम के धमाके के साथ पर्चे फेंके। जिनमें इन दोनों कानूनों का विरोध किया गया था।

श्री शिवराजसिंह चौहान
(मुख्यमंत्री)
श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
श्री गिर्राज डंडौतिया
(कृषि राज्यमंत्री)
74वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
किसान भाइयों से अपील
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
श्री काशीराम बड़ोले
(भारसाधक अधिकारी)
श्री मोहनसिह धापना
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
खातेगाँव, जिला देवास (म.प्र.)

श्री शिवराजसिंह चौहान
(मुख्यमंत्री)
श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
श्री गिर्राज डंडौतिया
(कृषि राज्यमंत्री)
किसान भाइयों से अपील
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ उठाएँ।
हम्माल तुलावटी भाई मुख्यमंत्री हम्माल तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
स्वाधीनता दिवस की 73वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री वीरसिंह चौहान
(भारसाधक अधिकारी)
श्री हिम्मतसिंह जमरा
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
अंजड़, जिला बड़वानी (म.प्र.)

श्री शिवराजसिंह चौहान
(मुख्यमंत्री)
श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
श्री गिर्राज डंडौतिया
(कृषि राज्यमंत्री)
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से अपील
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
सुश्री अंजु जावला
(भारसाधक अधिकारी)
श्री राजेन्द्र कनोजिया
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
सेन्धवा, जिला बड़वानी (म.प्र.)

श्री शिवराजसिंह चौहान
(मुख्यमंत्री)
श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
श्री गिर्राज डंडौतिया
(कृषि राज्यमंत्री)
स्वाधीनता दिवस की हार्दिक बधाई
किसान भाइयों से अपील
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
श्री संजीव केशव पांडे
(भारसाधक अधिकारी)
श्री जितेन्द्र चौधरी
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
खंडवा, जिला खंडवा (म.प्र.)

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

74वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

सौजन्य से

श्री भगवानसिंह चौहान (शा.प्र. बामनिया)
श्री संजय गामड़ (पर्य. बामनिया)
श्री कर्मेन्द्र सोलंकी (शा.प्र. झकनावदा)
श्री दिनेश खतेड़िया (पर्य. झकनावदा)
श्री मनोज शुक्ला (शा.प्र. सारंगी)
श्री वरसिंह चौहान (पर्य. सारंगी)
श्री राधेश्याम वारिया (शा.प्र. कल्याणपुरा)
श्री देवीसिंह सिगाड़ (पर्य. कल्याणपुरा)
श्री राजेश राठौर (शा.प्र. रामा)
श्री नारायण लाल हरसोला (पर्य. रामा)
श्री कमलसिंह भूरिया (शा.प्र. रानापुर)
श्री किशोर भट्ट (पर्य. रानापुर)

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण • खेत पर रोड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड • कृषि यंत्र के लिए ऋण • दुग्ध डेयरी योजना

सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त एवं प्रशासक) | श्री बी.एस. कोठारी (उपायुक्त) | श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री डी.आर.सरोठिया (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. बामनिया, जि.झाबुआ श्री भेरूलाल पाटीदार (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. मठमठ, जि.झाबुआ श्री वरसिंह चौहान (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. समोई, जि.झाबुआ श्री प्रदीप भसाली (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. करवड़, जि.झाबुआ श्री रमेश सोलंकी (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. बोड़ायता, जि.झाबुआ श्री लक्ष्मीनारायण पाटीदार (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. मोरडूंडिया, जि.झाबुआ श्री किशोर भट्ट (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. खवासा, जि.झाबुआ श्री संतोष पाटीदार (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. बरवेट, जि.झाबुआ श्री अन्नूसिंह गामड़ (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. कुन्दनपुर, जि.झाबुआ श्री राजू नायक (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. भायल, जि.झाबुआ श्री चैनसिंह राठौर (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. कल्याणपुरा, जि.झाबुआ श्री देवीसिंह सिंघल (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. पाडलवा, जि.झाबुआ श्री शांतिलाल जैन (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. झकनावदा, जि.झाबुआ श्री दिनेश खतेड़िया (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. खेड़ा, जि.झाबुआ श्री नटवरसिंह नायक (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. कालीदेवी, जि.झाबुआ श्री नारायण हरसोला (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. बौलासा, जि.झाबुआ श्री रतन लाल (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. रानापुर, जि.झाबुआ श्री शांतिलाल मेड़ा (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. माछलिया, जि.झाबुआ श्री राजेन्द्र मिश्रा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. सारंगी, जि.झाबुआ श्री मनोहर वर्मा (प्रबंधक)	समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से	आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. उमरकोट, जि.झाबुआ श्री जगदीश पाटीदार (प्रबंधक)

अभिजीत मुहूर्त में मिली आजादी

देश का 74वां स्वतंत्रता दिवस इस साल कुछ अलग अंदाज में मनाया गया। कोरोना महामारी के चलते इस बार स्कूलों, कॉलेजों सहित सारे सरकारी, निजी संस्थानों में परेड, सांस्कृतिक आयोजन तो नहीं हुए लेकिन देश की आजादी की वर्षगांठ को लेकर उत्साह में कमी नहीं रही। इस ऑनलाइन दौर में ऑनलाइन बधाइयां दी गईं और आजादी के किस्से कहे-सुने गए। यह तो सभी को पता है कि 15 अगस्त 1947 को हमें आजादी मिली लेकिन बहुत कम लोगों को पता होगा कि यह आजादी आधी रात के समय अभिजीत मुहूर्त में मिली थी। इसके पीछे भी एक रोचक कहानी है।

15 अगस्त 1947 ऐसे हुआ तय

यह लार्ड माउंटबेटन ही थे जिन्होंने निजी तौर पर भारत की स्वतंत्रता के लिए 15 अगस्त का दिन तय करके रखा था क्योंकि इस दिन को वे अपने कार्यकाल के लिए ÷बेहद सौभाग्यशाली÷ मानते थे। इसके पीछे खास वजह थी। असल में दूसरे विश्व युद्ध के दौरान 1945 में 15 अगस्त के ही दिन जापान की सेना ने उनकी अगुवाई में ब्रिटेन के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। माउंटबेटन उस समय संबद्ध सेनाओं के कमांडर थे। लार्ड माउंटबेटन की योजना वाली 3 जून की तारीख पर स्वतंत्रता और विभाजन के संदर्भ में हुई बैठक में ही यह तय किया गया था। 3 जून के प्लान में जब स्वतंत्रता का दिन तय किया गया और सार्वजनिक रूप से घोषित किया गया तब देश भर के ज्योतिषियों में आक्रोश पैदा हुआ क्योंकि ज्योतिषीय गणना के अनुसार 15 अगस्त 1947 का दिन अशुभ और अमंगलकारी था। विकल्प के तौर पर दूसरी तिथियां भी सुझाई गई लेकिन माउंटबेटन 15 अगस्त की तारीख पर ही अटल रहे, क्योंकि यह उनके लिए बेहद खास तारीख थी। आखिर समस्या का हल निकालते हुए ज्योतिषियों ने बीच का रास्ता निकाला।

अभिजीत मुहूर्त में बजा आजादी का शंखनाद

उन्होंने 14 और 15 अगस्त की मध्यरात्रि का समय सुझाया और इसके पीछे अंग्रेजी समय का ही हवाला दिया जिसके अनुसार रात 12 बजे बाद नया दिन शुरू होता है। लेकिन हिंदी गणना के अनुसार नए दिन का आरंभ सूर्योदय के साथ होता है। ज्योतिषी इस बात पर अड़े रहे कि सत्ता के परिवर्तन का संभाषण 48 मिनट की अवधि में संपन्न किया जाए हो जो कि अभिजीत मुहूर्त में आता है। यह मुहूर्त 11 बजकर 51 मिनट से आरंभ होकर 12 बजकर 15 मिनट तक पूरे 24 मिनट तक की अवधि

का था। भाषण 12 बजकर 39 मिनट तक दिया जाना था। इस तय समयसीमा में ही जवाहरलाल नेहरू को भाषण देना था। एक अतिरिक्त आधा और थी वो ये कि भाषण को 12 बजने तक पूरा हो जाना था ताकि स्वतंत्र राष्ट्र के उदय पर पवित्र शंख बजाया जा सके।

जून 1948 तक छोड़ना था भारत लेकिन...

इस योजना के तहत शुरुआती तौर पर ब्रिटेन से भारत तक जून 1948 तक सत्ता अंतरित किया जाना प्रस्तावित था। फरवरी 1947 में सत्ता प्राप्त करते ही लार्ड माउंटबेटन ने भारतीय नेताओं से आम सहमति बनाने के लिए तुरंत श्रृंखलाबद्ध बातचीत शुरू कर दी। लेकिन सब कुछ इतना आसान नहीं था। खासकर, तब जब विभाजन के मसले पर जिन्ना और नेहरू के बीच द्वंद की स्थिति बनी हुई थी। एक अलग राष्ट्र बनाए जाने की जिन्ना की मांग ने बड़े पैमाने पर पूरे भारत में सांप्रदायिक दंगों को भड़काया और हर दिन हालात बिगड़ते चले गए और बेकाबू होते गए। निश्चित ही इन सब की उम्मीद माउंटबेटन ने नहीं की होगी इसलिए इन परिस्थितियों ने माउंटबेटन को विवश किया वह भारत की स्वतंत्रता का दिन 1948 से 1947 तक एक साल पहले ही पूर्वस्थगित कर दें।

1945 से मिल चुके थे संकेत

1945 में दूसरे विश्व युद्ध की समाप्ति के समय ब्रिटिश आर्थिक रूप से कमज़ोर हो चुके थे और वे इंग्लैंड में स्वयं का शासन भी चलाने में संघर्ष कर रहे थे। विभिन्न स्त्रोतों की मानें तो ब्रिटिश सत्ता लगभग दिवालिया होने की कगार पर थी।महात्मा गांधी और सुभाषचंद्र बोस की गतिविधियां इसमें अहम भूमिका निभाती हैं। 1940 की शुरुआत से ही गांधी और बोस की गतिविधियों से अवाम बहुत जाग गया था, आंदोलित हो गया था और दशक के आरंभ में ही ब्रिटिश हुकूमत के लिए यह एक चिंता का विषय बन चुका था।

सेनानियों ने इस अवसर को भुनाया

इसी साल ब्रिटेन के चुनावों में लेबर पार्टी लेबर पार्टी की जीत हुई जिसे भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने हाथोहाथ लिया क्योंकि लेबर पार्टी ने भारत सहित ब्रिटेन में तत्कालीन उपनिवेश को स्वतंत्रता प्रदान करने का वायदा किया था। लिहाजा, लार्ड वॉवेल ने भारतीय नेताओं से देश की आज़ादी के बाबत वार्ता करने की पहल की और छुटपुट गतिरोधों के बावजूद इन वार्ताओं ने खासा ज़ोर पकड़ा। फरवरी 1947 में, सत्ता के अंतरण के लिए लार्ड माउंटबेटन को भारत का अंतिम वाइसराय नियुक्त किया गया। ■■

सदस्यता फॉर्म

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

नियमित अंकों सहित विशेषांक भी

सदस्यता शुल्क

480/-	850/-	9000/-
वार्षिक	द्विवार्षिक	आजीवन

नाम : ....

पिता : ....

पता : ....

....

....

पिनकोड : ....

फोन : ....

मोबाइल : ....

ई-मेल : ....

सम्पर्क करें

हरियाली के रास्ते

306/ए-ब्लॉक, शहनाई-II रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 9752558186

सदस्यता शुल्क जमा करने हेतु बैंक अकाउंट विवरण

» खाता नाम : हरियाली के रास्ते
» बैंक : भारतीय स्टेट बैंक » शाखा : गोयल नगर
» खाता संख्या : 31450697620 » SBIN0030412
» PAN Card No. AHGPT7845K

अनुरोध : सदस्यों से अनुरोध है कि सदस्यता प्राप्त करने के बाद रसीद अवश्य प्राप्त करें।

किसान क्रेडिट कार्ड

कृषि यंत्र के लिए ऋण

खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

स्वाधीनता दिवस की 73वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री चंद्रमौलि शुक्ला (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री मनोज गुप्ता (उपायुक्त) | श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री के.एन. त्रिपाठी (बैंक सीईओ)

सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

सौजन्य से

श्री प्रकाश शर्मा (शा.प्र. खातेगाँव)
श्री राजेन्द्रसिंह राजावत (पर्य. खातेगाँव)
श्री लखनलाल यादव (पर्य. खातेगाँव)

श्री सत्यनारायण अग्रवाल (शा.प्र. कन्नौद)
श्री छगनसिंह वर्मा (पर्य. कन्नौद)
श्री मनोज कुमार तोमर (पर्य. कन्नौद)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. खातेगाँव, जि.देवास
श्री दिनेश चौहान (प्रबंधक)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. अजनास, जि.देवास
श्री सुरेशचंद जोशी (प्रबंधक)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. इकलेरा, जि.देवास
श्री महेन्द्रसिंह राजावत (प्रबंधक)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. जियागाँव, जि.देवास
श्री बृजमोहन वर्मा (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. सोमगाँव, जि.देवास
श्री बलराम यादव (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. पीपल्या नानकर, जि.देवास
श्री कैलाश मीणा (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. हरणगाँव, जि.देवास
श्री गजानंद शुक्ला (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. विक्रमपुर, जि.देवास
श्री दिनेशचंद शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पटरानी, जि.देवास
श्री कमलसिंह अरोरा (प्रबंधक)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. खल, जि.देवास
श्री महेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. मुरझाल, जि.देवास
श्री मनोहर पंवार (प्रबंधक)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. कांकरिया, जि.देवास
श्री संतोष जायसवाल (प्रबंधक)

उन्नत सेवा सह. संस्था मर्या. संदलपुर, जि.देवास
श्री रमेशचंद यादव (प्रबंधक)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. नेमावर, जि.देवास
श्री ओमप्रकाश शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कन्नौद, जि.देवास
श्री सुभाष तिवारी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कुसमानिया, जि.देवास
श्री दिलीप भारतीय (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. डोकाकुई, जि.देवास
श्री हरेन्द्रसिंह सेंधव (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. डोगराखेड़ा, जि.देवास
श्री जगदीश शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. ननासा, जि.देवास
श्री संतोष व्यास (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बावड़ीखेड़ा, जि.देवास
श्री मोतीलाल मीणा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पानीगाँव, जि.देवास
श्री मनोज जाट (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बिजवाड़, जि.देवास
श्री सतीश जोशी (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. कलवार, जि.देवास
श्री ओमप्रकाश जोनवाल (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. खारपा, जि.देवास
श्री संतोष शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. थूरिया, जि.देवास
श्री पुरुषोत्तम चौबे (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सहकारी संस्थाओं के गोदामों में व्यवस्थित भंडारण

प्राथमिक सहकारी समितियों द्वारा अपने बहुउद्देशीय कार्यों के अंतर्गत अनेक कार्य संपादित किए जाते हैं। जिनमें रासायनिक खाद वितरण प्रमुख हैं। कृषकों को सही खाद उचित दामों पर उपलब्ध कराने की दृष्टि से समितियों द्वारा उनकी आवश्यकतानुसार भंडारण किया जाता है। इसी प्रकार समर्थन मूल्य पर खाद्यान्न खरीदी, बीज वितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्य सामग्री का भी इन संस्था द्वारा वितरण करने आवश्यकतानुसार भंडारण किया जाता है। इस प्रकार वितरण व्यवस्था की प्रथम आवश्यकता उचित भंडारण व्यवस्था ताकि सामग्री सुरक्षित रहे एवं आपूर्ति सुनिश्चित बेहतर ढंग से क्रियान्वयन होना नितांत आवश्यक है कि भंडारण में होने वाली हानियों की प्रवृत्ति क्या है तथा वे किस प्रकार से हानि पहुँचाती हैं। यह भी जानना आवश्यक है कि हानि पहुँचाने वाले तत्व एवं घटक क्या है। हानि पहुँचाने वाले तत्वों की जानकारी के पश्चात रिक्त गोदाम को भंडरण पूर्व किस प्रकार तैयार किया जाना चाहिए तथा भंडारण के पश्चात् रखी हुई सामग्री को कैसे सुरक्षित रखना चाहिए आदि जानकारियाँ आवश्यक है।

खाद्यान्न का उत्पादन मौसमी होता है जबकि इसका उपयोग वर्ष पर्यंत किया जाता है। अतः वर्ष भर खाद्यान्नों की माँग की पूर्ति बनी रहे, इसके लिए उत्पादित अनाज का भंडारण आवश्यक है।

गोदाम की तैयारी

खाद्यान्न की आवक से पहले गोदाम घर में पक्षियों के आने जाने पर रोक-थाम खिड़कियों पर तार की जाली लगाकर कर देनी चाहिए। चूहों के बिलों को रेत, सीमेंट तथा काँच के टुकड़े से पूर देना चाहिए जिससे चूहों का नियंत्रण किया जा सके। चूहे अपने बिलों में अनाज जमा कर लेते हैं तथा उनमें मौजूद कीड़े बाद में नमी आने से अनाज में भी पहुँच सकते हैं। प्रधुमन के लिए कवर के रूप में उपयोग में लगाए जाने वाली चादर आदि के आकार को ध्यान में रखते हुए स्टैक का आकार तय करना चाहिए और

तदनुसार स्टैक रखवाने की योजना बनानी चाहिए। स्टैक के लिए रेखाएँ खींचने में सफेद या काले पेंट का प्रयोग करना चाहिए। स्टैक का आकार 30×20 से अधिक नहीं होना चाहिए।

बिछावन का उपयोग गोदाम में अनाज की आवक से पहले ही उसके लिए सुरक्षित बिछावन की व्यवस्था की जानी चाहिए जो कि लकड़ी के क्रेट्स, बांस की चटाई एवं पॉलिथीन चादरों के रूप में हो सकते हैं। स्टैक के नीचे ये बिछावन बिछा दी जाती है। ताकि फर्श से अनाज में नमी न आ पाए। बिछावन के बीच में दबाई गई पॉलिथीन चादर का भी प्रयोग किया जाता है। लकड़ी के मूल्यों में लगातार वृद्धि होने के कारण लकड़ी के स्थान पर प्लास्टिक की क्रेट्स का उपयोग किया जा सकता है। उचित भंडारण के लिए पर्याप्त मात्रा में बिछावन का प्रबंध तथा कीट नियंत्रण के उपकरणों की व्यवस्था पहले से कर लेना आवश्यक है।

अनाज की आवक

जहाँ तक संभव हो, नई ए श्रेणी के बोरों का उपयोग में लाना चाहिए यदि पुराने बोरों का प्रयोग किया जाना हो तो कीटनाशक रसायन से इनका प्रद्युमन/छिड़काव कर दिया जाना आवश्यक है। आवक के समय इस बात का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए कि अनाज पूरी तरह सूखा है तथा अन्य मिलावट उसमें वांछित मात्रा से अधिक तो नहीं है। 10 प्रतिशत दैव निर्देशन पद्धति से 500 ग्राम वजन के दो नमूने लिए जाएँ। एक नमूना पूर्तिकर्ता अथवा माल के लाने वाले को दिया जाए आवक शत प्रतिशत तौल के आधार पर स्वीकार की जाए। यदि अनाज में पहले से ही कीट-प्रद्युमन कर दिया जाए।

स्टैक में लगाना

सुरक्षित भंडारण के लिए बोरों को सुव्यवस्थित रखना अनिवार्य है। स्टैक में बोरे लगाना भी एक कला है। इससे हिसाब रखने और सुरक्षा व्यवस्ता करने की प्रक्रिया आसान हो जाती है। आमतौर पर तीन प्रकार की स्टैकिंग प्रणाली प्रचलन में है- सामान्य, क्रिस तथा ब्लॉक स्टैकिंग। प्रायः ब्लॉक स्टैकिंग को गोदामों में वरीयता दी जाती है। क्योंकि इसमें स्टैक की ऊँचाई चढ़ाने पर भी बोरों में एक- दूसरे पर चढ़ाने पर भी बोरों में एक-दूसरे पर पकड़ अच्छी तरह बनी रहती है तथा स्टैक के गिरने की संभावना कम होती है। दो स्टैक्स के बीच 2.5 का अंतर रखना आवश्यक है स्टैक पर एक संकेत कार्ड टांग देना चाहिए जिसमें कि बोरों की संख्या, भारत, आवक की तिथि, वर्गीकरण आदि का उल्लेख रहे। समान-आकार प्रकार के बोरे जिनमें प्रत्येक में 14 टांके हो, की वरीयता दें। अच्छी किस्म के धान के बोरों का सदैव लकड़ी के क्रेट्स पर ही भंडारण करें तथा इसकी ऊँचाई 12 बोरों से अधिक न जाने दें।

रखरखाव

रखरखाव के दौरान हुक का प्रयोग कम से कम किया जाना चाहिए तथा गिरे हुए अनाज को इकट्ठा करवाकर उसका उचित हिसाब रखवाना चाहिए। भंडारण क्रियाविधि में कसी भी स्तर पर अर्थात कृषक, व्यापारी अथवा उपभोक्ता के स्तर पर भंडारण होने में रखरखाव उसकी फ्लोएविलिटी पर निर्भर करता है जिसका संबंध अनाज के आकार, रूप तथा नमी की मात्रा से होता है। किए जाने वाले रखरखाव में बोरों से रिसकर अनाज की बर्बादी होती है। इसलिए रखरखाव के दौरान हुकों के प्रयोग से सावधानी बरतनी चाहिए ऐसे बोरों का प्रयोग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए जिनके चारों कोनों पर कान जैसे आकृति हो ताकि कर्मचारी उसे मजबूती से पकड़कर रख-उठा सके।

भंडारण

भंडारण के लिए गोदाम को पूर्ण व्यवस्थित किया जाना चाहिए। भंडारण गृह में खुली हवा का आवागमन रहने से अनाज न केवल ठंडा रहता है, बल्कि अनाज की विभिन्न कीट-प्रजातियों को भी बढ़ने से रोकता है। भंडारित निरीक्षण के स्टैक का नियमित निरीक्षण तथा विश्लेषण किया जाना चाहिए और उसी के आधार पर स्टैक्स को हटवाने का क्रम निर्धारित करना चाहिए। सामान्य रूप से स्टैक्स 16 परतों की ऊँचाई तक होती है तथा इसमें एक टन अनाज भंडारण के लिए 5 से 571/3 वर्गफीट स्तान की आवश्यकता होती है। 30 प्रतिशत स्थान निकलने के रास्तों के लिए छोड़ा जाए। नियमित अंतराल पर कीट व मूषक नियंत्रण के उपायों का प्रयोग करते रहना चाहिए। यदि स्टैक में से किसतों में माल हटाया जाता है तो साथ लगे कार्ड पर निर्गमन की तिथि व हटाए गए बोरों की संख्या आदि का लेखा कर देना चाहिए।

परंपरागत भंडारण पद्धदियों में सुधार करके कीट संक्रमण के सभी स्रोतों जैसे संक्रमित खाद्यान्न, बिखरा हुआ अनाज, पुराने बोरे बिछावन दरारें आदि को समाप्त करने के उपाए,आदि बातों की महत्ता से भी अवगत है। कम मात्रा में संक्रमण होते ही अर्थात प्रति कि.क्रा. नमूने में 2 जीवित कीड़ों के पाए जाते ही भंडारण में प्रद्युमन किया जाना चाहिए, ताकि वह मात्रा बढ़ने न पाए इस तथ्य को सुनिश्चित कर लिया जाए कि खाद्य मिलावट रोक अधिनियम के प्रावधानों का पूर्ण अनुपालन किया जा रहा है।

अर्थात प्रति कि.ग्रा. खाद्यान्न के नमूने में 8 और संसधित किए गए खाद्यान्न जैसे चावल और दाल में 4 से अधिक जीवित अथवा मृत कीड़े न हों। यदि ये सीमाएँ पार हो रही हो तो अनाज की सफाई और प्रद्युमन का कार्य तुरंत किया जाना चाहिए। ऐसे स्थलों का पता लगाया जाना चाहिए जहाँ से शुष्क ताप पाउडरीकरण तथा फफूंदी संक्रमण की संभावनाएँ हो सकती हों तथा इस बात के लिए आवश्यक उपाय किए जाएँ कि खाद्यान्न की गुणवत्ता में और अधिक गिरावट न आने पाए।

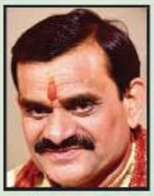

- किसान क्रेडिट कार्ड (फसल ऋण)
- ट्रेक्टर एवं अन्य कृषि यंत्रों हेतु ऋण
- दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
- मत्स्य पालन हेतु ऋण
- स्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए ऋण
- स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ऋण
- कृषक को खेत पर शेड बनाने के लिए ऋण
- कम्बाइन हार्वेस्टर एवं रिपर कम बाइंडर क्रय ऋण

म.प्र. के माननीय सहकारिता मंत्री

डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया

को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

74वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री आर.आर. सिंह
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त)

सुश्री मीना डाबर
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री एम.ए. कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री एन.यू. सिद्दीकी
(प्रभारी सीईओ)

सौजन्य से

श्री मोहम्मद आफाक
(शा.प्र. ओबेदुल्लागंज)

श्री नवनीत श्रीवास्तव
(शा.प्र. मंडीदीप)

श्री इमरान जाफरी
(शा.प्र. साँची)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ओबेदुल्लागंज, जि.रायसेन
श्री गोपीचंद राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दीवटिया, जि.रायसेन
श्री राजेश चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सलकनी, जि.रायसेन
श्री दीपक गौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तामोट, जि.रायसेन
श्री छब्बीलाल सेन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चिकलोदकलां, जि.रायसेन
श्री धर्मेन्द्र राय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तजपुरा, जि.रायसेन
श्री सगीर मोहम्मद (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गौहरगंज, जि.रायसेन
श्री मोहम्मद सलीम (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नूरगंज, जि.रायसेन
श्री रामगोपाल सनोड़िया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मंडीदीप, जि.रायसेन
श्री बृजेश वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मूंड़ला, जि.रायसेन
श्री नरेन्द्र पाल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चांदलाखेड़ी, जि.रायसेन
श्री सादिक मोहम्मद (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चिकलोद खुर्द, जि.रायसेन
श्री हनुमत सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दाहोद, जि.रायसेन
श्री समुंदरसिंह नागर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पोलाहा, जि.रायसेन
श्री रंजीत लोवंशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उमरावगंज, जि.रायसेन
श्री माधवसिंह लोवंशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. साँची, जि.रायसेन
श्री नरेशसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सलामतपुर, जि.रायसेन
श्री कुँवरसिंह दांगी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दीवानगंज, जि.रायसेन
श्री देवेन्द्रसिंह मीणा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पग्नेश्वर, जि.रायसेन
श्री नवलसिंह मेहरा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

खरीफ में खरपतवार प्रबंधन

खरीफ मौसम में खरपतवारों की प्रारंभिक वृद्धि फसल की तुलना में काफी अधिक होती है और जब तक वे पकड़कर उखाड़ने लायक होते हैं तब तक फसल को काफी नुकसान पहुँचा चुके होते हैं। इसलिए खरीफ फसलों की भरपूर पैदावार लेने के लिए खरपतवारों का सही समय पर नियंत्रण करना अति आवश्यक है।

खरपतवारों से हानियाँ

खरपतवारों की प्रतिरोधक क्षमता फसलों से अधिक होने के कारण ये नमी, पोषक तत्वों, प्रकाश एवं स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करके उत्पादन व गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव डालते हैं। अनुकूल परिस्थितियाँ मिलने पर खरपतवार पैदावार में शत–प्रतिशत तक कमी कर देते हैं।

खरपतवार फसल में लगने वाले रोगों के जीवाणुओं एवं कीट–व्याधियों को भी आश्रय देते हैं। एक अनुमान के अनुसार खरपतवार विभिन्न खरीफ फसलों की पैदावार में 15–95 प्रतिशत तक कमी कर देते हैं जिनका मूल्य लगभग 2303 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष आँका गया है। खरपतवारों द्वारा फसलवार भूमि से पोषक तत्वों के पलायन/अवशोषण का विवरण **सारणी–1** में दिया गया है।

प्रमुख खरपतवार

खरीफ फसलों में प्रभावी खरपतवार नियंत्रण के लिए उसमें उगने वाले खरपतवारों की जानकारी अति आवश्यक है। खरीफ फसलों में उगने वाले खरपतवारों को मुख्यतः तीन श्रेणियों में बाँटा जा सकता है। **(देखिये सारणी–2)**

खरपतवारों की रोकथाम

प्रायः देखा गया है कि किसान भाई फसल में कीड़े–मकौड़ों एवं रोग–बीमारियों की रोकथाम की ओर तुरंत ध्यान देते हैं लेकिन खरपतवारों को वे तब तक बढ़ने देते हैं जब तक कि वे हाथ से पकड़कर उखाड़ने लायक नहीं हो जाते, परंतु उस समय तक खरपतवार फसलों के साथ प्रतिस्पर्धा करके काफी नुकसान कर चुके होते हैं। खरीफ मौसम में खरपतवारों की प्रारंभिक वृद्धि फसल की तुलना में काफी अधिक होती है। अतः फसलों को प्रारंभ से ही खरपतवार रहित रखना आवश्यक हो जाता है। यहाँ पर यह भी बात ध्यान देने योग्य है कि फसल को हमेशा न तो खरपतवार रहित रखा जा सकता है और न ही ऐसा करना आर्थिक दृष्टि से लभाकारी है। अतः फसल–खरपतवार प्रतियोगिता को विशेषकर क्रांतिक (नाजुक) अवस्था में खरपतवार नियंत्रण के तरीकों को अपनाकर पैदावार में कमी को रोका जा सकता है। खरीफ की विभिन्न फसलों में क्रांतिक अवस्था भिन्न–भिन्न होती

है। **(देखिये सारणी–3)**

खरीफ फसलों में खरपतवारों की रोकथाम निम्न तरीकों से की जा सकती है :–

(1) गहरी जुताई द्वारा : रबी फसलों की कटाई के बाद गर्मी में एक बार खेत की गहरी जुताई करने से खरपतवारों के बीज एवं कंद जमीन में ऊपर आ जाते हैं और तेज धूप में अपनी अंकुरण क्षमता खोकर निष्क्रिय हो जाते हैं। तेज धूप में कीटों एवं बीमारियों के अंडाणु भी नष्ट हो जाते हैं। रोपाई वाले धान में पडलिंग करके खरपतवारों को कम किया जा सकता है।

(2) स्टेल सीड बेड (बुवाई के पहले खरपतवारों को नष्ट करना) : जब खरीफ मौसम की पहली बरसात होती है तो अधिकांश खरपतवार उग जाते हैं। जब ये खरपतवार 2–3 पत्ती के हो जाएँ तो उन्हें शाकनाशी (ग्लायफोसेट अथवा पैराक्वाट का 0.5 प्रश घोल) द्वारा अथवा यांत्रिक विधि से जुताई करके नष्ट किया जा सकता है जिससे मुख्य फसल में खरपतवारों की संख्या में काफी कमी आ जाती है।

(3) शुद्ध एवं साफ बीज का प्रयोग : बुवाई के समय खरपतवार रहित एवं प्रमाणित बीज का प्रयोग करके खरपतवारों की संख्या पर काबू पाया जा सकता है। कुछ फसल के बीजों की बुवाई के पहले छलनी से साफ करने पर खरपतवारों के बीज आकार में छोटे होने के कारण नीचे गिर जाते हैं। जैसे धान में संवा का बीज।

(4) किस्मों का चुनाव एवं बुवाई की विधि : जहाँ पर खरपतवार की रोकथाम के साधनों में कमी हो वहाँ पर फसल की ऐसी प्रजातियों का चुनाव करना चाहिये जिनकी प्रारंभिक बढ़वार

सारणी–1

खरपतवारों द्वारा पोषक तत्वों का अवशोषण

पोषक तत्वों का अवशोषण (किग्रा/हैक्टेयर)

फसलें	नाइट्रोजन	फास्फोरस	पोटाश
धान (रोपाई)	11	3	10
धान (सीधी बुवाई)	20–37	5–14	17–48
मक्का	23–59	6–10	16–62
ज्वार	36–46	11–18	31–47
मूँगफली	15–39	5–9	21–24
अरहर	28	24	14
मूँग/उड़द	80–132	17–20	80–130
सोयाबीन	21–65	3–11	43–102

सारणी–2

खरीफ फसलों में उगने वाले प्रमुख खरपतवार

खरपतवार श्रेणी	हिन्दी नाम	वानस्पतिक नाम
(अ) चौड़ी पत्ती वाले	कनकवा	कामेलिना बेन्धालेंसिस
	पथरचट्टा	ट्रायेन्थेमा मोनोगाइना
	महकुआ	एजीरेटम कोनीज्वाइडिस
	बमनकोय	फाइसैलिस मिनिमा
	कालादाना	टाइपोमिया हेडेरेशिया
	सफेद मुर्ग	सिलोशिया अर्जेन्शिया
	हजारदाना	फाइलेन्थस निरूरी
	मकोय	सोलेनम नाइग्रम
	बड़ी दुद्धि	यूफोरबिया हिरटा
	जंगली जूट	कोरकोरस एकुटैंगुलस
(ब) संकरी पत्ती वाले	संवा	इकाइनोक्लोआ कोलोना/ इ.कुस्गैली
	दूबघास	साइनोडान डैक्टीला
	कोदों	इल्यूसिन इंडिका
	बनरा	सिटेरिया ग्लाउका
	मकड़ा	डैक्टीलोक्टेनियम एजिप्शियम
	डिजिटैरिया	डिजिटैरिया सैंगुनालिस
(स)	मोथा	साइपेरस रोटन्डस/ सा.इरिया

खरपतवार की तुलना में अधिक हो। ऐसी प्रजातियाँ खरपतवारों से प्रतिस्पर्धा करके उन्हें नीचे दबा देती है। छिटकवा विधि के बजाय कतारों में बुवाई करने से खरपतवारों की संख्या में कमी पाई जाती है तथा साथ ही उनके नियंत्रण में भी आसानी रहती है।

(5) उचित फसल—चक्र अपनाकर : एक ही फसल को लगातार एक ही खेत में बोने से खरपतवारों की संख्या काफी अधिक हो जाती है तथा उसके नियंत्रण में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। अतः आवश्यक है कि एक फसल को बार–बार एक ही खेत में न बोया जाए तथा उचित फसल-चक्र अपनाया जाए।

(6) अन्तर्वर्ती फसलें उगाकर : कुछ फसलें जैसे मक्का, कपास, अरहर जिनमेंक तारों के बीच की दूरी 60–90 सेमी तक होते हैं। खरपतवार आसानी से इन कतारों के बीच उगकर फसल की पैदावार को कम कर देते हैं। इन कतारों के बीच यदि जल्दी बढ़ने वाली तथा कम समय की फसलें जैसे लोबिया, मूँग आदि को उगाएँ तो खरपतवारों का प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है तथा साथ ही अतिरिक्त पैदावार भी मिल जाती है।

(7) मृदा के सौरीकरण द्वारा : गर्मियों में मृदा के सौरीकरण द्वारा खरपतवरों की संख्या में काफी कमी की जा सकती है। इस विधि में मई में खेत में पानी लगाकर उसे सफेद पॉलीथीन से ढँक दिया जाता है। जिससे 20–25 दिनों में मृदा का तापक्रम 10–20 डिग्री सेंटीग्रेड बढ़ने के कारण खरपतवारों के बीजों की अंकुरण क्षमता समास हो जाती है। इस विधि को छोटे क्षेत्रफल में जैसे धान तथा सब्जियों की पौध तैयार करने वाले क्षेत्र में अपनाया जा सकता है।

सारणी–3

खरीफ की प्रमुख फसलों में खरपतवार प्रतिस्पर्धा का क्रांतिक समय

फसलें	क्रांतिक समय (बुवाई के बाद दिन)	पैदावार में कमी (प्रतिशत में)
धान (रोपाई)	30–45	15–40
धान (सीधी बुवाई)	15–45	50–90
मक्का	15–45	40–60
ज्वार	15–45	15–40
बाजरा	30–45	15–60
मूँगफली	20–60	40–50
मूँग/उड़द	15–30	30–50
अरहर	15–60	20–40
सोयाबीन	20–45	40–60
तिल	20–45	30–50
कपास	15–60	40–50

सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंदसिंह भदौरिया
को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

स्वाधीनता दिवस की
73वीं वर्षगाँठ पर
हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से
श्री डी.एल. साहू (शा.प्र. बंडा)
श्री एस.के. सोनी (शा.प्र. सदर सागर)

श्री पी.के. सिद्धार्थ
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री सुरेश सांवलेकर
(उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.के. ओझा
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री डी.के. राय
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जगभर, जि.सागर श्री गिरधारीलाल राठौर (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेरखेड़ी भडराना, जि.सागर श्री राजेश दुबे (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मुड़िया, जि.सागर श्री कृष्ण कुमार यादव (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मंजला, जि.सागर श्री द्वारकाप्रसाद चौबे (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सोरई, जि.सागर श्री जुगल किशोर मिश्रा (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गोराखुर्द, जि.सागर श्री जवाहरलाल कुर्मी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिनेका, जि.सागर श्री एम.एल. विश्वकर्मा (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. केरबना, जि.सागर श्री शेरसिंह ठाकुर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पजनारी, जि.सागर श्री प्रीतमसिंह लोधी (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कर्रापुर, जि.सागर श्री अरविन्द तिवारी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मगरधा, जि.सागर श्री विजयसिंह लोधी (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सेमराबाग, जि.सागर श्री धर्मराज शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ऊदन, जि.सागर श्री हनुमत सिंह (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मेहर, जि.सागर श्री निम्मू सेन (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नीमोन, जि.सागर श्री लालसिंह लोधी (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खजुरिया गुरु, जि.सागर श्री प्रभुदयाल चौबे (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सेसईसागी, जि.सागर श्री जगन्नाथ साहू (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रजौआ, जि.सागर श्री बृजेश शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. छापरी, जि.सागर श्री मंगलसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कनेरागौड़, जि.सागर श्री विनोद दुबे (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चंदोख, जि.सागर श्री भरतसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पथरिया हाट, जि.सागर श्री राजेश शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भेड़ा, जि.सागर श्री वीरेन्द्र मिश्रा (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कपुरिया, जि.सागर श्री अमित तिवारी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरा, जि.सागर श्री रामरतन मिश्रा (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरोदासागर, जि.सागर श्री विनोद तिवारी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पटौआ, जि.सागर श्री रामसेवक यादव (प्रबंधक)	समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

(8) यांत्रिक विधि : खरपतवारों पर काबू पाने की यह सरल एवं प्रभावी विधि है। दलहनी एवं तिलहनी फसलों में खरपतवार नियंत्रण के लिए खरपतवार नाशकों के बजाए निराई–गुड़ाई, बुवाई के 20–25 दिन बाद तथा दूसरी 40–45 दिन बाद करना रहता है। कतारों में बोई गई फसलों में हो चलाकर भी खरपतवारों का नियंत्रण किया जा सकता है। परंतु यांत्रिक विधि से खरपतवार नियंत्रण में समय मजदूर अधिक लगते हैं जिससे प्रति इकाई क्षेत्रफल में लागत अधिक आती है। समय पर मजदूर न मिलने, खेतों में पानी भरने या अधिक नमी के कारण भी निराई–गुड़ाई करने में परेशानी होती है।

(9) समेकित (इंटीग्रेटेड) खरपतवार नियंत्रण विधि : खरीफ की फसलों में खरपतवारों की विविधता को देखते हुए खरपतवार नियंत्रण की केवल एक ही विधि से खरपतवारों का प्रभावी नियंत्रण संभव नहीं होता है। अतः खरपतवार नियंत्रण के अच्छे नतीजे पाने के लिए विभिन्न तरीकों को एक साथ अपनाना चाहिये। जैसे फसल की सस्य क्रियाओं में सुधार करके तथा यांत्रिक विधियों को अपनाकर न केवल खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है, वरन पैदावार में वृद्धि भी की जा सकती है तथा शाकनाशी रसायनों पर निर्भरता कम होने से पर्यावरण को भी सुरक्षित रखा जा सकता है। ■■

रसायनों के प्रयोग में सावधानियाँ

1. रसायन की जिस फसल के लिए सिफारिश की गई है उसी में प्रयोग करें।
2. शाकनाशी रसायनों की पर्याप्त मात्रा का उचित समय पर छिड़काव करें।
3. छिड़काव के समय खेत में पर्याप्त नमी होनी आवश्यक है।
4. साफ पानी की उचित मात्रा में प्रयोग करें।
5. छिड़काव मशीन (स्प्रेयर) को छिड़कने से पहले अच्छी तरह साफ कर लेना चाहिये।
6. छिड़काव के लिए फ्लेट फेन नोजल का ही प्रयोग करें।
7. शाकनाशी एवं पानी के घोल को छानकर स्प्रे करें
8. शाकनाशी का छिड़काव पूरे खेत में समान रूप से करें
9. छिड़काव करते समय विशेष पोशाक, दस्ताने तथा चश्मे का प्रयोग करना चाहिये ताकि रसायन शरीर पर न पड़े।
10. छिड़काव के समय मौसम साफ होना चाहिये तथा हवा की गति तेज नहीं होनी चाहिये।
11. रसायन के खाली डिब्बों को नष्ट करके जमीन में गाड़ देना चाहिये।

अगस्त माह के महत्वपूर्ण कृषि कार्य

■ **धान फसल :** गैर बासमती धान की अधिक उपज वाली किस्मों में रोपाई के 25 से 30 दिन बाद 30 किलो नाइट्रोजन यानि 65 किलो यूरिया प्रति हैक्टेयर तथा बासमती किस्मों में 15 किलोग्राम नाइट्रोजन (33 किग्रा यूरिया) प्रति हैक्टेयर की टॉप ड्रेसिंग कर दें। इतनी ही मात्रा से दूसरी व अंतिम टॉप ड्रेसिंग रोपाई के 50-55 दिन बादे करें। ध्यान रखें की टॉप ड्रेसिंग करते समय खेत मे पानी 2-3 सेमी से अधिक ना हो। धान के तना छेदक कीट की रोकथाम के लिए जब खेत में 4.5 सेंमी पानी हो, प्रति हैक्टेयर 20 किग्रा कार्बोफ्यूरॉन दवा का प्रयोग करें अथवा क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी दवा 1.5 लीटर प्रति हैक्टेयर की दर से 60 लीटर पानी मे घोलकर छिड़काव करें।

■ **सब्जियाँ :** गोभी की पूसा शरद, पूसा हाईब्रिड 2 प्रजाति की नर्सरी तैयार करें। अगेती गाजर जैसे पूसा वृष्टि किस्म की बुआई आरम्भ कर सकते हैं। कद्दू वर्गीय सब्जियों में मचान बनाकर उस पर बेल चढ़ाने से उपज में वृद्धि होगी व स्वस्थ्य फल बनेंगे। बैंगन में थिरम 3 ग्राम या कैप्टान 3 ग्राम या कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करके बुआई करने से फोमाप्सिस, अंगमारी व फल विगलन की रोकथाम करें।

■ **फल फसलें :** तराई क्षेत्रों में आम के पौधों पर गाँठ बनाने वाले कीड़े गॉल मेकर की रोकथाम के लिए मोनोक्रोटोफॉस 0.5% या डाईमेथिएट 0.06% दवा का छिड़काव करें। आम के पौधों पर लाल रतुआ एवं श्यामवर्ण (एन्थ्रोक्नोज) की बीमारी पर कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 0.3% दवा का छिड़काव करें। नींबू वर्गीय फलों में रस चूसने वाले कीड़े आने पर मेलाथियान 2 मिली/लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। पपीता के पौधों पर फूल आने के समय, 2 मिली सूक्ष्म तत्वों को एक लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

■ **अरहर :** अरहर के खेत में निराई-गुडाई करके खरपतवार निकाल दें। इस समय अरहर में उकठा रोग, फाइटोफथोरा, अंगमारी व पादप बांझा रोग होता है। इनकी रोकथाम के लिए 2.5 मिली डाइकोफॉल दवा 1 लीटर पानी में घोलकर एवं 1.7 मिली डाइमेथोएट दवा एक लीटर पानी में घोलकर पौधों पर छिड़काव करें।

■ **बाजरा :** बाजरे की बुआई के 15 दिन बाद कमजोर पौधों को निकालकर लाईन में पौधे से पौधे की दूरी 10 से 15 सेंमी कर दें। बाजरे की उच्च उत्पादन वाली किस्मों में नाइट्रोजन की शेष आधी मात्रा यानि 40-50 किलोग्राम/ हैक्टेयर (या 87-108 किग्रा यूरिया) की टाप ड्रेसिंग कर दें। ■■

म.प्र. के माननीय सहकारिता मंत्री

डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया

को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

74वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री मुकेश जैन (प्रशासक एवं उपायुक्त) | श्री संजय आर्य (उपायुक्त) | श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री अनूप जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री महेश मुकाती (शा.प्र. पलसूद)
श्री मनोहर सोनी (पर्य. पलसूद)
श्री खेमचंद सोलंकी (शा.प्र. पाटी)
श्री फहीम खान (पर्य. पाटी)
श्री सुभाष कानूनगो (शा.प्र. जुलवानिया)
श्री दिलीप बागदरे (पर्य. जुलवानिया)
श्री रेमालसिंह (शा.प्र. धवली)
श्री राधेश्याम मनखेर (शा.प्र. वरला)
श्री गजानंद चौधरी (शा.प्र. खेतिया)
श्री जावेद मंसूरी (शा.प्र. निवाली)
श्री जगदीश पाटीदार (शा.प्र. बड़वानी)
श्री रमेशचंद काग (पर्य. बड़वानी)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. पलसूद, जि.बड़वानी
श्री उमेश शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. मेणीमाता, जि.बड़वानी
श्री मनोहर गुप्ता (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. उपला, जि.बड़वानी
श्री राजेन्द्र जोशी (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. चिखल्या, जि.बड़वानी
श्री ध्रुव कुमार गुप्ता (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. पाटी, जि.बड़वानी
श्री शंकरसिंह चौहान (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. गथावल, जि.बड़वानी
श्री देवीलाल यादव (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. बोकराटा, जि.बड़वानी
श्री राजेन्द्रसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. लिम्बी, जि.बड़वानी
मो. फहीम खान (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. जुलवानिया, जि.बड़वानी
श्री सुरेशचंद शारदे (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. अगलगाँव, जि.बड़वानी
श्री रामदयाल जायसवाल (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. ठान, जि.बड़वानी
श्री मनीराम वर्मा (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. धवली, जि.बड़वानी
श्री राजाराम चौहान (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. दुगानी, जि.बड़वानी
श्री घनश्याम सुस्ताने (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. वरला, जि.बड़वानी
श्री दीपक कुशवाह (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. बलवाड़ी, जि.बड़वानी
श्री गणेश अवस्थी (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. खेतिया, जि.बड़वानी
श्री प्रकाश ठाकरे (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. राखीखुर्द, जि.बड़वानी
श्री जी.बी. भावसार (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. निवाली, जि.बड़वानी
श्री विनोद कुमार मंडलोई (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. बझेर, जि.बड़वानी
श्री रामसिंह खरते (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़वानी, जि.बड़वानी
श्री जगदीश मुकाती (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. सिलावद, जि.बड़वानी
श्री कैलाश यादव (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. भवती, जि.बड़वानी
श्री कैलाश यादव (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. सोन्दुल, जि.बड़वानी
श्री अशोक तिवारी (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. बोरलाय, जि.बड़वानी
श्री जगदीश काग (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. तलवाड़ा बु., जि.बड़वानी
श्री रमेशचंद्र काग (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

म.प्र. के माननीय सहकारिता मंत्री

डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया

को जन्मदिवस की

हार्दिक बधाइयाँ

- किसान क्रेडिट कार्ड (फसल ऋण)
- ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि यंत्रों हेतु ऋण
- दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
- मत्स्य पालन हेतु ऋण
- स्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए ऋण
- स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ऋण
- कृषक को खेत पर शेड बनाने के लिए ऋण
- कम्बाइन हार्वेस्टर एवं रिपर कम बाइंडर क्रय ऋण

स्वाधीनता दिवस की 73वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री भारत सिंह चौहान
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री रवि ठक्कर
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री पी.एन. यादव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से :- श्री मकबूल हुसैन (शा.प्र. दलोदा)
श्री अरविंद रावल (शा.प्र. भावगढ़)
श्री अरुण शर्मा (पर्य. भावगढ़)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. धुंधड़का, जि. मंदसौर
श्री एन.आर. मालवीय (प्रशासक)
श्री नंदकिशोर धाकड़ (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. कुचड़ोद, जि. मंदसौर
श्री एन.आर. मालवीय (प्रशासक)
श्री वीरेन्द्रसिंह सिसोदिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. एलची, जि. मंदसौर
श्री विनयशंकर मालवीय (प्रशासक)
श्री नरेन्द्र जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. भावगढ़, जि. मंदसौर
श्री रविन्द्र शर्मा (प्रशासक)
श्री अरुण शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. रातीखेड़ी, जि. मंदसौर
श्री एन.आर. मालवीय (प्रशासक)
श्री सुरेशजी शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. अमलावद, जि. मंदसौर
श्री विनयशंकर मालवीय (प्रशासक)
श्री नंदलाल धनगर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बहेपुर, जि. मंदसौर
श्री रविन्द्र शर्मा (प्रशासक)
श्री अरुण शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. कचनार, जि. मंदसौर
श्री एन.आर. सोलंकी (प्रशासक)
श्री सुरेशजी धाकड़ (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. निम्बोद, जि. मंदसौर
श्री विनयशंकर मालवीय (प्रशासक)
श्री चतुर्भुज परिहार (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. नांदवेल, जि. मंदसौर
श्री रविन्द्र शर्मा (प्रशासक)
श्री अरुण शर्मा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश का रोडमैप

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के मूल मंत्र को आत्मसात करने के लिये मध्यप्रदेश पूरी तरह तैयार है। प्रदेश को विकास की अग्रिम पंक्ति में लाने और आत्म-निर्भर बनाने की रूपरेखा तैयार की जा चुकी है। इसके लिये हाल ही में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विकास और आत्मनिर्भरता के लिये मुख्य चार विषयों पर राष्ट्रीय स्तर के वेबिनार आयोजित कर विषय-विशेषज्ञों के सुभाव प्राप्त किये है। इन सुझावों के आधार पर आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिये रोडमेप तैयार किया जा रहा है, जिसे मंत्रि-परिषद के सदस्य और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम अंतिम रूप दे रही है, जिसके आधार पर नये स्वरूप में मध्यप्रदेश को राष्ट्र के समक्ष लाया जाएगा।

मध्यप्रदेश में भौतिक अधोसंरचना को मजबूत करने के लिये वेबिनार में आये सुझावों के आधार पर नेशनल लॉजिस्टिक हब, बफर में सफर, नर्मदा टूरिज्म, एयर-कॉर्गो, फ्यूचरिस्टिक इण्डस्ट्री और टाइगर रिजर्व एडाप्टेशन के कार्य प्राथमिकता पर किये जायेंगे। चंबल प्रोग्रेस-वे तथा नर्मदा एक्सप्रेस-वे को जल्द पूर्ण करने के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के लिए पोर्टल विकसित किया जाएगा। उद्योग तथा व्यापार से संबंधित मामलों के त्वरित निपटारे के लिए हाई पावर कमेटी गठित की जाएगी। मध्यप्रदेश को मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब बनाया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों की सड़क से कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। ग्रामीण, ट्राइबल एरिया टूरिज्म एवं फिल्म टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाएगा। नागरिक सुविधाओं की सरल व समय-सीमा में डिलेवरी के लिए ई-गवर्नेंस का विस्तार होगा। प्रदेश की 225 सिंचाई परियोजनाएं वर्ष 2023 तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित कर वर्ष 2026 तक सिंचाई क्षमता को 75 लाख हैक्टेयर तक ले जाने के प्रयास किये जाएंगे।

सुशासन की दिशा में ईज ऑफ लाईफ की अवधारणा को मूर्तरूप दिया जाकर जनसामान्य को मूलभूत सुविधाएं घर बैठे मिल सकें, इसके लिए डिजीटल सुविधा का विस्तार भी किया जाएगा। विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रतिभावान युवाओं को शासकीय व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में कार्य होगा। सभी विभागों की जानकारियों को सिंगल डाटाबेस पर उपलब्ध होगी। ई-ऑफिस व्यवस्था को प्रोत्साहित करते हुए प्रदेश में आऊटसोर्सिंग कार्पोरेशन बनाकर सभी विभागों के लिए आऊटसोर्सिंग की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। शासकीय गतिविधियों की नागरिक केन्द्रित मॉनीटरिंग, हितग्राहीमूलक योजनाओं के क्रियान्वयन का थर्ड पार्टी मूल्यांकन को रोडमेप में शामिल किया

जाएगा।

स्वास्थ के क्षेत्र में व्यापक बदलाव के साथ रोडमेप बनाया जा रहा है, जिसमें हर व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर को न्यूनतम किया जाना तथा लाईफ एक्सपेक्टेंसी को बढ़ाना है। राज्य बजट का आठ प्रतिशत स्वास्थ्य पर व्यय, लोगों को इलाज के लिए राज्य के बाहर न जाना पडे इसके लिए शहरों में सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस तथा जिला अस्पतालों के विकास की योजना, भोपाल व इन्दौर में आयुष सुपर स्पेशलिटी अस्पताल विकसित और प्रदेश में मेडिकल उपकरण निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए बायो मेडिकल पार्क,चिकित्सा क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहन दिया जाएगा। प्रदेश में टेलीमेडिसन तथा ऑनलाइन शिक्षा सुविधा को बढ़ाया जाएगा।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निजी संस्थाओं को प्रोत्साहन, वर्चुअल तथा स्मार्ट क्लासेस की व्यवस्था, चयनित कॉलेजों का क्वालिटी लर्निंग सैन्टर के रूप में विकास, संस्थाओं को कार्यात्मक स्वायत्ता ,डिस्टेंस लर्निंग को प्रोत्साहन और एम.पी. नॉलेज कारपोरेशन की स्थापना रोडमेप में शामिल होंगे।

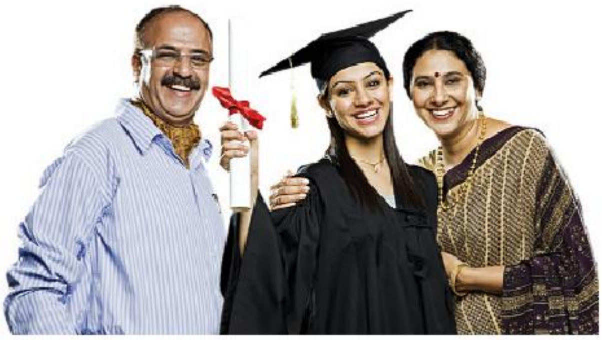

स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में दस हजार स्कूल रिसोर्स रिच होगें जिन्हें सीएम राईज स्कूल कहा जाएगा। भाषा तथा गणित शिक्षा में सुधार के लिए मिशन अंकुर, डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहन, थर्ड पार्टी मूल्यांकन की व्यवस्था, निजी स्कूलों को कम्पनीज एक्ट के तहत लाने की सिफारिश और बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में सुधार की दिशा में कार्य किये जाएंगे।

अर्थ-व्यवस्था एवं रोजगार 5 मूल मंत्र के आधार पर प्रदेश में काम किया जाएगा, जिसमें सीएसआर यानि काम्पिटेटिवनेस, सस्सेनबिलिटी,रिसीलेंस होगा। एक जिला-एक पहचान के तहत जिलावार किसी एक उत्पाद को ब्रॉण्ड के रूप में पहचान दिलाना, सबके लिये पढ़ाई व सबके लिये कमाई, जॉब इन एग्रीकल्चर की जगह जॉब एराउण्ड एग्रीकल्चर पर फोकस और स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने के लिये व्होकल फॉर लोकल पर जोर दिया जाएगा।

कृषि और उससे संबंधित क्षेत्र में परिवर्तन लाने के लिये भी महत्वपूर्ण सुझाव सामने आये। जिसमें जिलावार कृषि एवं

उद्यानिकी उत्पादों पर फोकस कर उन्हें ब्रॉण्ड के रूप में प्रोत्साहित करना है। रोजगार को बढ़ावा देने के लिये जॉब इन एग्रीकल्चर के स्थान पर जॉब एराउण्ड एग्रीकल्चर पर फोकस किया जाएगा। खाद्य तेल तथा दालों के क्षेत्र में देश को आत्म-निर्भर बनाने के लिये राज्य में तिलहन व दलहन के उत्पादन को बढ़ावा देना और बीज की नवीन किस्मों व नई तकनीकों को प्रोत्साहित कर मौजूदा कृषि उत्पादकता को बढ़ाना एवं पोस्ट हॉर्वेस्ट एग्रीकल्चर के क्षेत्र में कॉर्पोरेट इन्वेस्टमेंट बढ़ाकर रोजगार के अवसर पैदा करना शामिल है। इसके साथ ही दुधारु पशुओं की नस्ल सुधार के लिये प्राकृतिक एवं कृत्रिम गर्भाधान की तकनीक को बड़े पैमाने पर अपनाना।

उद्योग एवं कौशल विकास के क्षेत्र में नये निवेश को बढ़ावा देने के लिये वर्तमान नीति की समीक्षा, उभरते हुए सेक्टर जैसे इलेक्ट्रिक वाहनों, रक्षा, बल्क ड्रग्स, मेडिकल डिवाइस, हर्बल एण्ड मेडिशनल प्लांट व सहयोगी उद्योगों के लिये नई नीतियों का निर्माण किया जाएगा। स्टार्ट-अप के लिये नये वातावरण का विकास, कंट्री स्पेसिफिक इण्डस्ट्रियल टाउनशिप, कृषि क्षेत्र में कॉर्पोरेट इन्वेस्टमेंट, राज्य में मेन्युफेक्चरिंग को बढ़ावा देने की नीति भी बनाई जाएगी। स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिये सीएसआर फण्ड का मोबिलाजेशन और इंटीग्रेटेड सिंगल विण्डो क्लीरेंस सिस्टम विकसित किया जाएगा।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश में कुटीर उद्योग, एमएसएमई को ई-कॉमर्स प्लेटफार्म से जोड़ा जाएगा। राज्य में खनिजों एवं धातुओं के वेल्यू एडीशन को बढ़ाया जाएगा। निर्यात को बढ़ावा देने के लिये एम.पी. एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल की स्थापना की जाएगी। ई-कॉमर्स से संबंधित विषयों के लिये टॉस्क-फोर्स की स्थापना, ई-कॉमर्स, डिजिटल केटेलॉगिंग तथा ऑनलाइन प्रोडक्ट मार्केटिंग से संबंधित कौशल विकास के लिये स्पेशल कोर्स के सुझाव को रोडमेप में शामिल किया गया है।

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) श्री गिर्राज डंडौतिया (कृषि राज्यमंत्री)

74वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से अपील

नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।

श्री जगदीश मेहरा (भारसाधक अधिकारी) | श्री महेश शर्मा (प्रभारी सचिव)

सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
खाचरौद, जिला उज्जैन (म.प्र.)

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) श्री गिर्राज डंडौतिया (कृषि राज्यमंत्री)

किसान भाइयों से अपील

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ उठाएँ।
हम्माल तुलावटी भाई मुख्यमंत्री हम्माल तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

स्वाधीनता दिवस की 73वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री शिवलाल शाक्य (भारसाधक अधिकारी) | श्री जितेन्द्र चौधरी (प्रभारी सचिव)

सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
मंदसौर, जिला मंदसौर (म.प्र.)

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) श्री गिर्राज डंडौतिया (कृषि राज्यमंत्री)

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से अपील

नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।

श्री मुकेश सोनी (भारसाधक अधिकारी) | श्री जगदीश नारायण ओझा (प्रभारी सचिव)

सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
दलौदा, जिला मंदसौर (म.प्र.)

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) श्री गिर्राज डंडौतिया (कृषि राज्यमंत्री)

स्वाधीनता दिवस की हार्दिक बधाई

किसान भाइयों से अपील

नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।

श्री क्षितिज शर्मा (भारसाधक अधिकारी) | श्री सतीश पटेल (प्रभारी सचिव)

सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
नीमच, जिला नीमच (म.प्र.)

समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण

सहकारिता मंत्री
डॉ.अरविंदसिंह भदौरिया
को जन्मदिवस की
हार्दिक शुभकामनाएँ

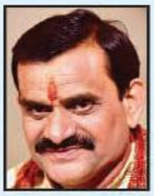

74वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री पी.एन. गोडरिया (प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री आलोक कुमार जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री सुरेश परासिया (शा.प्र. कृषि रतलाम) श्री देवेन्द्र शर्मा (शा.प्र. नामली) श्री निरेन्द्र जागेतिया (शा.प्र. बिलपांक)
श्री विजयसिंह सोनगरा/श्री राहुल केलवा (पर्य. कृषि रतलाम) श्री निहार व्यास (पर्य. नामली) श्री सुरेश जैन (पर्य. बिलपांक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. मुंदड़ी, जि.रतलाम श्री विजयसिंह सोनगरा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. अमलेठा, जि.रतलाम** श्री सुनील शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. भाटी बड़ोदिया, जि.रतलाम** श्री सुरेश जैन (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. सागोद, जि.रतलाम श्री विजयसिंह सोनगरा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. नामली, जि.रतलाम** श्री सुनील शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. सरवड़, जि.रतलाम** श्री सुरेश जैन (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. कुआझागर, जि.रतलाम श्री प्रभुदयाल भूरिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बाँगाँवाकलां, जि.रतलाम** श्री सुनील शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. जमुन्या, जि.रतलाम** श्री सुरेश जैन (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. नगरा, जि.रतलाम श्री प्रभुदयाल भूरिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बागरोद, जि.रतलाम** श्री निहार व्यास (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. ढिकवा, जि.रतलाम** श्री सुरेश जैन (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. कनेरी, जि.रतलाम श्री राहुल केलवा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. सेमलिया, जि.रतलाम** श्री निहार व्यास (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बिलपांक, जि.रतलाम** श्री संजयसिंह राठौर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. धामनोद, जि.रतलाम श्री राहुल केलवा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बरबोदना, जि.रतलाम** श्री निहार व्यास (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. धराड़, जि.रतलाम** श्री संजयसिंह राठौर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. राजगढ़, जि.रतलाम श्री राहुल केलवा (प्रबंधक)	**समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से**	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. प्रितमनगर, जि.रतलाम** श्री संजयसिंह राठौर (प्रबंधक)

मध्यप्रदेश के सहकारिता मंत्री श्री अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिन की बधाई

मध्यप्रदेश के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया का जन्म 9 अगस्त, 1968 को हुआ। उन्होंने एम.ए., एल.एल.बी., और पीएचडी तक शिक्षा प्राप्त की। डॉ. भदौरिया दस वर्ष तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक रहे। 1987 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् भिण्ड के नगर अध्यक्ष, 1988 में एम.जे.एस. कॉलेज के छात्र संघ के अध्यक्ष का चुनाव लड़ा, 1990-95 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश मंत्री एवं 1995-2003 में प्रदेश संगठन मंत्री रहे। सन् 2003-2004 में भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश संगठन मंत्री एवं 2004-2005 में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 2005 से पांच बार भा.ज.पा मध्यप्रदेश के प्रदेश मंत्री, महामंत्री भा.ज.पा. और मध्यप्रदेश अंतर्राज्यीय छात्र जीवन दर्शन से संबद्ध रहकर बस्तियों में संस्कार केन्द्रों, स्वास्थ्य शिविरों और युवा गतिविधियों का संचालन किया। उन्होंने विश्वविद्यालय संशोधन के विरोध में आंदोलन एवं जेल यात्रा की। डॉ. भदौरिया उपाध्यक्ष भाजपा मध्यप्रदेश तथा रेडक्रास सोसाइटी मध्यप्रदेश इकाई के वाइस प्रेसीडेंट भी हैं। सन् 2008 में तेरहवीं विधानसभा के लिए सदस्य निर्वाचित हुए। डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया सन् 2018 में दूसरी बार भिण्ड जिले की अटेर विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए। डॉ. भदौरिया ने 2 जुलाई 2020 को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मंत्रिमण्डल में मंत्री पद की शपथ ग्रहण की। 'हरियाली के रास्ते' परिवार आपके दीर्घायु और स्वस्थ होने की कामना करता है। ■■

कोशिश करने वालों की हार नहीं होती

लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।।
नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है।
आखिर उनकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।
डुबकियाँ सिन्धु में गोताखोर लगाता है,
जाकर खाली हाथ लौट आता है।
मिलते न सहज ही मोती गहरे पानी में,
बढ़ता दूना उत्साह इसी हैरानी में।
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।
असफलता रखी चुनौती है- स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई देखो और सुधार करो।
जब तक सफल न हो, नींद चैन त्यागो तुम,
संघर्षों का मैदान छोड़ कभी मत भागो तुम।
कुछ किये बिना ही, जय-जयकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।
लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती।
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती। ■■

सफलता की कहानी किसान वाल्मीक कौशिक की जुबानी

जैविक पद्धति से गेहूँ उत्पादन कर हुआ मालामाल

उज्जैन जिले की बड़नगर तहसील के ग्राम अजड़ावदा के कृषक वाल्मीक योगेंद्र कौशिक ने करण वंदना (डी.बी.डब्ल्यू-187) गेहूँ का जैविक विधि से उत्पादन किया और 99.20 क्विंटल प्रति हैक्टेयर की उपज प्राप्त की। वाल्मीक ने बताया कि मुझे वर्ष 2010-11 में 'आत्मा' (कृषि विस्तार सुधार कार्यक्रम) जिला उज्जैन द्वारा विकासखंड स्तर (ब्लॉक स्तर) का सर्वश्रेष्ठ किसान का पुरस्कार के साथ राशि रुपए 10,000 देकर सम्मानित किया था। मैंने अपने खेत में भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान करनाल (हरियाणा) से प्राप्त ब्रीडर 05 किलो (ब्रीडर) गेहू डी.बी.डब्ल्यू-187 (करण वंदना) दिनांक 19 नवंबर 2019 को ट्राइकोडरमा विरिडी + एजोटोबेक्टर से बीज को उपचारित करके लगाया। लहसुन की सीड ड्रिल से सूखे खेत में लगभग एक बीघे (0.19 हैक्टर) रकबे मे 10 किलो केंचुआ खाद में एन.पी.के घोलक जीवाणु और थोड़ी सी रेती मिलाकर (ताकि अपेक्षित दूरी पर गेहूं के बीज गिर सके) बोनी कर सिंचाई कर दी।

बोनी के 5-6 दिन बाद गेहूं उगने पर 2 किलो माइकोराइजा + 100 किलो केंचुआ खाद में एन.पी.के घोलक जीवाणु मिलाकर शाम के समय खेत में बिखेर कर सिचाई की। इसके बाद शीर्ष जड़ निकलने की स्थिति (क्राउन रूट स्टेज) पर मैंने जिंक पोटाश और स्फूर घोलक को 100 किलो केंचुए खाद तथा 1 किलो गुड़ का पानी मिलाकर शाम के समय खेत में बिखेर कर फिर डी-कंपोजर के साथ सिचाई कर दी थी।

इसके बाद कल्ले फूटने के समय खरपतवार को मजदूरों द्वारा उखड़वाकर खेत को साफ किया। इसके बाद एनपीके घोलक जीवाणु का फसल पर छिड़काव (फोलियर स्प्रे) कर डी कंपोजर के साथ सिंचाई कर दी। इसके बाद झंडे जैसी पत्तियाँ निकलने की पर डी-कंपोजर के साथ सिंचाई कर दी। इसके पश्चात दूधिया अवस्था पर जिंक एवं पोटाश घोलक जीवाणु का छिड़काव कर डी कंपोजर के साथ सिंचाई कि गई।

जब गेहूँ दाने लगभग पकने की स्थिति में आए, तब प्राकृतिक पानी गिरा, जिससे गेहूं के कलर की चमक थोड़ी फीकी हो गई। 2 अप्रैल 2020 को गेहूँ की कटाई की गई और 7-8 दिन तक खेत में गेहूँ के पूले सुखते रहे। उसके बाद फसल कटाई प्रयोग के सीमांकन वाले गेहूँ छोड़कर शेष को थ्रेसर से थ्रेसींग किया गया।

राजस्व विभाग द्वारा फसल कटाई प्रयोग हेतु जो सीमांकन (5×5 मीटर) किया था उस जगह के गेहूं को हाथों से कुटाई कर सफाई करके तोल किया गया जिसका वजन 24 किलो 800 ग्राम हुआ। इस तरह 24.800×400=99 क्विंटल 20 किलोग्राम उत्पादन प्रति हेक्टेयर जैविक विधि से प्राप्त हुआ।

मेरे पिता श्री योगेंद्र कौशिक ने 95 क्विंटल 32 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर गेहूं का उत्पादन लेकर महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा कृषि कर्मण अवार्ड वर्ष 2014 में प्राप्त किया। मैं इस विधि को सभी किसानों को बताता हूँ ताकि वे भी इस विधि का प्रयोग कर अधिक उत्पादन ले सकें।

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण • खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड • कृषि यंत्र के लिए ऋण • दुग्ध डेयरी योजना

स्वाधीनता दिवस की 73वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

म.प्र. के माननीय सहकारिता मंत्री
डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया
को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री ओ.पी. गुप्ता (प्रशासक एवं उपायुक्त) | श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री विशेष श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री महेश राठौर (शा.प्र. उन्हैल)
श्री अर्जुनसिंह देवड़ा (पर्य. उन्हैल)

श्री मुकेश राणावत
(शा.प्र. घिनौदा)

श्री राजेशसिंह कुशवाह (शा.प्र. ताजपुर)
श्री ललित मेहता (पर्य. ताजपुर)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. घिनौदा, जि.उज्जैन श्री आत्माराम भरावा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बरखेड़ा माडन, जि.उज्जैन श्री चन्दरसिंह पटेल (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बेड़ावन, जि.उज्जैन श्री अर्जुनसिंह देवड़ा (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. भाटखेड़ी, जि.उज्जैन श्री अमित कपूर (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. पासलोद, जि.उज्जैन श्री राजेन्द्रसिंह जाधव (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. उन्हैल, जि.उज्जैन श्री रामगोपाल अजमेरा (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बरखेड़ा, जि.उज्जैन श्री अम्बाराम सोलंकी (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. आक्यानजीक, जि.उज्जैन श्री राधेश्याम चौधरी (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. ताजपुर, जि.उज्जैन श्री शेरसिंह राठौर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बजारी, जि.उज्जैन श्री गोकुलप्रसाद शर्मा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. आलोट जागीर, जि.उज्जैन श्री रामसिंह सोलंकी (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. हरसौदन, जि.उज्जैन श्री अनवर पटेल (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. आम्बा जागीर, जि.उज्जैन श्री राधेश्याम भरावा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. पिपलिया डाबी, जि.उज्जैन श्री ओमप्रकाश उपाध्याय (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. भैसोदा, जि.उज्जैन श्री आनंदीलाल गोलका (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बेड़ावन्या, जि.उज्जैन श्री सुरेशसिंह राठौर (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. रामा बलोदा, जि.उज्जैन श्री नंदराम अलकारा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. सूरजनवासा, जि.उज्जैन श्री सुभाषचंद जोशी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

स्वच्छ सर्वेक्षण-2020 में मध्यप्रदेश को मिला तीसरा स्थान

इंदौर फिर बना नंबर-1

लगातार चौथी बार बना देश का स्वच्छतम शहर

भोपाल बेस्ट सेल्फ सस्टेनेबल कैपिटल घोषित

इंदौर देश के 4242 शहरों को पीछे छोड़ते हुए लगातार चौथी बार देश का स्वच्छतम शहर बना है। भोपाल टॉप-10 में शामिल होने के साथ ही (बेस्ट सेल्फ सस्टेनेबल कैपिटल) श्रेष्ठ स्व-समर्थ राजधानी के रूप में चयनित हुआ है। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 100 से अधिक नगरीय निकाय वाले राज्यों की श्रेणी में मध्यप्रदेश को तीसरा स्थान मिला है। विभिन्न श्रेणी में मध्यप्रदेश को कुल 10 पुरस्कार मिले। केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री हरदीप सिंह पुरी ने वर्चुअल स्वच्छता महोत्सव में स्वच्छ सर्वेक्षण-2020 के पुरस्कार वितरित किए।

मध्यप्रदेश की उपलब्धि उल्लेखनीय

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए भी विशेष प्रसन्नता का दिन है। जहां इंदौर ने देश में चौथी बार सबसे साफ स्वच्छ शहर का पुरस्कार जीता है वहीं बेस्ट सेल्फ सस्टेनेबिल कैपिटल अर्थात श्रेष्ठ स्व-समर्थ राजधानी के रूप में भोपाल का चयन हर्ष का विषय है। यहां इसके लिए पूर्व मेयर श्री आलोक शर्मा, नगर निगम की टीम और सभी नागरिक बधाई के पात्र हैं। मध्यप्रदेश के महू, शाहगंज, कांटाफोड़ जैसे छोटे शहरों ने भी पुरस्कार प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा संकल्प लें कि हम प्रथम ही रहेंगे। हम आने वाले वर्ष में पैटर्न बदल कर आएं और परिणाम प्रथम स्थान के रूप में हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इंदौर ने दुनिया में नया स्थान बनाया है।

मध्यप्रदेश के ये शहर भी पुरस्कृत

स्वच्छ सर्वेक्षण-2020 में पुरस्कार नगर पालिक निगम जबलपुर, बुरहानपुर, रतलाम, उज्जैन, नगरपालिका परिषद सिहोरा जिला जबलपुर, नगरपालिक निगम भोपाल, नगर परिषद शाहगंज जिला सीहोर, नगर परिषद कांटाफोड़ जिला देवास और महू कैंट जिला इंदौर को मिला।

ऐसी रही टॉप-10 की रैंकिंग

(10 लाख से अधिक आबादी वाले शहर)		
1.	इंदौर (मध्यप्रदेश)	5647.56
2.	सूरत (गुजरात)	5519.59
3.	नवी मुंबई (महाराष्ट्र)	5467.89
4.	विजयवाड़ा (आंध्रप्रदेश)	5270.32
5.	अहमदाबाद (गुजरात)	5207.13
6.	राजकोट (गुजरात)	5157.36
7.	भोपाल (मध्यप्रदेश)	5066.31
8.	चंडीगढ़ (चंडीगढ़)	4970.07
9.	विशाखापट्टनम (आंध्रप्रदेश)	4918.44
10.	वड़ोदरा (गुजरात)	4870.34
(1 से 10 लाख आबादी वाले शहर)		
1.	अंबिकापुर (छत्तीसगढ)	5428.31
2.	मैसूर (कर्नाटक)	5298.61
3.	नई दिल्ली NDMC (नई दिल्ली)	5193.27
4.	चंद्रपुर (महाराष्ट्र)	5176.93
5.	खरगोन (मध्यप्रदेश)	5158.36
6.	तिरुपति (आंध्रप्रदेश)	5142.76
7.	जमशेदपुर (झारखंड)	5133.20
8.	गाँधीनगर (गुजरात)	5056.72
9.	धुले (महाराष्ट्र)	4896.99
10.	राजनांदगाँव (छत्तसगढ)	4887.50

इंदौर को इन प्रयासों ने बनाया अव्वल

1. आज का कचरा आज ही खत्म करना संकल्प
2. 18 तरह का कचरा हो रहा अलग-अलग
3. 23 मशीनों से रात में हो रही शहर की सफाई
4. नागरिक अपने घरों में बना रहे हैं कचरे से खाद
5. निगम ने अपने सिस्टम को मजबूत किया
6. निगम अफसर सुबह 6 बजे से मैदान में
7. यूरिनल व कम्युनिटी टॉयलेट से मिली सुविधा
8. गीले कचरे से खाद बनाकर कमाई के साधन जुटाए
9. प्लास्टिक को बेन कर थैला बैंक शुरू किया
10. सीवरेज के पानी को साफ कर निर्माण कार्यों में उपयोग

अब लोग इंदौर स्वच्छता का पाठ सीखने आएंगे।

स्वच्छ महोत्सव वर्चुअल पुरस्कार समारोह में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री हरदीप पुरी ने देश के स्वच्छतम शहर के रूप में इंदौर के चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान को बधाई दी। श्री पुरी ने उम्मीद व्यक्त की कि मध्य प्रदेश अपनी स्वच्छता की इस परंपरा को कायम रखेगा।

उल्लेखनीय है कि स्वच्छ सर्वेक्षण-2020 के अंतर्गत देश के 4242 शहरों ने भागीदारी की थी, जिसमें शहरों को साफ-सफाई से आगे स्वच्छता को संस्थागत स्वरूप देना और नागरिक सुविधाओं की उपलब्धता को प्रमुखता से शामिल किया गया था। इस सर्वेक्षण के प्रमुख घटक अपशिष्ट संग्रहण, परिवहन एवं प्र-संस्करण, संवहनीय स्वच्छता, नागरिकों की सहभागिता और नवाचार आदि थे। इन घटकों में कुल छह हजार अंक के आधार पर भारत सरकार ने अधिकृत स्वतंत्र संस्था द्वारा मैदानी मूल्यांकन तथा जनता के फीडबैक के आधार पर अंतिम परिणाम घोषित किये।

मध्यप्रदेश के 16 में से 14 नगर निगम देश के टॉप शहरों में शामिल

10 नगर निगमों ने टॉप-25 में बनाई जगह

प्रदेश के 35 अमृत शहरों में 24 ने टॉप में बनाई जगह

स्वच्छ सर्वेक्षण-2020 के घटकों में मध्यप्रदेश के 378 शहरों ने अपना बेहतर प्रदर्शन किया। इसमें शहरों में स्वच्छता, साफ-सफाई, आधारभूत संरचनाओं का निर्माण तथा उनका प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट का प्रबंधन और शहरों की स्वच्छता बनाये रखने में नागरिकों का सहयोग प्राप्त करने के प्रयास प्रमुखता से किये गये। इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप खुले में शौच से मुक्त राज्य का गौरव प्राप्त किया और प्रदेश के 234 शहर ओडीएफ+ और 107 शहर ओडीएफ++ के परीक्षण में सफल हुए । इसी क्रम में कचरा मुक्त शहर के मूल्यांकन में राज्य के 18 निकाय स्टार रेटिंग प्राप्त करने में सफल रहे हैं, जो देश में सर्वाधिक शहरों के मामलों में द्वितीय स्थान है।

स्वच्छता इंदौर की सभ्यता बन गई है

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इंदौर की मेयर रही मालिनीजी के साथ विधायक, सांसद, पार्षद, कलेक्टर कमिश्नर, इंदौर और पूरी टीम बधाई की पात्र है। देश के 4242 शहरों में सर्वोच्च क्रम पर आना विशेष महत्व की बात है। स्वच्छता इंदौर का स्वभाव है। इंदौर ने गंदगी को भगा दिया है। स्वच्छता इंदौर की सभ्यता बन गई है। इंदौर स्वच्छता में अभी चौथी बार देश में सर्वोच्च स्थान पर है इससे भी अधिक कीर्तिमान अर्जित करेगा और इंदौर छक्का भी लगाएगा।

इंदौर की जीत के चार चाँद

1. मालिनी गौड़ (पूर्व महापौर)

पाँच साल पहले रैंकिंग सुधारने के लिए स्वच्छता के लिए संसाधन जुटाए। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण को प्रभावी बनाया। शहर को डस्टबिन फ्री किया और पहली बार शहर को स्वच्छता अवार्ड दिलवाया। यह सिलसिला चौथी बार भी बरकरार रखा।

2. मनीष सिंह (तत्कालीन निगमायुक्त)

शहर में सैकड़ों शौचालय बनवाए। कचरा वाहन, कचरा ट्रांसफर स्टेशन बनाकर निगम की सफाई व्यवस्था को मजबूत किया। शहर में गंदगी फैलाने वालों पर सख्ती की। शहर से हजारों टन मलबा उठाया और उनको ठिकाने लगाया।

3. आशीष सिंह (तत्कालीन निगमायुक्त)

आशीष सिंह ने जब काम संभाला, तब इंदौर दो बार अव्वल आ चुका था। तीसरी बार का सर्वे चुनौती था। कोई शहर पुराने कार्यों के भरोसे अपना मुकाम निरंतर बनाए नहीं रख सकता। इस सोच के साथ स्वच्छता के नए काम किये। कचरे का पहाड़ समाप्त किया।

4. जनता जनार्दन (सफाई को आदत बनाई)

लोगों ने सफाई को अपनी प्रतिष्ठा से जोड़ा। डोर-टू-डोर सफाई व्यवस्था को पूरी तरह सफल बनाया। 100 दिनों के भीतर गीला और सूखा कचरा अलग-अलग देना शुरू किया। कई कॉलोनियों में कचरे से खाद बनाने का काम शुरू किया। साफ-सफाई अब लोगों की आदत बन चुकी है।

सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंदसिंह भदौरिया
को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
स्वतंत्रता दिवस की 73 वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ
साँची
SANCHI
श्री तँवरसिंह चौहान
(अध्यक्ष म.प्र. राज्य को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लि., भोपाल)
एवं संचालक
श्री मोतीसिंह पटेल
(अध्यक्ष)
स्वाद और शक्ति से भरपूर साँची
संचालकगण
श्री रामेश्वर गुर्जर
श्री किशोर परिहार
श्री विक्रम मुकाती
श्री जगदीश जाट
श्री राजेन्द्रसिंह पटेल
श्री रामेश्वर रघुवंशी
श्री सुरेश पटेल
श्री प्रहलादसिंह पटेल
श्री कृपालसिंह सेंधव
श्री महेन्द्र चौधरी
श्री ए.एन. द्विवेदी
(मुख्य कार्यपालन अधिकारी)
इन्दौर सहकारी दुग्ध संघ मर्या.
तलावली चांदा, मांगलिया, जिला इन्दौर (फोन : 0731-2811189, टोल फ्री नं. : 1800 233 2535

74वें स्वाधीनता दिवस पर प्रधानमंत्री ने देश को लाल किले की प्राचीर से संबोधित किया

प्रत्येक व्यक्ति के लिए हेल्थ कार्ड बनेगा : नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली। हर भारतीय को एक हेल्थ कार्ड मिलेगा, जिसमें उसकी पूरी सेहत का रिकॉर्ड होगा। इससे कोई भी शख्स बिना अपना मेडिकल रिकॉर्ड साथ ले जाए देश के किसी भी कोने में इलाज करा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 74वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रत्येक भारतीय को यह सुविधा देने वाले नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन की शुरुआत की। प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे देश के हेल्थ सेक्टर में क्रांति आएगी। लाल किले से लगातार 7वें भाषण में प्रधानमंत्री ने चीन और पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया। जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने की बात भी उन्होंने की। आत्मनिर्भर भारत के मंत्र पर आगे बढ़ते हुए प्रधानमंत्री ने मेक फॉर वर्ल्ड का नया नारा दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से भाषण का सबसे अहम संदेश दिया कि अगला एजेंडा उनका महिलाओं से जुड़े मुद्दों को पकड़ना है और उस पर आगे बढ़ने का समय आ गया है। उन्होंने संकेत दिया कि मध्यम वर्ग की अपेक्षाओं और जरूरतों को समझ रहे हैं और उनके लिए अनेक कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना का बुरा दौर अब गुजरने वाला है। कोरोना का टीका आने पर सभी लोगों तक बिना देरी किये बिना भेदभाव के पहुँचाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत अभियान को आपदा में अवसर की संज्ञा दी। समारोह में अनेक मंत्री, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने नाबार्ड की कृषि आधारभूत योजना देश को समर्पित की

एक लाख करोड़ रुपए के विशेष फंड की घोषणा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत नाबार्ड की कृषि आधारभूत योजना देश को समर्पित की गई। इस योजना के तहत कृषि समितियों, कृषक उत्पादन संगठन एवं उद्यमियों को कृषि क्षेत्र में आधारभूत सुविधएं जैसे कि भण्डार गृह, शीतगृह, ग्रेडिंग, सोर्टिंग, पैकेजिंग तथा कृषि यंत्र, ई- मार्केटिंग से संबधित कम्प्यूटरीकरण आदि को स्थापित करने हेतु बैंक ऋण के रूप में एक लाख करोड़ रु. का प्रावधान किया गया।

प्रधानमंत्री ने पूरे देश में इस वर्ष 2000 से अधिक समितियों को बहुउद्देशीय समितियों में परिवर्तित करने का भी आदेश दिया। इस कार्य हेतु नाबार्ड ने रूपये 5000 करोड का प्रावधान किया है। समारोह में नाबार्ड क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से कृषिमंत्री श्री कमल पटेल, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री के.के. सिंह, नाबार्ड की मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती टी.एस. राजी गैन तथा अन्य वरिष्ठि अधिकारी उपस्थित थे। नाबार्ड की मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती टी.एस. राजी गैन ने बताया कि मध्यप्रदेश में इस वर्ष 351 चयनित कृषि सहकारी समितियों को नाबार्ड से प्राप्त लगभग 100 करोड़ रु. की पुनर्वित्त से आत्मनिर्भर भारत अभियान की कृषि क्षेत्र के अधोसंरचना विकास के तहत बहुउद्देशीय समितियों में परिवर्तित किया जाएगा ताकि तहसील स्तर पर कृषकों को उपरोक्त सभी सुविधाएं प्राप्त हो सकें तथा उनकी आमदनी में वृद्धि हो सके। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विदिशा जिले के लटेरी के कृषक श्री मुकेश शर्मा से भी बातचीत की।

कार्यक्रम में नाबार्ड द्वारा 351 कृषि सहकारी समितियों को वित्त पोषित करने हेतु लगभग 100 करोड़ रु. के संस्वीकृति पत्र कृषि मंत्री श्री कमल पटेल द्वारा अपेक्स बैंक को प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. डी.एस. चौहान, महाप्रबंधक नाबार्ड द्वारा किया गया।

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

स्वाधीनता दिवस की 73वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्रीमती सुनीता गोठवाल (प्रशासक एवं उपायुक्त)
श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री के.के. रायकवार (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से : श्री अचलसिंह मेवाड़ा (शा.प्र. शुजालपुर) । श्री रामचंद चौहान (पर्य. शुजालपुर)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. शुजालपुर, जि.शाजापुर — श्री बनेसिंह परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. मगरौला, जि.शाजापुर — श्री रमेशचंद राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. अमलाय, जि.शाजापुर — श्री अजबसिंह चावड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. किलोजी, जि.शाजापुर — श्री मनोहरसिंह राठौड़ (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. उगली, जि.शाजापुर — श्री रामचंद्र चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. रामपुर, जि.शाजापुर — श्री पदमसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. चाकरोद, जि.शाजापुर — श्री मणिकांत श्रीवास्तव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. मेहरखेड़ी, जि.शाजापुर — श्री दीपसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. मडवाला, जि.शाजापुर — श्री दिलीपसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. मोड़खेड़ा, जि.शाजापुर — श्री मूलचंद वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. देहण्डी, जि.शाजापुर — श्री केदारसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. जामनेर, जि.शाजापुर — श्री ओमप्रकाश पालीवाल (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. भितैरा, जि.शाजापुर — श्री गुलाबसिंह राना (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. उचोद, जि.शाजापुर — श्री चंद्रशेखर जोशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. सिलौदा, जि.शाजापुर — श्री हरिसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. नरोला हीरपुर,जि.शाजापुर — श्री शाहिद बेग (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

डिजिटल कृषि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है कृषि मेघ

नई दिल्ली। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने वर्चुअल माध्यम से केवीसी एल्युनेट (कृषि विश्वविद्यालय छात्र एल्युम्नी नेटवर्क) और उच्च कृषि शिक्षण संस्थानों के लिए ऑनलाइन प्रत्यायन प्रणाली (एचईआई) के साथ ही कृषि मेघ (राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा व्यवस्था- क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर और सेवाओं) का शुभारम्भ किया।

केन्द्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत सरकार-विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना को कृषि विद्यालयों के विद्यार्थियों को ज्यादा औचित्यपूर्ण और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से देश में राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जो देश की नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप है। श्री तोमर ने महत्वपूर्ण अनुसंधान आधारित डाटा डिजिटल रूप में सुरक्षित एवं संरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे उस तक देश और दुनिया के किसी भी कोने से पहुंच हासिल की जा सके। उन्होंने कृषि में निजी निवेश को सक्षम बनाने पर भी जोर दिया। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कृषि मेघ नए भारत की डिजिटल कृषि की दिशा में उठाया गया एक कदम है, जिसकी कल्पना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई है। कृषि राज्य मंत्री श्री पुरुषोत्तम रूपाला, श्री कैलाश चौधरी, सचिव (डेयर) और महानिदेशक (आईसीएआर) डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने डिजिटलीकरण के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया।

इससे पहले, अपने उद्घाटन भाषण में आईसीएआर के उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर सी अग्रवाल ने कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य के बारे में बताया। उन्होंने केवीसी एल्युनेट के विकास पर प्रकाश डाला, जो कृषि विश्वविद्यालयों के पूर्व छात्रों के लिए सोशल नेटवर्किंग के विचार का परिणाम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इससे 74 कृषि विश्वविद्यालयों के सभी पूर्व छात्र एक दूसरे से जुड़ने में सक्षम होंगे और इससे विद्यार्थियों को इंटर्नशिप, नियुक्तियों में सहायता मिलेगी, साथ ही उन्हें पूर्व छात्रों का सहयोग भी हासिल होगा।

किसान रेल दिलाएगी उपज का उचित मूल्य : श्री तोमर

नई दिल्ली। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने केन्द्रीय रेल, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल की उपस्थिति में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर 'देवलाली-दानापुर किसान रेल' का शुभारम्भ किया। पीयूष गोयल इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आम बजट, 2020-21 में दूध, मांस और मछली सहित जल्द सड़ने वाले खाद्य पदार्थों की निर्बाध आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने की घोषणा की थी और यह भी कहा गया था कि भारतीय रेल पीपीपी व्यवस्था के माध्यम से किसान रेल की शुरुआत करेगी। इस अवसर पर श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि किसान रेल से मामूली लागत पर किसानों की फसल की देश के विभिन्न हिस्सों तक ढुलाई में सहायता मिलेगी, इससे किसानों को फायदा होगा और इससे प्रधानमंत्री के वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के विजन को हासिल करने में भी सहायता मिलेगी। श्री तोमर ने जल्द सड़ने वाले सामानों की ढुलाई पर विशेष जोर के साथ समयबद्ध तरीके से परिवहन नेटवर्क को मजबूत बनाने को लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार प्रकट किया। श्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत सरकार द्वारा पहली किसान रेल का संचालन किया जा रहा है। सरकार ने पीएम किसान योजना का शुभारम्भ किया है, जिसमें किसानों के परिवार को 6,000 रुपये दिए जा रहे हैं और किसानों की आय दोगुनी करने के क्रम में कई अन्य योजनाएं/ कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। रेल मंत्रालय खाद्य आपूर्ति श्रृंखला बढ़ाने पर भी काम कर रही है, जिससे किसानों को उनकी फसल की अच्छी कीमत मिल सके।

देश के किसान समुदाय की सेवा के क्रम में, किसान रेल मल्टी कमोडिटीज, मल्टी कंसाइनर्स और मल्टी कंसाइनीज के तहत ढुलाई करेगी। ये ट्रेनें रूट पर पड़ने वाले स्टॉपेज के साथ मूल स्थान-गंतव्य तक जोड़ी में परिचालित होंगी, साथ ही इस पर रूप पर पड़ने वाले सभी स्टॉपेज से लोडिंग/ अपलोडिंग की अनुमति होगी।

राष्ट्र के लिए जीएँगे और मरेंगे : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल के लाल परेड ग्राउण्ड परिसर के मोतीलाल नेहरु स्टेडियम में आयोजित राज्यस्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महिला विशेष सशस्त्र बल, जिला बल, शासकीय रेल पुलिस, विशेष शस्त्रबल हॉक फोर्स, एस.टी.एफ., नगर सेना, जेल विभाग और पुलिस बैंड की टुकड़ियों से सज्जित परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह, राज्य मंत्रिपरिषद के सदस्य, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, पुलिस महानिदेशक श्री विवेक जौहरी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान एवं सभी उपस्थितों द्वारा भारतमाता की जयघोष के साथ मुख्यमंत्री का संबोधन प्रारंभ हुआ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने राष्ट्र को स्वतंत्रता दिलवाने वाले वीर बलिदानियों के चरणों में नमन करते हुए कहा कि देश के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने वालों के सम्मान में भोपाल में निर्मित शौर्य स्मारक में आज भारतमाता की प्रतिमा स्थापित हुई है। यह सभी को राष्ट्र प्रेम, शौर्य और साहस की प्रेरणा देगी। प्रत्येक नागरिक को भोपाल के शौर्य स्मारक में स्थापित इस प्रतिमा के दर्शन करना चाहिए।

सरकार ने 15 अप्रैल से गेहूँ उपार्जन का कार्य प्रारंभ किया, जो एक बड़ी चुनौती थी। किसान भाइयों के सहयोग से उपार्जन में हम देश में नंबर एक बन गए हैं। पंजाब को पीछे छोड़ते हुए एक करोड़ 29 लाख 42 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ लगभग 15 लाख 81 हजार किसानों से उपार्जित किया गया। किसानों को 24 हजार 800 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान भी समय पर किया गया। किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर फसल ऋण उपलब्ध कराने की योजना सतत जारी रखी गई है।

लोक निर्माण मंत्री श्री भार्गव ने झंडावंदन कर दी शुभकामनाएं

भोपाल। लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने स्वतंत्रता दिवस पर भोपाल में अपने बंगले पर ध्वजारोहण किया। श्री गोपाल भार्गव ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। मंत्री श्री भार्गव ने कहा है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हमें उन अमर सेनानियों को भी याद करना चाहिए, जिन्होंने देश की आजादी के लिये अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया था।

कृषि मंत्री श्री पटेल ने मण्डी बोर्ड प्रांगण में किया ध्वजारोहण

भोपाल। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने 74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मण्डी बोर्ड प्रांगण में ध्वजारोहण किया। उन्होंने किसानों और प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर मण्डी बोर्ड और कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। इसके पूर्व मंत्री श्री पटेल ने अपने निवास पर भी झण्डा-वंदन किया।

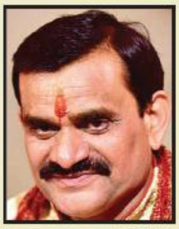

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण • खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड • कृषि यंत्र के लिए ऋण • दुग्ध डेयरी योजना

74वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण

सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

सौजन्य से
श्री शंकरलाल वानखेड़ष (शा.प्र. सेंधवा)
श्री जयंतीलाल चौहान (पर्य. सेंधवा)
श्री भीलू बैशाखी (शा.प्र. मंडी सेंधवा)
श्री अशोक पटेल (शा.प्र. बेड़िया)
श्री चंद्रशेखर जोशी (शा.प्र. बिस्टान)
श्री अफजल खान (शा.प्र. भगवानपुरा)

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री मुकेश जैन (प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री संजय आर्य (उपायुक्त)

श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री अनूप जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. सेंधवा, जि.बड़वानी श्री गजराज मालवीय (प्रबंधक)	**आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. भूलगाँव, जि.खरगोन** श्री भैयालाल बिर्ला (प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. जामली, जि.बड़वानी श्री राजेश यादव (प्रबंधक)	**आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. भोगाँव निपानी, जि.खरगोन** श्री रमेश बिर्ला (प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. जोगवाड़ा, जि.बड़वानी श्री सीताराम पाटीदार (प्रबंधक)	**आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. भगवानपुरा, जि.खरगोन** श्री सोहन चौहान (प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. चाटली, जि.बड़वानी श्री निम्बाराव पाटिल (प्रबंधक)	**आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. धूलकोट, जि.खरगोन** श्री सोहन चौहान (प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. मेहतगाँव, जि.बड़वानी श्री सुनील तिवारी (प्रबंधक)	**आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. पीपलझोपा, जि.खरगोन** श्री सोहन चौहान (प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. गवाड़ी, जि.बड़वानी श्री सखाराम डाबर (प्रबंधक)	**आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. भग्यापुर, जि.खरगोन** श्री सोहन चौहान (प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. बाबदड़, जि.बड़वानी श्री पवन मिश्रा (प्रबंधक)	**आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. बिस्टान, जि.खरगोन** श्री कैला श पाटिल (प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. मालवन, जि.बड़वानी श्री फरीद शेख (प्रबंधक)	**आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. गढ़ी, जि.खरगोन** श्री शोभाराम सोलंकी (प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. बेड़िया, जि.खरगोन श्री देवेन्द्र बिर्ला (प्रबंधक)	**आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. मोहनपुरा, जि.खरगोन** श्री सुरेश पाटीदार (प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. रावेरखेड़ी, जि.खरगोन श्री प्रेमरला बिर्ला (प्रबंधक)	**आ.जा. सेवा सहकारी संस्था मर्या. बनहेर, जि.खरगोन** श्री रामेश्वर कुशवाह (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

74वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

सौजन्य से

श्री एम.एल. रैकवार (शा.प्र. पिपल्या सड़क)
श्री मणिशंकर नागर (शा.प्र. हाटपीपल्या)
श्री रामेश्वर भंडारी (पर्य. हाटपीपल्या)
श्री अकेसिंह सोलंकी (शा.प्र. भौंरासा)
श्री नंदकिशोर बोडाना (शा.प्र. डबल चौकी)
श्री आयुष पाटनी (शा.प्र. देवगढ़)
श्री हुकुमसिंह सोलंकी (पर्य. देवगढ़)
श्री कमलसिंह झोरड़ (शा.प्र. बरोठा)
श्री अनिल दुबे (पर्य. बरोठा)

सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री चंद्रमौलि शुक्ला (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री वी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री मनोज गुप्ता (प्रशासक एवं उपायुक्त) | श्री रवि तक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री के.एन. त्रिपाठी (बैंक सीईओ)

सेवा सह. संस्था मर्या. पिपल्या सड़क, जि.देवास श्री राम चौधरी (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. डबल चौकी, जि.देवास** श्री राधेश्याम बोडाना (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. टोंक कला, जि.देवास श्री दीपेन्द्र सिंह (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. नारियाखेड़ा, जि.देवास** श्री कैलाश केलवा (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. आलरी, जि.देवास श्री छीतूसिंह भंडारी (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. अकबरपुर, जि.देवास** श्री संतोष नामलिया (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. बरखेड़ा सोमा, जि.देवास श्री विक्रमसिंह राजपूत (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. भौरासा, जि.देवास** श्री तेजसिंह राजपूत (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. रतनखेड़ी, जि.देवास श्री राकेश पटेल (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. पोलाय जागीर, जि.देवास** श्री बोन्दरसिंह यादव (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. अरलावदा, जि.देवास श्री मानसिंह सिकरवार (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. बौलासा, जि.देवास** श्री राकेश सिंह बैस (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. हाटपीपल्या, जि.देवास श्री भरत कुमार सेन्धव (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. संवरसी, जि.देवास** श्री विक्रमसिंह चौधरी (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. मानकुंड, जि.देवास श्री कुंजीलाल आनपा (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. बरोठा, जि.देवास** श्री नंदकिशोर नागर (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. नेवरी, जि.देवास श्री बिहारीसिंह सोलंकी (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. सन्नौगढ़, जि.देवास** श्री विष्णु मुकाती (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. देवगढ़, जि.देवास श्री हुकुमसिंह सोलंकी (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. सोकरिया, जि.देवास** श्री नरहरिसिंह राजपूत (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. बडिया मांडू, जि.देवास श्री जसवंतसिंह सायल (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. सिरोलिया, जि.देवास** श्री प्रहलाद चौधरी (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. आमला ताज, जि.देवास श्री भीमसिंह परिहार (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. कैलोद, जि.देवास** श्री बनेसिंह देवड़ा (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. टप्पा सुकलिया, जि.देवास श्री भीमसिंह परिहार (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. पटाड़ी, जि.देवास** श्री मदनलाल चौधरी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सहकारिता मंत्री श्री भदौरिया ने झंडावंदन कर बधाइयाँ दी

भोपाल। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविन्द सिंह भदौरिया ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भोपाल स्थित अपने आवास पर ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान का सामूहिक गान किया और प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 1947 को आजादी के साथ देश में एक

नये युग की शुरूआत हुई थी। तब से लगातार हम विकास की ओर अग्रसर हैं।

कोरोना संक्रमण काल में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए घर में ही रहकर उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मनायें। यह दिन प्रदेशवासियों के जीवन में नई उमंग और खुशहाली लेकर आए।

किसान अपनी फसलों का बीमा 18 तक करवा सकते हैं : श्री पटेल

भोपाल। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने बताया कि किसान अपनी फसलों का बीमा 18 अगस्त 2020 तक करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत किसान फसलों का बीमा करवाकर लाभ ले सकते हैं। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जो किसान 31 जुलाई तक फसल बीमा नहीं करवा पाये हैं, ऐसे किसानों के लिये फसल बीमा की तारीख बढ़ाकर 18 अगस्त कर दी गई है। उन्होंने किसानों से आव्हान किया कि समय रहते फसल बीमा करायें।

जनसम्पर्क आयुक्त ने किया ध्वजारोहण

भोपाल। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े ने जनसम्पर्क संचालनालय में ध्वजारोहण किया। इस मौके पर संचालक जनसम्पर्क श्री आशुतोष प्रताप सिंह, अपर संचालक श्री एल.आर. सिसोदिया, श्री सुरेश गुप्ता, डॉ. एच.एल. चौधरी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

झाबुआ बैंक में ध्वजारोहण किया

झाबुआ। 74वें स्वतंत्रता दिवस पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. झाबुआ के प्रधान कार्यालय पीलीकोठी में बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री डी.आर. सरोठिया द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर श्री सरोठिया द्वारा बैंक के समस्त सम्माननीय अमानतदारों, किसान भाइयों, ऋणी सदस्यों व ग्राहकों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी। इस अवसर पर प्रभारी विपणन हेमंत नीमा, प्रभारी अवार्ड एच.ए.के. पांडेय, प्रभारी लेखा महेन्द्रसिंह जमरा, प्रभारी स्तापना मनोज कोठारी, प्रभारी फील्ड के.के. नायक, प्रभारी शाखा प्रबंधक दिलीप वाणी एवं श्रीमती कान्ता खपेड़ एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी शंभूसिंह गामड़ सहित प्रधान कार्यालय एवं शाखा के कर्मचारीगण उपस्थित थे।

प्रदेश में कोरोना की रिकवरी रेट 75 प्रतिशत हुई

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना की रिकवरी रेट लगातार बढ़ रही है तथा बड़ी संख्या में मरीज स्वस्थ होकर घर जा रहे हैं। इससे एक्टिव मरीजों की संख्या में कमी आ रही है, ये अच्छे संकेत हैं। वर्तमान में प्रदेश की रिकवरी रेट 75.1 प्रतिशत तथा एक्टिव मरीजों की संख्या 9105 हो गई है। नए 843 मरीज आए हैं वहीं 922 मरीज स्वस्थ होकर घर गए हैं। गत दिवस की तुलना में एक्टिव मरीजों की संख्या में 98 की कमी आयी है। प्रदेश में मृत्यु दर 2.54 है, जिसे न्यूनतम किए जाने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के कोविड अस्पतालों में कोरोना मरीजों के निःशुल्क उपचार की अच्छी व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान वीडियो कान्फ्रेंस द्वारा प्रदेश में कोविड-19 की स्थिति और व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे थे। वीडियो कान्फ्रेंस में गृह मंत्री श्री नरोत्तम मिश्र, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान, डीजीपी श्री विवेक जौहरी, प्रमुख सचिव जनसंपर्क श्री शिवशेखर शुक्ला तथा अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। गृह मंत्री श्री नरोत्तम मिश्र ने बताया कि दतिया मेडिकल कॉलेज में गत दिनों से डीन अथवा सिविल सर्जन द्वारा वार्डों का भ्रमण नहीं करने की शिकायत प्राप्त हुई है। इस संबंध में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने तुरंत कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान बताया गया कि प्रदेश में कोरोना के सर्वाधिक 176 नए मरीज इंदौर में पाए गए हैं। भोपाल में 100, ग्वालियर में 89, जबलपुर में 54 तथा विदिशा में कोरोना के 28 नए मरीज पाए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इन जिलों में विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए।

कृषिमंत्री श्री पटेल ने सौ करोड़ का स्वीकृति पत्र सौंपा

भोपाल। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय में में नाबार्ड की ओर से मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड के एमडी श्री प्रदीप नीखरा को सौ करोड़ रुपए की सैद्धांतिक स्वीकृति का पत्र सौंपा। उन्होंने बताया कि इस राशि से 351 प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों को बहुउद्देशीय समितियों में परिवर्तित किया जाएगा।

मंत्री श्री पटेल ने बताया कि नाबार्ड द्वारा उपलब्ध कराई गई इस राशि से प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों द्वारा कृषकों को भंडारण, ग्रेडिंग, सॉर्टिंग और अन्य कृषि सम्बन्धी सूचनाएं प्राप्त हो सकेंगी। इसके अलावा ई-मंडियों की सुविधा भी लोगों को मिल सकेगी। उक्त राशि एग्री इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) के तहत प्रदान की जा रही है।

इस अवसर पर नाबार्ड की मुख्य महाप्रबंधक सुश्री टीएसजी गेन, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री के.के. सिंह, आयुक्त सहकारिता श्री आशीष सक्सेना, महाप्रबंधक श्री दुष्यंत सिंह चौहान, श्री वाईएन महादेविया और श्री एमआई खान भी उपस्थित रहे।

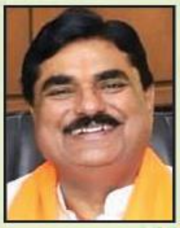

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

स्वाधीनता दिवस की 73वीं वर्षगाँठ पर शुभकामनाएँ

सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की बधाई

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री नीरज सिंह
(कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री आर.आर. सिंह
(संयुक्त आयुक्त)

श्री एम.ए. कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री डी.के. चौहान
(प्रभारी सीईओ)

सौजन्य से : **श्री आर.के. पाण्डेय** (शाखा प्रबंधक सारंगपुर), **श्री सूरजसिंह सोलंकी** (पर्यवेक्षक सारंगपुर)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. तलैनी, जि.राजगढ़	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. गोपालपुरा, जि.राजगढ़
श्री सजनसिंह पुष्पद (प्रबंधक)	श्री कुमेरसिंह सोलंकी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. सारंगपुर, जि.राजगढ़	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. ब्यावरा माण्डू, जि.राजगढ़
श्री देवीलाल पुष्पद (प्रबंधक)	श्री सूरजसिंह सोलंकी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. मऊ, जि.राजगढ़	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. पा. माता, जि.राजगढ़
श्री सुरेशसिंह खत्री (प्रबंधक)	श्री रामप्रसाद पाटीदार (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. धनोरा, जि.राजगढ़	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. भैसवामाता, जि.राजगढ़
श्री कैलाश नारायण राजपूत (प्रबंधक)	श्री सुरेशचंद्र खत्री (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. मगराना, जि.राजगढ़	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. हराना, जि.राजगढ़
श्री जुझारसिंह परमार (प्रबंधक)	श्री कालूराम गोस्वामी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. पढ़ाना, जि.राजगढ़	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. खजूरिया, जि.राजगढ़
श्री सुरेशसिंह सोलंकी (प्रबंधक)	श्री मोहनलाल नागर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. आसारेटा, जि.राजगढ़	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. ढांकनी, जि.राजगढ़
श्री कालूराम काड़ोदिया (प्रबंधक)	श्री त्रिलोकचंद्र नाहर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. गुलावता, जि.राजगढ़	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. दुग्या, जि.राजगढ़
श्री सूरजसिंह सोलंकी (प्रबंधक)	श्री बद्रीप्रसाद चौहान (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बालौड़ी, जि.राजगढ़	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. पीपल्यापाल, जि.राजगढ़
श्री गजराजसिंह उमठ (प्रबंधक)	श्री शिवचरण कलमोदिया (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

किसानों को उर्वरक की कमी नहीं आने दी जाए : श्री पटेल

हरदा। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने गृह ग्राम वारंगा से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पूरे प्रदेश के कृषि उप संचालकों से बोनी की स्थिति पर चर्चा की। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि किसानों को किसी कीमत पर भी उर्वरक की कमी नहीं आने दी जाए। उन्होंने संचालक कृषि श्री संजीव सिंह को सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। कृषि मंत्री ने सभी कृषि उप संचालकों को निर्देशित किया कि खाद बीज और उर्वरक की गुणवत्ता को जांचने के लिए निरंतर कार्यवाही की जाए। प्रयोगशालाओं में उनका परीक्षण कराया जाए और जो दोषी हैं उन्हें दंडित करने में बिल्कुल भी संकोच न करें। श्री पटेल ने कहा कि किसानों को उत्तम गुणवत्ता का खाद बीज मिलना ही चाहिए। इसमें दुकानदारों की गड़बड़ी, कालाबाजारी अवैध भंडारण इत्यादि पाई जाती हैं तो उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाये।

ग्रामोद्योग से होगा स्वदेशी आन्दोलन का सपना साकार

भोपाल। कुटीर एवं ग्रामोद्योश मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने कहा है कि कुटीर एवं ग्रामोद्योग के माध्यम से ही स्वदेशी आन्दोलन का सपना साकार होगा। उन्होंने यह बात राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर वल्लभ भवन तीन में हस्तशिल्प विकास निगम द्वारा संचालित मृगनयनी शो-रूम के आऊटलेट के लोकार्पण अवसर पर कही। श्री भार्गव ने कहा कि मध्यप्रदेश के हाथकरघा वस्त्रों की समस्त देश में अलग पहचान है। हमारे प्रदेश के उत्कृष्ट श्रेणी के उत्पादों को बुनने में सिद्धहस्त है। चंदेरी, महेश्वर, सौंसर की भी विशिष्ट पहचान है। हमारे देश के प्रधानमंत्री भी बुनकरों के कौशल की तारीफ करते हैं तथा देश के निवासियों से अधिकाधिक स्वदेशी बुनकरों के उत्पादों का उपयोग करने का आहवान भी कर चुके हैं। श्री भार्गव ने राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस पर प्रदेश के समस्त हाथकरघा बुनरों को शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कृषि केबिनेट का गठन

भोपाल। प्रदेश में कृषि और उससे जुड़े मामलों को समग्र रूप से शामिल कर योजना बनाने और निर्णय लेने के लिये राज्य शासन ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद् समिति (कृषि केबिनेट) का गठन किया है।

कृषि केबिनेट में मंत्रि-परिषद् के जिन सदस्यों को शामिल किया गया है, उनमें गृह, जेल, संसदीय कार्य, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री गोपाल भार्गव, जल-संसाधन, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट तथा किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल को शामिल किया गया है। इसके साथ ही महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी, पशुपालन, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, पर्यावरण मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण (स्वतंत्र प्रभार), नर्मदा घाटी विकास मंत्री श्री भारतसिंह कुशवाह, राज्य मंत्री आयुष (स्वतंत्र प्रभार), जल-संसाधन श्री रामकिशोर (नानो) कावरे, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी राज्य मंत्री श्री बृजेन्द्र सिंह यादव और किसान कल्याण तथा कृषि विकास राज्य मंत्री श्री गिर्राज डण्डोतिया को भी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। मुख्य सचिव समिति के सचिव और कृषि उत्पादन आयुक्त समिति के समन्वयक होंगे।

केंद्रीय मंत्री श्री तोमर से मिले राज्य मंत्री श्री कुशवाह

भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर से उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण स्वतंत्र प्रभार एवं नर्मदा घाटी विकास राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ने कृषि मंत्रालय में सौजन्य भेंट की।

राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने केंद्रीय मंत्री श्री तोमर को राज्य में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को अधिक विकसित करने के लिए शुरू किए गए प्रयासों के साथ केंद्र सरकार की उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण की योजनाओं के प्रदेश में क्रियान्वयन की जानकारी दी। उन्होंने उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की विभिन्न योजनाओं में एवं राज्य के सभी जिलों को उद्यानिकी मिशन में सम्मिलित किए जाने के निर्णय और क्रियान्वन के लिए केंद्र सरकार से और अधिक राशि दिलाने का अनुरोध केंद्रीय मंत्री श्री तोमर से किया। राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने बताया कि ग्वालियर चंबल संभाग के जिलों को उद्यानिकी मिशन में सम्मिलित होने से इन जिलों के किसानों को योजनाओं का लाभ मिल सकेगा।

बंजर पहाड़ियों पर आकार लेने लगा है जंगल

बड़वानी। पशुपालन और सामाजिक न्याय मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल ने सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी के साथ रेवाकुंज पहाड़ी पर त्रिवेणी पौधा रोपा। पहाड़ी को हरा-भरा करने की निरंतर कोशिश में बड़वानी कलेक्टर के साथ स्थानीय युवा, शासकीय कर्मचारी-अधिकारी और व्यापारी आदि भी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए पौधों की देखभाल और संरक्षण कर रहे हैं। पहाड़ी के निचले भाग में लगभग 5 हजार नीम के पौधे आकार ले चुके हैं। श्री पटेल ने कहा कि क्षेत्र को हरा-भरा बनाने के लिये हरसंभव मदद की जायेगी।

बड़वानी जिले की बंजर पहाड़ियों पर नीचे नीम लगाने के बाद अब त्रिवेणी (बरगद, पीपल और नीम एक साथ) रोपी जा रही है। वन विभाग तकनीकी सहयोग, कृषि विभाग द्वारा खाद, उद्यानिकी द्वारा ड्रिप इरीगेशन, आम लोगों द्वारा संरक्षण और सहयोग से यहाँ बंजर भूमि में सुखद परिवर्तन आ रहा है। बंजर सरस्वती पहाड़ी पर नीम, करंज, आँवला, बरगद, पीपल आदि के पौधे अब 10-10 फीट के हो चले हैं। विकसित जंगल आने वाली पीढ़ी को पर्यावरणीय संतुलन के साथ पानी की समस्या का भी समाधान करेगा। इस क्षेत्र की पहाड़ियों पर लगभग 15 हजार पौधे रोपे जा चुके हैं। रविवार 9 अगस्त को ग्रामवासियों के सहयोग से लोनसरा की पहाड़ी पर लगभग एक हजार पौधे रोपे जायेंगे।

उल्लेखनीय है कि पूर्व मंत्री श्री अंतर सिंह आर्य द्वारा नीम की बहुतायत होने के कारण निमाड़ नाम प्राप्त क्षेत्र को पुनः खोया गौरव लौटाने के लिये यह मुहिम शुरू की गई थी। यह मुहिम आज रंग लाने लगी है। श्री आर्य ने क्षेत्र के गाँव-गाँव में बालों और बिना बालों वाले सिर पर पानी डालकर ग्रामीणों को पानी रोकने में वृक्षों की महत्ता समझाई थी। उन्होंने केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री से बात करने के साथ ही सभी सांसद, विधायक और जन-प्रतिनिधियों से भी इस मुहिम से जुड़ने की अपील की थी।

बलराम जयंती पर किसानों को बधाई

भोपाल। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने भगवान बलराम जयंती और हलषष्ठी के अवसर पर किसानों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि हलषष्ठी और बलराम जयंती दोनों ही किसानों के पावन पर्व हैं। श्री पटेल ने इस अवसर पर भारत सरकार के द्वारा देश के साढ़े आठ करोड़ किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि के रूप में 17 हजार करोड रुपए की राशि अंतरित करने पर और किसानों के हित में लागू की गई महत्वपूर्ण योजनाओं और किसानों को दी जाने वाली सुविधाओं पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है।

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

स्वाधीनता दिवस की 73वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एम.एल. गजभिये (प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री एस.के. खरे (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री परमानंद यादव (शा.प्र. देपालपुर)
श्री कैलाश ठाकुर (पर्य. देपालपुर)
श्री राधेश्याम ठाकुर (पर्य. देपालपुर)
श्री हीरालाल यादव (शा.प्र. गौतमपुरा)
श्री उमरावसिंह पंवार (पर्य. गौतमपुरा)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. छोटी कलमेर, जि.इंदौर
श्री भँवरसिंह परमार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. खजराया, जि.इंदौर
श्री कैलाश ठाकुर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. चान्देर, जि.इंदौर
श्री संजय मौर्य (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. लिम्बोदापार, जि.इंदौर
श्री राधेश्याम ठाकुर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गोकलपुर, जि.इंदौर
श्री गिरधर चन्देल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सगड़ोद, जि.इंदौर
श्री बाबूलाल मौर्य (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. जलोदिया पंथ, जि.इंदौर
श्री मनोहर मौर्य (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. देपालपुर, जि.इंदौर
श्री पर्वतसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बनेड़िया, जि.इंदौर
श्री भवानीशंकर चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. जलोदिया ग्रान, जि.इंदौर
श्री नरेन्द्र सिंह परमार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बछोड़ा, जि.इंदौर
श्री ओमप्रकाश बैरागी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. भील बड़ौली, जि.इंदौर
श्री राधेश्याम गौड़ (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गिरोता, जि.इंदौर
श्री उमरावसिंह पंवार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. छड़ौदा, जि.इंदौर
श्री हेमसिंह दयाल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. अत्याणा, जि.इंदौर
श्री जगदीश बड़वाया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गौतमपुरा, जि.इंदौर
श्री नरेन्द्रसिंह परमार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मेढकवास, जि.इंदौर
श्री सत्यनारायण सोलंकी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

हर गरीब को मिलेगा 1 रु. किलो गेहूँ, चावल एवं नमक

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आगामी एक सितम्बर से प्रदेश के ऐसे सभी गरीबों को जिन्हें अभी तक उचित मूल्य राशन नहीं मिल रहा था,अब उन्हे एक रूपये किलो गेहूं, चावल एवं नमक मिलेगा। प्रति व्यक्ति प्रतिमाह 5 किलो उचित मूल्य राशन मिलेगा। इसके अलावा गरीब परिवारों को नवंबर माह तक 5 किलो प्रति व्यक्ति निःशुल्क राशन भी प्रदाय किया जाएगा। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के 37 लाख गरीब हितग्राही लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए हैं कि वे अपने जिलों में सभी नए हितग्राहियों को 31 अगस्त तक पात्रता पर्चियां जारी किए जाना तथा उनकी आधार सीडिंग किए जाना सुनिश्चित करें, जिससे एक सितम्बर से उन्हें राशन मिल सके।

मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के नए हितग्राहियों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा कर रहे थे। बैठक में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव श्री फैज अहमद किदवई उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इंदौर जिले के नवीन हितग्राहियों से चर्चा के दौरान बताया कि इंदौर में सर्वाधिक 2.5 लाख नए हितग्राहियों के नाम जोड़े जाने हैं। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को निर्देश दिए कि 31 अगस्त तक यह कार्य पूरा हो जाए। हितग्राही सीताबाई एवं रईसा बी ने पात्रता पर्ची बनने के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान को धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'वन नेशन-वन राशन कार्ड' योजना के अंतर्गत अब हितग्राही किसी भी राशन दुकान से राशन प्राप्त कर सकता है। राशन प्राप्त करने के लिए हर हितग्राही की आधार सीडिंग आवश्यक है। प्रत्येक हितग्राही अपनी पास की दुकान पर अपना आधार कार्ड दिखवाकर उसकी प्रविष्टि करवा दें।

मछली पालन से युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाएँ

भोपाल। जल संसाधन, मछुआ कल्याण और मत्स्य विकास विभाग मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने प्रदेश में मत्स्य उत्पादन को बढ़ाने और मत्स्य व्यवसाय से युवाओं को जोड़ने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने मछुआ सहकारी समितियों में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने और मछली पालन से रोजगार के नये साधन विकसित करने के निर्देश भी दिये।

मत्स्य विकास मंत्री श्री सिलावट ने विभागीय समीक्षा बैठक में कहा कि मछली पालन से होने वाली आय कृषि आय से अधिक होती है। अतः मत्स्य पालन को बढ़ावा देकर रोजगार के अवसर पैदा किये जाये। विभाग समितियाँ बनाकर नई कार्ययोजना बनाये और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़े। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री अश्विन राय, मुख्य प्रबंधक श्री पुरूषोत्तम धीमान, संचालक श्री सक्सेना और अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक उपरान्त मंत्री श्री सिलावट ने बड़े तालाब में हो रहे मछली पालन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही बनाये गये केज की जानकारी भी प्राप्त की। बताया गया कि केज में मछली पालन से मत्स्य उत्पादन दोगुना होता है। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि प्रदेश में अभी मत्स्य उत्पादन 2 लाख टन है, जिसे बढ़ाकर 4 लाख टन करना है। इससे मत्स्य पालन के क्षेत्र में रोजगार के नये अवसर भी निर्मित होंगे। उन्होंने प्रदेश में झींगा पालन को भी बढ़ावा देने के निर्देश दिये।

बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री अश्विन राय ने बताया कि कृषि उत्पादन से होने वाली आय से दुगुनी आय मछली पालन से होती है। मछली उत्पादन की लागत भी कृषि लागत से कम आती है। इस व्यवसाय से मछुआ पालन करने वाले की आय में दुगुनी वृद्धि सम्भव है। केज की नई तकनीक से मछली उत्पादन 5 गुना तक लिया जा सकता हैं।

किसान क्रेडिट कार्ड को आधार से लिंक कराएँ

भोपाल। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने मंत्रालय में कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किसानों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिये वित्त के उचित प्रबंधन के लिये चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का समुचित लाभ दिलाने के लिये किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) को आधार से लिंक कराने के लिये आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाये। श्री पटेल ने किसानों से भी आग्रह किया कि वे अपने के.सी.सी. को आधार से लिंक कराये।

श्री पटेल ने बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्री के.के. सिंह, प्रमुख सचिव कृषि श्री अजित केशरी और संचालक कृषि श्री संजीव सिंह को विभागीय योजनाओं से संबंधित वित्तीय वर्ष 2020-21 में विभाग को आवंटित बजट को किसान हितैषी बनाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने विभाग की विभिन्न केन्द्र प्रवर्तित एवं राज्य शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को अधिकाधिक लाभ पहुंचाये जाने हेतु निर्देशित किया।

बासमती की जीआई टैगिंग को लेकर मुख्यमंत्री ने पत्र लिखा

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य के प्रसिद्ध बासमती चावल को भौगोलिक संकेत टैग (जीआई टैगिंग) दिलाने के प्रयासों के बीच पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह द्वारा इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखने की निंदा करते हुए कहा कि उनका यह कदम राजनीति से प्रेरित है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है- मैं पंजाब की कांग्रेस सरकार द्वारा मध्यप्रदेश के बासमती चावल को जीआई टैगिंग देने के मामले में प्रधानमंत्री जी को लिखे पत्र की निंदा करता हूँ और इसे राजनीति से प्रेरित मानता हूँ। मैं पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह से यह पूछना चाहता हूँ कि आखिर उनकी मध्यप्रदेश के किसान बन्धुओं से क्या दुश्मनी है यह मध्यप्रदेश या पंजाब का मामला नहीं, पूरे देश के किसान और उनकी आजीविका का विषय है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को इस संदर्भ में पत्र लिखा है। उन्होंने मध्यप्रदेश के बासमती चावल के एतिहासिक संदर्भ का उल्लेख करते हुए प्रदेश के किसानों एवं बासमती चावल आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिये प्रदेश के बासमती चावल को जी.आई. दर्जा प्रदान करने का अनुरोध किया है।

मध्यप्रदेश के निर्यात होने वाले प्रसिद्ध बासमती चावल को जीआई टैग दिलाने के राज्य के प्रयासों के बीच पंजाब के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उनसे इस संबंध में हस्तक्षेप की मांग की है। पत्र में दावा किया गया है कि ऐसा हो जाने पर पंजाब और अन्य राज्यों के हित प्रभावित होंगे, जिनके बासमती चावल को पहले से ही जीआई टैग हासिल है। पत्र में यह भी कहा गया है कि ऐसा होने पर पाकिस्तान को भी लाभ मिल सकता है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि पाकिस्तान के साथ कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपेडा) के मामले का मध्यप्रदेश के दावों से कोई संबंध नहीं है। क्योंकि यह भारत के जीआई एक्ट के तहत आता है और इसका बासमती चावल के अंतर्देशीय दावों से कोई जुड़ाव नहीं है। पंजाब और हरियाणा के बासमती निर्यातक मध्यप्रदेश से बासमती चावल खरीद रहे हैं। केंद्र सरकार के निर्यात के आकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं। केंद्र सरकार वर्ष 1999 से मध्यप्रदेश को बासमती चावल के ब्रीडर बीज की आपूर्ति कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि तत्कालीन सिंधिया स्टेट के रिकॉर्ड में अंकित है कि वर्ष 1944 में प्रदेश के किसानों को बीज की आपूर्ति की गई थी। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ राइस रिसर्च, हैदराबाद ने अपनी उत्पादन उन्मुख सर्वेक्षण रिपोर्ट में दर्ज किया है कि मध्यप्रदेश में पिछले 25 वर्ष से बासमती चावल का उत्पादन किया जा रहा है।

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री गिर्राज डंडौतिया (कृषि राज्यमंत्री)

74वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से अपील

नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।

श्री प्रवीण फुलपगारे (भारसाधक अधिकारी) | **श्री एम.एल. वारसे** (प्रभारी सचिव)

सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति रतलाम, जिला रतलाम (म.प्र.)

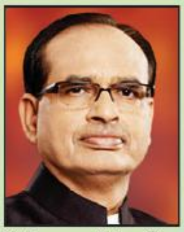

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री गिर्राज डंडौतिया (कृषि राज्यमंत्री)

किसान भाइयों से अपील

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ उठाएँ।
हम्माल तुलावटी भाई मुख्यमंत्री हम्माल तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

स्वाधीनता दिवस की 73वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री राहुल नामदेव धोटे (भारसाधक अधिकारी) | **श्री संजीव श्रीवास्तव** (प्रभारी सचिव)

सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति जावरा, जिला रतलाम (म.प्र.)

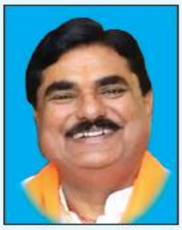

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री गिर्राज डंडौतिया (कृषि राज्यमंत्री)

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से अपील

नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।

श्री चंद्र सिंह सोलंकी (भारसाधक अधिकारी) | **श्री एम.एस.परमार** (प्रभारी सचिव)

सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति आलोट, जिला रतलाम (म.प्र.)

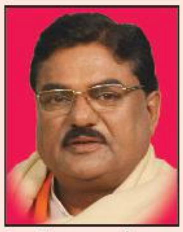

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री गिर्राज डंडौतिया (कृषि राज्यमंत्री)

स्वाधीनता दिवस की हार्दिक बधाई

किसान भाइयों से अपील

नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।

श्रीमती सरिता लाल (भारसाधक अधिकारी) | **श्री भारतसिंह चौहान** (प्रभारी सचिव)

सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति सुसनेर, जिला शाजापुर (म.प्र.)

स्वतंत्रता दिवस की 73वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री)
श्री कमल पटेल (कृषिमंत्री)
श्री तुलसी सिलावट (जल संसाधन मंत्री)
सुश्री उषा ठाकुर (पर्यटन मंत्री)
श्री गिर्राज डंडौतिया (कृषि राज्यमंत्री)
किसान भाइयों से अपील
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
श्री बी.बी.एस. तोमर (अपर कलेक्टर एवं भारसाधक अधिकारी)
श्री एम.एस. मुनिया (उपसंचालक, सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति इंदौर, जि.इंदौर

स्वतंत्रता दिवस की 73वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री अम्बरीश वैद्य (प्रशासक एवं उपायुक्त)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आर.एस. वसुनिया (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. धार

सहकारिता मंत्री का भिंड में अभूतपूर्व स्वागत

भिण्ड। सहकारिता और लोकसेवा प्रबंधन मंत्री श्री अरविन्दसिंह भदौरिया का मंत्री बनने के बाद पहली बार नगर आगमन पर शानदार स्वागत किया गया। भाजपा कार्यकर्ता और आमजनों में सुबह से ही अपने लाड़ले नेता का स्वागत करने के लिए फूल माला लेकर आँखें बिछाए हजारों की संख्या में सड़क पर खड़े थे। मालनपुर की सीमा में जैसे ही गाड़ियों का काफिला पहुँचा, स्वागत करने वालों का तांता लग गया। उनका ऐतिहासिक अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर श्री भदौरिया ने कहा कि जिले के विकास में किसी तरह की कसर नहीं छोड़ी जाएगी। बस जनता का आशीर्वाद मेरे उपर बना रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने कोविड-19 का ध्यान रखते हुए अच्छी व्यवस्था बनाई है।

श्री दीक्षित और श्री घिया को सेवानिवृत्ति पर बिदाई

भोपाल। सहकारिता विभाग के दो प्रमुख स्तंभ अपर आयुक्त सहकारिता श्री आर.सी. घिया एवं अपर आयुक्त सहकारिता श्री ए.के दीक्षित को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी बिदाई दी गई। सहकारिता मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में सहकारिता आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने दोनों अधिकारियों को गुलदस्ता भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संयुक्त आयुक्त सहकारिता डॉ. अनिल वर्मा, विपणन संघ के सचिव श्री पी.एस. तिवारी एवं सहकारिता उपायुक्त श्री प्रेम द्विवेदी ने श्री दीक्षित और श्री घिया के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री प्रदीप नीखरा, संयुक्त आयुक्त सर्वश्री अरविंदसिंह सेंगर, बी.एस. शुक्ला, अभय खरे, आर.आर. सिंह एवं श्रीमती गीता झा दिसोरिया, अमृतलाल अहिरवार, राज्य सहकारी संघ के एमडी श्री ऋतुराज रंजन, सहकारिता उपायुक्त श्रीमती कृति सक्सेना, सुश्री अनिता उइके, सर्वश्री राकेश पाण्डे, डॉ. शिवेन्द्र देव पाण्डेय, अरुण मिश्रा, विनोद सिंह, एच.एस. वाघेला, ओएसडी अपेक्स बैंक श्री यतीश त्रिपाठी एवं वनोपज संघ के श्री डी.पी. सिंह, श्री उमेश तिवारी, श्री अमरेश सिंह, सहायक आयुक्त श्रीमती अलका तिवारी, श्री अरविंद बौद्ध, सुश्री श्वेता रावत, सुश्री ज्योति कुम्भारे, प्रशासनिक अधिकारी श्री बी.एन. सिंह तथा कर्मचारी यूनियन के सर्वश्री अविनाशसिंह, अशोक सक्सेना, ब्रजेश चौहान, चक्रेश शास्त्री, सुधाकर पाण्डेय, देवीसिंह, सुशील कोठारी, सुदर्शन जोशी, संजीव गुप्ता, एवं मेडम सपना सोनी, सुश्री सपना गुहा, डोंगरे मैडम भी मौजूद थीं। इस अवसर पर सहकारी कर्मचारी यूनियन के प्रदेश महामंत्री एवं वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक श्री आर.एन. सोनी एवं देयक शाखा से श्री पन्नालाल को भी उनकी सेवानिवृत्ति पर भावभीनी बिदाई दी गई।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी संयुक्त आयुक्तों, उपायुक्तों एवं सहायक आयुक्तों को भी कार्यक्रम से जोड़ा गया था। उन्होंने भी अधिकारीद्वय को शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर पूर्व सहकारिता आयुक्त सर्वश्री व्ही.जी. धर्माधिकारी, प्रभात पाराशर, अरुण पाण्डेय, एम.के. अग्रवाल, वर्तमान सहकारिता आयुक्त श्री आशीष सक्सेना सहित मुख्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने लिखित संदेशों के माध्यम से शुभकामनाएँ दीं। पूर्व अपर आयुक्त सहकारिता द्वय श्री मुकेश वर्मा एवं श्री प्रकाश खरे ने भी शुभकामनाएँ दी। श्री दीक्षित एवं श्री घिया ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन उपायुक्त श्री प्रेम द्विवेदी ने किया एवं आभार उपायुक्त श्री मनोज गुप्ता ने प्रकट किया। कार्यक्रम में श्रीमती घिया एवं श्रीमती नीखरा विशेष रूप से उपस्थित थीं। श्रीमती नीखरा ने फोटो एलबम भेंट किया तथा श्रीमती घिया ने रिटर्न गिफ्ट के रूप में सबको पौधे भेंट किये।

सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

- किसान क्रेडिट कार्ड (फसल ऋण)
- ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि यंत्रों हेतु ऋण
- दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
- मत्स्य पालन हेतु ऋण
- स्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए ऋण
- स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ऋण
- कृषक को खेत पर शेड बनाने के लिए ऋण
- कम्बाइन हार्वेस्टर एवं रिपर कम बाइंडर क्रय ऋण

74वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

सौजन्य से

श्री यशपाल पटेल (शा.प्र. कुक्षी)
श्री महेश पाटीदार (शा.प्र. मनावर)
श्री बगदीराम मारू (शा.प्र. राजोद)
श्री सुरेश पाटीदार (शा.प्र. दसई)

श्री जगदीश कन्नौज
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री अम्बरीश वैद्य
(प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री आर.एस. वसुनिया
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या.कुक्षी, जि.धार
श्री यशपाल पटेल (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. अजंदा, जि.धार
श्री जगदीश दखलेचा (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. गिरवान्या, जि.धार
श्री शरीफ खान (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. बालीपुर, जि.धार
श्री बलराम यादव (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या.धूलसर, जि.धार
श्री रामलाल राठौर (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. भानपुरा, जि.धार
श्री शंकरसिंह चौहान (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या.लोहारी, जि.धार
श्री भेरूलाल भायल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. राजोद, जि.धार
श्री भागीरथ धनोतिया (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या.अम्बाड़ा, जि.धार
श्री राजेन्द्र पाण्डेय (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. लाबरिया, जि.धार
श्री गोवर्धन पटेल (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या.आंवली, जि.धार
श्री तेजसिंह मुजाल्दा (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. बरमंडल, जि.धार
श्री बद्रीलाल गोयल (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. मनावर, जि.धार
श्री रघुवीरसिंह शेखावत (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. दसई, जि.धार
श्री महेश शुक्ला (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. खण्डलाई, जि.धार
श्री बालूसिंह वास्केल (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. बालोदा, जि.धार
श्री लक्ष्मीनारायण पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. देवला, जि.धार
श्री राजेन्द्र पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. खिलेड़ी, जि.धार
श्री दुलेसिंह गोयल (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

आईपीसी बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन

इंदौर। इंदौर प्रीमियर को-ऑपरेटिव बैंक लि. की महारानी रोड मुख्य शाखा पर बैंक के यूथ क्लब के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कर्मचारी साथियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। यूथ क्लब अध्यक्ष मनीष शर्मा ने बताया कि इस मौके पर बैंक के समस्त कर्मचारियों को रक्तदान करने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर बैंक के वरिष्ठ महाप्रबंधक श्री एस.के.खरे, यूथ क्लब के पूर्व अध्यक्ष पुरुषोत्तम हासीजा, देवेन्द्र होलकर, हेमन्त जोशी, हरिप्रसाद द्विवेदी, योगेन्द्र महावर (उपकोषाध्यक्ष, मध्यप्रदेश को-ऑपरेटिव बैंक एम्पलाईज फेडरेशन), मनीष शर्मा, कुलदीप घुरया, चन्द्रेश चावला, निशा राजपूत, सारिका मेडम, डब्ल्यू.ए. सैय्यद, पंकज शर्मा, आजाद वर्मा, विकास बागडी, वीरेन्द्र पथरिया, राधिका मुकादम, चंदनबाला जोशी, रमेश पुरोहित, अनुराग चौहान, अनिल बावनिया, गगन शर्मा सहित अनेक कर्मचारियों ने रक्तदान किया।

पेंशनरों को वंचित करने के निर्णय पर प्रधानमंत्री को पत्र

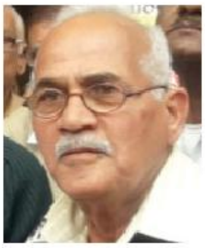
जी.आर. निमगाँवकर

इंदौर। केन्द्र सरकार और क्षेत्रीय भविष्य निधि ने 65 लाख ईपीएस-95 के पेन्शनरो को कोशियारी कमेटी की सिफारिशों और सुप्रीम कोर्ट के आदेश से वंचित किया। एम्पलाईज पेंशन स्कीम-1995 (ईपीएस-95) में 1 सितम्बर 2014 को किया गया संशोधन पूर्णतः मानवाधिकार, मौलिक अधिकार और नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का हनन है। यह संशोधन, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) केंद्र की मोदी सरकार को अंधेरे में रखकर करवाने में सफल रहा है। यह निजी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र के सेवानिवृत कर्मियों के मानवाधिकार, मौलिक अधिकार और नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का हनन है।

मध्यप्रदेश को-ऑपरेटिव बैंक एम्पलाईज फेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी जी.आर.निमगांवकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इस मामले की जानकारी दी है। पत्र में श्री निमगाँवकर ने लिखा है कि उक्त संशोधन सेवानिवृत्तों के मानवाधिकार और वैधानिक अधिकारों का हनन हुआ है। इससे उच्चतम पेंशन के प्रावधान का विलोपन, पेंशन के गणना में 12 महीनों की बजाय 60 महीनों के अंतिम वेतन का औसत कर दिया जाना, कर्मचारियों के अंशदान की वैधानिक कटौती से बढ़ कर 1.16 प्रतिशत अधिक राशि की वसूली आदि किये गये जो कि कर्मचारियों के हितों के खिलाफ है। इनके अलावा भी इसमें संशोधन के जरिए कर्मचारियों को व्यापक रूप से वंचित करने की कोशिश हुई है। ये संशोधन अत्यंत वयोवृद्ध सेवानिवृत्तों को नुकसान पहुंचाने वाले और कर्मचारियों के हितों का दमन करने वाले हैं। श्री निमगांवकर ने प्रधानमंत्री से अपील की है कि वे इस अन्याय को रोके और संसदीय कमेटी की रिपोर्ट की अनुशंसा, केरल हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों पर नजर डालें और भारत सरकार को सुप्रीम कोर्ट से अपनी अवैधानिक पुनः विचार याचिका और एसएलपी वापस लेने का आदेश दें और वयोवृद्ध पेन्शनरो को न्याय दिलाएँ। फेडरेशन के उप कोषाध्यक्ष योगेन्द्र महावर ने बताया कि श्री निमगांवकर ने अपने पत्र की प्रति केन्द्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय को और देश के समस्त ईपीएफओ कार्यालय को भी भेजी है।

सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

74वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

सौजन्य से
श्री विजयपालसिंह यादव (शा.प्र. कालापीपल)
श्री कैलाशसिंह बैस (पर्य. कालापीपल)
श्री बाबूलाल परमार (शा.प्र. सलसलाई)
श्री बापूलाल राजपूत (पर्य. सलसलाई)

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्रीमती सुनीता गोठवाल (प्रशासक एवं उपायुक्त) | श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री के.के. रायकवार (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कालापीपल, जि.शाजापुर
श्री संतोष शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मनसाया, जि.शाजापुर
श्री केदारसिंह मंडलोई (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेहरावल, जि.शाजापुर
श्री विष्णु प्रसाद (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नांदनी, जि.शाजापुर
श्री ब्रह्मानंद शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढाबलधीर, जि.शाजापुर
श्री सतीश गुप्ता (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लसूडिल्या मलक, जि.शाजापुर
श्री सिद्धनाथ सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बमूल्या मुहाली, जि.शाजापुर
श्री अजयसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपल्या नगर, जि.शाजापुर
श्री मनोहरलाल मीना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खजूरी अल्हवाद, जि.शाजापुर
श्री जुझारसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सलसलाई, जि.शाजापुर
श्री रामप्रसाद मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. केवड़ाखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री मानसिंह परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भैसरोद, जि.शाजापुर
श्री शेरसिंह परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दास्ताखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री हरिप्रसाद बैरागी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गुलाना, जि.शाजापुर
श्री मोहनदास गुप्ता (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गोदना, जि.शाजापुर
श्री रामचंद्र चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नौलाय, जि.शाजापुर
श्री कुग्हेरसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मंगलाज, जि.शाजापुर
श्री मोहनसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

किसानों के पंजीयन की कार्यवाही 15 सितंबर से

भोपाल। खरीफ विपणन वर्ष 2020-21 में धान, मोटा अनाज के उपार्जन के लिए 15 सितंबर से 15 अक्टूबर 20 तक किसानों के पंजीयन की कार्वाई की जाय। प्रमुख सचिव खाद्य श्री फैज अहमद किदवई मंत्रालय में खरीफ फसल के समर्थन मूल्य पर खरीदी की पूर्व तैयारियों के संबंध में अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। बैठक में प्रबंध संचालक मार्कफेड श्री पी. नरहरि, संचालक खाद्य श्री तरूण कुमार पिथौड़े, उपस्थित थे।

श्री किदवई ने कहा कि धान विक्रय के लिए किसान विगत वर्ष की भांति किसान एप, पंजीयन केन्द्र, कियोस्क, ई-उपार्जन के माध्यम से अपना पंजीयन करा सकेंगे। नए किसान, सिकमी एवं वन पटटाधारी किसानों को पंजीयन केन्द्र से ही अपना पंजीयन कराने की सुविधा होगी। किसान पंजीयन में भूमि एवं बोई गई फसल का रकबा गिरदावरी से लिया जाएगा।गिरदावरी की अंतिम तिथि 30 अगस्त है। उसके उपरांत 15 दिन में किसान दावा आपत्ति दर्ज करा सकेंगे। उन्होंने कहा कि विगत वर्ष के पंजीकृत किसानों को किसी प्रकार के दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं होगी।

किसान द्वारा बैंक खातों में परिवर्तन की स्थिति में बैंक खाते की पासबुक तथा नए किसानों को आधार नंबर एवं बैंक की पासबुक तथा सिकमी एवं वन पटटाधारी किसानों को सिकमी अनुबंध एवं वन पट्टे की प्रति उपलब्ध कराना होगी।

बैठक में बताया गया कि इस वर्ष धान का उपार्जन लगभग 35 से 40 लाख मेट्रिक टन किए जाने का अनुमान है। इसके लिए लगभग 1.73 लाख गठान की आवश्यकता होगी। बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था के दृष्टिगत जूट के बारदानों के साथ पीपी बारदानों की व्यवस्था भी की जायेगी। बारदानों की खरीदी के लिए ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की गई हैं। प्रमुख सचिव श्री किदवई ने धान के भंडारण के लिए बालाघाट एवं अनूपपुर शार्टफाल को सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए।धान मिलिंग पर पीडीएस एवं पीएमजीकेएवाय के अंतर्गत चावल की आवश्यकता को देखते हुए मिलिंग शीघ्रता से कराए जाने के निर्देश प्रदान किये।

कमिश्नर-कलेक्टर ने किया पौधरोपण

भोपाल। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के अवसर पर कमिश्नर भोपाल संभाग कवींद्र कियावत और कलेक्टर अविनाश लवानिया ने स्मार्ट सिटी पार्क में पौधरोपण किया। इस अवसर एडीएम और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। संभाग आयुक्त श्री कियावत ने स्मार्ट सिटी योजना के निर्माण कार्यो की जानकारी ली। उन्होंने भवन निर्माण कार्यो के साथ-साथ फायर फाइटिंग, पानी निकासी व्यवस्था, विद्युत सप्लाई को व्यवस्थित रूप से निर्मित करने के निर्देश दिए।श्री कियावत ने सुसज्जित गार्डन विकसित कर परिसर में खाली बची जगह का कुशल उपयोग करने के निर्देश दिये।

डेयरी, मांस प्रसंस्करण और पशु आहार संयंत्र के लिये मिलेगा ऋण

भोपाल। आत्मनिर्भर योजना के तहत डेयरी, मांस प्रसंस्करण और पशु आहार संयंत्र स्थापित करने के लिये बैंक ऋण उपलब्ध कराया जायेगा। न्यूनतम 10 से 25 प्रतिशत मार्जिन मनी हितग्राही को देनी होगी। शेष 90 से 75 प्रतिशत बैंक ऋण होगा। हितग्राही को 3 प्रतिशत ब्याज सबवेंशन मिलेगा। किसान उत्पादक संगठन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग, निजी कम्पनियाँ और व्यक्तिगत उद्यमी आदि योजना का लाभ उठा सकते हैं। इच्छुक व्यक्ति सिडबी के पोर्टल उद्यमी मित्र पर आवेदन दे सकते हैं। केन्द्रीय पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय द्वारा एनीमल हसबेण्डरी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेव्हलपमेंट फण्ड के तहत राज्यों को दिशा-निर्देश जारी कर दिये गये हैं। अपर मुख्य सचिव पशुपालन श्री जे.एन.कंसोटिया ने बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य डेयरी प्रसंस्करण और मांस प्रसंस्करण की सुविधा उपलब्ध कराना है। इससे घरेलू बाजार में गुणवत्तापूर्ण दूध और मांस की उपलब्धता के साथ उत्पादकों को अच्छा बाजार मिलने से आय में वृद्धि होगी। योजना में पशुपालकों को पशुओं के लिये उच्चगुणवत्ता वाला पशु आहार भी उचित दामों पर उपलब्ध कराया जायेगा।

श्री पटेल ने टेलीमेडिसिन सुविधा का शुभारंभ किया

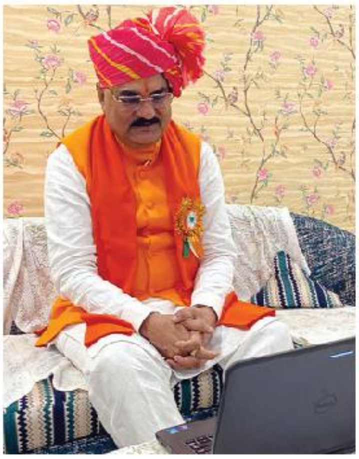

हरदा। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने हरदा में चिकित्सा सुविधा का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि इस सुविधा के प्रारंभ होने से अब गांव में रहने वाले गरीब लोगों को भी शीघ्रता से चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो सकेगी। अभी 14 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से इस सुविधा का लाभ गांव के गरीब लोगों को मिल सकेगा।

श्री पटेल ने बताया कि हरदा जिला चिकित्सालय में पदस्थ तीन चिकित्सकों और स्टाफ को इसके लिये प्रशिक्षित किया गया है। इससे जिले के 14 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के अंतर्गत आने वाले ग्रामीणों को इस सुविधा का लाभ मिलेगा। ग्रामीण सामान्य अथवा गंभीर बीमारी के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जाकर अपनी जांच कराएंगे। आवश्यकतानुसार मरीज एवं डॉक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा जिला चिकित्सालय के डॉक्टरों से संपर्क करेंगे और डॉक्टरों के द्वारा दिए गए परामर्श अनुसार ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से ही दवाइयां उपलब्ध कराएंगे। श्री पटेल ने बताया कि इससे ग्रामीणों को शहरों की ओर भागना नहीं पड़ेगा।उनका आने-जाने का समय बचेगा। अनावश्यक रूप से होने वाले व्यय से उन्हें राहत मिलेगी। समय पर उपचार मिल सकेगा और वह इससे राहत महसूस करेंगे।उन्होंने कहा कि शीघ्र ही इस सुविधा का विस्तार पूरे हरदा जिले में किया जाएगा।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा संकट को अवसर में बदलने के मूल मंत्र को अंगीकार करते हुए इस सुविधा का प्रारंभ हरदा में किया गया है।

नर्स यशोदा बहन को दी शुभकामनाएं

मंत्री श्री पटेल ने हरदा में पदस्थ नर्स यशोदा बहन को उनके जन्मदिन पंद्रह अगस्त पर बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि संकटकाल में स्वास्थ्य विभाग के अमले के द्वारा तत्परता और सेवा भाव से लोगों का उपचार किया जा रहा है , वह प्रशंसनीय है। उन्होंने ऐसे कर्मवीर कोरोना योद्धाओं को साधुवाद देते हुए उनके अथक परिश्रम को नमन किया।

आठ आईएएस अधिकारियों की नवीन पदस्थापना

अधिकारी	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
डॉ. राजेश राजौरा	अमुस श्रम	अमुस गृह एवं जेल
श्री एस.एन. मिश्रा	अमुस गृह, जेल, परिवहन (अ.प्र.)	अमुस जल संसाधन एवं परिवहन
श्री मनोज गोविल	प्रमुख सचिव वाणिज्य कर, वित्त, योजना एवं सांख्यिकी विभाग (अ.प्र.)	प्रमुख सचिव वित्त, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग (अ.प्र.)
श्रीमती दीपाली रस्तोगी	प्रमुख सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग तथा वि.क.अ.-सह-आयुक्त, उद्योग	प्रमुख सचिव, वाणिज्यिक कर विभाग
श्री शिवशेखर शुक्ला	प्रमुख सचिव, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण	प्रमुख सचिव, संस्कृति, पर्यटन व जनसम्पर्क
श्री फैज अहमद किदवई	प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	प्रमुख सचिव,खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण
श्री विवेक पोरवाल	प्रबंध संचालक औद्योगिक विकास निगम तथा ट्रायफेक	सचिव, सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम तथा आयुक्त उद्योग
श्री जॉन किंग्सली एआर	केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटने पर पद-स्थापना के लिये प्रतीक्षारत	प्रबंध संचालक, औद्योगिक विकास निगम तथा ट्रायफेक सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग

डॉ. राजेश राजौरा

शिवशेखर शुक्ला

श्री शिवशेखर शुक्ला द्वारा प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, जनसम्पर्क विभाग का कार्यभार ग्रहण करने पर श्री अनुपम राजन, प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग तथा तथा प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, जनसम्पर्क विभाग (अतिरिक्त प्रभार) केवल प्रमुख सचिव, जनसम्पर्क विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त होंगे।

श्री उमाकांत उमराव प्रमुख सचिव, सहकारिता विभाग को अपने वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, श्रम विभाग का प्रभार अतिरिक्त रूप से सौंपा जाता है।

समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण

म.प्र. के माननीय सहकारिता मंत्री
डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया
को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

74वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री पी.एन. गोडरिया (प्रशासक एवं उपायुक्त) | श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री आलोक कुमार जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सौजन्य से

श्री भूपेन्द्र कुमार वर्मा (शा.प्र. जावरा) | श्री दीपेन्द्र दुबे (शा.प्र. रिंगनोद) | श्री रमेन्द्रसिंह राठौर (शा.प्र. ढोढर)
श्री कमलसिंह चंद्रावत (पर्य. जावरा) | श्री रामेश्वर सोनी (पर्य. रिंगनोद) | श्री कन्हैयालाल परमार (पर्य. ढोढर)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. हसन पालिया, जि.रतलाम
श्री कमलसिंह चंदावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. झालवा, जि.रतलाम
श्री कमलसिंह चंदावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. भीमाखेड़ी, जि.रतलाम
श्री कमलसिंह चंदावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. हाटपीपल्या, जि.रतलाम
श्री शरद जोशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. भूतेड़ा, जि.रतलाम
श्री शरद जोशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. उपलई, जि.रतलाम
श्री शरद जोशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. जावरा, जि.रतलाम
श्री मदनलाल मारू (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सरसी, जि.रतलाम
श्री मदनलाल मारू (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बहादुरपुर, जि.रतलाम
श्री मदनलाल मारू (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बिनोली, जि.रतलाम
श्री कारूलाल सावलिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. असावती, जि.रतलाम
श्री कारूलाल सावलिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. रोला, जि.रतलाम
श्री कारूलाल सावलिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. रिंगनोद, जि.रतलाम
श्री राधेश्याम सोनी (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. माण्डवी, जि.रतलाम
श्री राधेश्याम सोनी (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. गोदीशंकर, जि.रतलाम
श्री राधेश्याम सोनी (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. ढोढर, जि.रतलाम
श्री कन्हैयालाल परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. पिंगराला, जि.रतलाम
श्री कन्हैयालाल परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. चिकलाना, जि.रतलाम
श्री फकीरचंद कटारिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. कलालिया, जि.रतलाम
श्री फकीरचंद कटारिया (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

मनरेगा के क्रियान्वयन को प्राथमिकता दें : श्री लालवानी

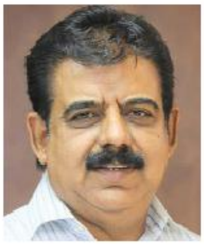
शंकर लालवानी

इंदौर। क्षेत्रीय सांसद श्री शंकर लालवानी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से कहा कि वे गौशाला निर्माण, मनरेगा, कृषि विकास और स्वरोजगार योजनाओं के क्रियान्वयन को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि जिले में वाणिज्य, उद्योग और कृषि विभाग की व्यापक संभावनाएं है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण को प्राथमिकता दी जाये तथा जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाये तथा खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिये परम्परागत खेती के साथ नगदी फसलों के उत्पादन पर विशेष जोर दिया जाये।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री मनीष सिंह ने कहा कि सभी संबंधित विभाग जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक के निर्णय को लागू करें तथा सांसद महोदय के निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। अधिकरीगण दौरा करते समय और आदान सामग्री वितरित करते समय जन प्रतिनिधियों को विश्वास में लेकर काम करें। बैठक में बताया गया कि जिले में असंगठित श्रमिक पंजीयन योजना के तहत 2 लाख 87 हजार श्रमिकों का पंजीयन किया जा चुका है। बैठक में सभी जरूरतमंद लागों को उचित मूल्य की दुकान से राशन देने के निर्देश दिये गये। बैठक में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना की भी समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री कविता पाटीदार, विधायक श्री आकाश विजयवर्गीय के अलावा अनेक जनप्रतिनिधि तथा विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

12 आई.ए.एस. अधिकारियों की नवीन पदस्थापना

गोपालचंद्र डाड

प्रबल सिपाहा

अनुग्रह पी.

अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
श्री विकास नरवाल	प्र.सं. पश्चिम क्षेत्र विवि कं लि इंदौर	उपसचिव जल संसाधन विभाग
श्री गोपालचंद्र डाड	कलेक्टर खरगोन	कलेक्टर रतलाम
श्री अमित तोमर	उपसचिव मप्र शासन	प्रबंध संचालक पश्चिम क्षेत्र विविकंलि इंदौर
श्री प्रबल सिपाहा	कलेक्टर झाबुआ	उपसचिव लोक निर्माण विभाग
श्री अक्षयकुमार सिंह	कलेक्टर निवाड़ी	कलेक्टर शिवपुरी
श्रीमती रुचिका चौहान	कलेक्टर रतलाम	अपर आयुक्त नगरीय प्रशासन व विकास भोपाल
सुश्री अनुग्रह पी.	कलेक्टर शिवपुरी	कलेक्टर खरगोन
श्री संजय कुमार	उपचिसव मप्र शासन	कलेक्टर दतिया
श्री रोहित सिंह	कलेक्टर दतिया	कलेक्टर झाबुआ
श्री आशीष भार्गव	उपचिसव गृह विभाग	कलेक्टर निवाड़ी
सुश्री रजनी सिंह	सीईओ जिपं बालाघाट	अपर आयुक्त राजस्व इंदौर
श्री राघवेन्द्र सिंह	अपर कले. बालाघाट	अपर आयुक्त वाणि.कर इंदौर

खरीफ फसलों के लिए सलाह

गुना। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्री अशोक कुमार उपाध्याय ने किसान भाईयों को सलाह दी है कि वे उड़द व मूंग की फसल में पीलो मौजेक रोग के नियंत्रण हेतु रोगी पौधे को खेत से उखाड़कर मिट्टी में दबाकर नष्ट करें। सफेद मक्खी कीट की रोकथाम हेतु थायोमिथाक्जाम 70 डब्लू.जी. 100 ग्राम दवा 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टर में छिडकाव करें। उन्होंने बताया कि सोयाबीन फसल में पीला मोजेक वायरस बीमारी के फैलाव को रोकने हेतु प्रारम्भिक अवस्था में ही अपने खेत में जगह-जगह पर पीला चिपचिपा ट्रेप लगाएं। जिससे इसका संक्रमण फैलाने वाली सफेद मक्खी का नियंत्रण होने में सहायता मिल सके। उन्होंने रोग के लक्षण दिखते ही ग्रसित पौधों को अपने खेत से उखाड़कर मिट्टी में दबाकर नष्ट करने, रासायनिक नियंत्रण हेतु इस रोग को फैलाने वाली सफेद मक्खी के नियंत्रण के लिए थायोमिथाक्सम + लेम्डा सायहेलोथ्रिन 125 मिली प्रति हेक्टेयर का छिड़काव करने की सलाह दी है।

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषिमंत्री) | श्री गिर्राज डंडौतिया (कृषि राज्यमंत्री) | श्री राजवर्धनसिंह दत्तीगाँव (उद्योग मंत्री)

74वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से अपील

नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।

श्री वीरेन्द्र कटारे
(भारसाधक अधिकारी)
श्री राकेश कुमार दुबे
(सचिव)

सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति धार, जि.धार

म.प्र. के माननीय सहकारिता मंत्री
डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया
को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

स्वाधीनता दिवस की 73वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ
समस्त किसान भाइयों को 0 प्रश ब्याज पर ऋण

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री मुकेश जैन (प्रशासक एवं उपायुक्त) | श्री संजय आर्य (उपायुक्त) | श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री अनूप जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से
श्री सुरेन्द्र चौबे (शा.प्र. अंजड़)
श्री अनिल मालाकार (शा.प्र. राजपुर)
श्री गगन आंजने (पर्य. राजपुर)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. अंजड़, जि.बड़वानी
श्री बाघसिंह चौहान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. दानोद, जि.बड़वानी
श्री संतोष ठक्कर (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मडवाड़ा, जि.बड़वानी
श्री गोपाल यादव (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. रणगाँव डेब, जि.बड़वानी
श्री मालू परिहार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. राजपुर, जि.बड़वानी
श्री सीताराम भोगरे (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. भागसुर, जि.बड़वानी
श्री लक्ष्मणसिंह चौहान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सनगाँव, जि.बड़वानी
श्री दिलीप ठक्कर (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

कलेक्टर रुचिका चौहान को सहकारी बैंक ने बिदाई दी

रतलाम। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान का स्थानांतरण रतलाम जिले से अपर सचिव, नगरीय प्रशासन भोपाल होने पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. रतलाम के प्रधान कार्यालय में बिदाई दी गई। बैंक के महाप्रबंधक श्री आलोक जैन ने कहा कि कलेक्टर मैडम के मार्गदर्शन में बैंक ने उत्तरोत्तर प्रगति करते हुए इस वर्ष 76 प्रश ऋणों की वसूली की तथा गत वर्ष से अधिक ऋण वितरण किया। बैंक प्रशासक श्री पी.एन. गोडरिया ने कहा कि श्रीमती चौहान के कुशल नेतृत्व में विषम परिस्थितियों में भी जिले में गत वर्ष से चार गुना अधिक गेहूँ का सफलतापूर्वक उपार्जन किया गया। श्रीमती रुचिका चौहान ने बैंक की कार्यप्रणाली की प्रशंसा करते हुए शासन की योजनाओं का बैंक के माध्यम से सफल क्रियान्वयन किये जाने पर बैंक कर्मचारियों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर उपसंचालक कृषि श्री जी.एस. मोहनिया, डीडीएम नाबार्ड श्री हरीश लिम्बे, बैंक कर्मचारी सर्वश्री शैलेष खरे, धन्नालाल सिनम, राजेन्द्र मारू, होशियारसिंह चौधरी, हसमुख गौड़, सुशील शर्मा, नागेश्वर बैरागी, दीपक शेलके, महेश चव्हाण, यतेन्द्र जोशी, महेश जोशी, दीप्ति दवे, सुमित जैन, मुकेश अग्रवाल, श्रुति शर्मा, प्रिया पांडेय एवं दीपांशु तिवारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री अरविंद वत्स ने किया।

गन्ना किसानों के हित में लिए निर्णय का स्वागत

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए निर्णयों का स्वागत करते हुए उनका धन्यवाद ज्ञापित किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा देश के गन्ना किसानों के कल्याण के लिए अभूतपूर्व निर्णय लिया गया है। किसान अब 285 रूपये प्रति क्विंटल की दर से अपना गन्ना बेच सकेंगे। देश के अन्नदाता को अब उनके पसीने की पूरी कीमत मिल सकेगी।

झाबुआ बैंक में सद्भावना दिवस मनाया

झाबुआ। मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय के निर्देशानुसार 20 अगस्त को सद्भावना दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित झाबुआ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री डी.आर. सरोठिया ने समस्त कर्मचारियों को प्रतिज्ञा दिलाई। इस अवसर पर मुख्य रूप से श्री एच.ए.के. पाण्डेय, श्री हेमंत नीमा, श्री दिलीप वाणी, श्री भगवान सिंह नायक, श्री मनोज कोठारी, श्री महेन्द्रसिंह जमरा, श्री के.के. नायक सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

रतलाम बैंक में ध्वजारोहण

रतलाम। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रतलाम के प्रधान कार्यालय में स्वाधीनता दिवस पर बैंक प्रशासक श्री पी.एन. गोडरिया ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर श्री गोडरिया ने कहा कि बैंक की उत्तरोत्तर प्रगति हेतु कर्मचारी यह संकल्प लें कि बैंक का कार्य निष्ठा एवं ईमानदारी से करेंगे। श्री गोडरिया ने समस्त कर्मचारियों को कोरोना से बचने की शपथ दिलाई गई। बैंक महाप्रबंधक श्री आलोक कुमार जैन ने आजादी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपने राष्ट्र और संस्थान के प्रति सकारात्मक रूप से कार्य करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर बैंक कर्मचारी सर्वश्री शैलेष खरे, धन्नालाल सिनम, राजेन्द्र कुमार मारू, होशियारसिंह चौधरी, मुकेश अग्रवाल, महेशचंद्र जोशी, यतेन्द्र कुमार जोशी, सुशील शर्मा, दीपक शेलके, महेश राव चव्हाण, अरविंद वत्स, श्रीमती दीप्ति दवे, ममता भंडारी, दीपांशु तिवारी, प्रिया पांडेय आदि उपस्थित थे।

घायल होने पर गौ-सेवकों का शासकीय खर्च पर इलाज

भोपाल। पशुपालन मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल ने विभागीय अधिकारियों को ड्यूटी के दौरान घायल होने वाले गौ-सेवकों का शासकीय खर्च पर उपचार कराने के निर्देश दिये हैं। गौ-सेवक टीकाकरण, पशु टैगिंग, उपचार आदि कार्यों में पशुपालन विभाग की सहायता करते हैं। श्री पटेल ने यह निर्देश पशुपालन विभाग की गतिविधियों की समीक्षा के दौरान दिये। अपर मुख्य सचिव श्री जे.एन. कंसोटिया, राज्य को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन के प्रबंध संचालक श्री शमीमुद्दीन, संचालक श्री रोकड़े, राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री एच.एस भदौरिया सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में मौजूद थे।

पशुपालन मंत्री ने कहा कि सड़क पर बैठा गौ-वंश अक्सर दुर्घटनाओं का कारण बनता है। ऐसी गायों के मिलने पर संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। इसकी जिम्मेदारी संबंधित ग्राम पंचायत, जनपद और नगरपालिका की होगी।

प्रदेश के दुग्ध संघ के अंतर्गत ऐसे दुग्ध पार्लर, जो 100 लीटर प्रतिदिन से कम दूध का विक्रय करते हैं और दूध के स्थान पर अन्य सामग्रियों की बिक्री पर अधिक ध्यान देते हैं, उनका लायसेंस निरस्त किया जायेगा। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में दूध का संकलन 15 प्रतिशत बढ़ा है, लेकिन कोविड-19 के चलते बिक्री में 13 प्रतिशत की कमी आई है। शादी, समारोह आदि का स्वरूप बदलने के कारण भी घी और दुग्ध पदार्थों के विक्रय में कमी आई है। भोपाल एवं इंदौर दुग्ध संघ द्वारा ऑनलाइन एडवांस कार्ड बनाये जा रहे हैं।

प्रदेश में 16 अगस्त, 2020 तक 70 लाख 49 हजार पशुओं की टैगिंग की जा चुकी है। लगभग 52 लाख 5 हजार पशु इनाफ पोर्टल पर दर्ज किये जा रहे हैं। इसी अवधि में 35 लाख 65 हजार गौ-भैंस वंशीय पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है।

संचालक श्री रोकड़े ने ने बैठक में जानकारी दी कि अनूपपुर, बालाघाट, सिवनी और मण्डला जिले में गायों में एक नई बीमारी लम्पी स्किन डिसीज देखने में आई है। इस विषाणुजनित बीमारी के 51 सेम्पल एसएचएडीएल भोपाल जाँच के लिये भेजे गये हैं। अन्य जिलों में यह बीमारी न फैले, इसके लिये सेम्पल कलेक्शन का कार्य किया जा रहा है।

मंडी बोर्ड संभागीय कार्यालय इंदौर में ध्वजारोहण

इंदौर। म.प्र. राज्य मंडी बोर्ड के आंचलिक कार्यालय इंदौर संभाग में स्वाधीनता दिवस की 73वीं वर्षगाँठ धूमधाम से मनाई गई। संयुक्त संचालक श्री चंद्रशेखर वशिष्ठ द्वारा झंडावंदन पश्चात राष्ट्रगान गाया गया। तत्पश्चात संक्षिप्त परिचर्चा भी हुई। इस अवसर पर समस्त अधिकारियों-कर्मचारियों ने सोशल डिस्टेंस व मास्क और सेनेटाइजर का उपयोग करते हुए एक-दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की बधाइयाँ दी।

कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक ने राजगढ बैंक का निरीक्षण किया

राजगढ़। कलेक्टर सिंह नीरज कुमार सिंह ने जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक की राजगढ़ शाखा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बैंक से सम्बंद्व सोसायटियों, पंजीकृत किसानों तथा किसानों को स्वीकृत किए गए ऋणों की जानकारी ली और ऋण रिकॉर्ड का परीक्षण किया। उन्होंने प्रभारी प्रबंधक जिला सहकारी बैंक को ऋण प्रकरण स्वीकृति के संबंध में बैंक के नियमों की जानकारी देने हेतु निर्देशित किया। बैंक शाखा द्वारा किसानों से ऋण की वसूली की जानकारी लेने के दौरान मात्र 48 प्रतिशत वसूली होने और वसूली पर संतोषजनक जवाब नही देने के कारण अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए संबंधित प्रभारी पर्यवेक्षक श्री मोहन शर्मा को सेवा समाप्ति हेतु कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि राजगढ़ शाखा के अंतर्गत 6 सोसायटी करेड़ी, चाटूखेड़ा, फुलखेड़ी, कालीपीठ, माचलपुर और पीपलवेह में शामिल है। इनमें 6883 किसान पंजीकृत हैं इनमें 3480 किसानों पर 966 लाख रूपये का कालातीत ऋण शेष है।

गुना कलेक्टर ने किया ध्वजारोहण

गुना। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2020 के अवसर पर कलेक्टर श्री कुमार पुरूषोत्तम द्वारा कलेक्टोरेट परिसर में ध्वजारोहण कर एवं सलामी ली गयी। शासन के निर्देशों के क्रम में जिला कार्यालय में कोविड-19 के मद्देनजर आयोजित सादे समारोह में सोशल डिस्टेन्स का पालन करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सामुहिक रूप से राष्ट्रगान गाया एवं बाद में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में भोपाल से प्रसारित प्रदेश के मुख्यमंत्री का प्रदेश की जनता के नाम संदेश को देखा एवं सुना गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री पुरूषोत्तम ने स्वतंत्रता दिवस की सभी को शुभकामनाएं दी, शासन की प्राथमिकताओं की योजनाओं पर विशेष ध्यान केन्द्रित करते हुए उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता में रखने का आग्रह किया तथा जीवन में हमेशा बड़ा सोचने और बड़ा करने का संदेश दिया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक श्री राजेश कुमार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री निलेश परीख, अपर कलेक्टर श्री उमेश शुक्ला, डिप्टी कलेक्टर सहित जिला कार्यालय परिसर स्थित समस्त विभागों के शासकीय सेवक मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर कलेक्टर श्री भार्गव ने किया ध्वजारोहण

रायसेन। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रगान का गायन किया गया। ध्वजारोहरण के पश्चात कलेक्टर श्री भार्गव ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए अपना कार्य पूरी लगन और निष्ठा से संपादित करने के लिए कहा। भोपाल स्थित मोतीलाल स्टेडियम में आयोजित मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह तथा मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के संबोधन का कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में लाइव प्रसारण देखा व सुना गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका शुक्ला, अपर कलेक्टर श्री अनिल डामोर, सीईओ जिला पंचायत श्री पीसी शर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्री मकसूद अहमद खान सहित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

मंत्री बनने के बाद उज्जैन आगमन पर डॉ. यादव का स्वागत

उज्जैन। डॉ. मोहन यादव को म.प्र. शासन में कैबिनेट मंत्री बनने के बाद पहली बार उज्जैन आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। यह जानकारी श्री अशोक सोनगरा ने देते हुए बताया कि अथर्व होटल पर आयोजित समारोह में सांसद श्री अनिल फिरोजिया, पूर्व सांसद श्री चिंतामणि मालवीय, ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्री बहादुरसिंह बोरमुंडला, पूर्व विधायक श्री लालसिंह राणावत, जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष श्री किशनसिंह भटोल, युवा नेता श्री सनवर पटेल, राजपाल सिंह सिसोदिया, पूर्व विधायक श्री सतीश मालवीय आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में पूर्णतः सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मशीन द्वारा समारोह स्थल को सेनेटाइज भी किया गया।

उज्जैन बैंक में पौधारोपण

उज्जैन। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक उज्जैन के प्रांगण में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। उपायुक्त सहकारिता श्री ओ.पी. गुप्ता, बैंक महाप्रबंधक श्री विशेष श्रीवास्तव एवं जनसंपर्क अधिकारी श्री विमलेश दोशी ने पौधारोपण किया। इस मौके पर बैंक के अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस पर देवास बैंक में झंडावंदन और पौधारोपण संपन्न

देवास। 74वें स्वाधीनता दिवस के अवसर पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक देवास में झंडावंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री चंद्रमौलि शुक्ला ने झंडावंदन किया। तत्पश्चात पौधारोपण भी किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त सहकारिता श्री मनोज गुप्ता और बैंक सीईओ श्री के.एन. त्रिपाठी, एम.के. बार्चे सहित बैंक के समस्त अधिकारी-कर्मचारी गण और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

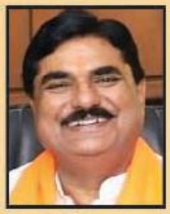

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण ○ खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड ○ कृषि यंत्र के लिए ऋण ○ दुग्ध डेयरी योजना

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

74 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

म.प्र. के माननीय सहकारिता मंत्री
डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया
को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

सौजन्य से

श्री सुनील कुमार माहेश्वरी (शा.प्र. बड़नगर)
श्री शिव हरदेनिया (शा.प्र. घटिया)

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री ओ.पी. गुप्ता (प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री विशेष श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जाफला, जि.उज्जैन
श्री संदीप उपाध्याय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भेरूपचलाना, जि.उज्जैन
श्री गेन्दालाल शंकरलाल(प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लखेसरा, जि.उज्जैन
श्री मनोहर सिंह रामसिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मौलाना, जि.उज्जैन
श्री ओमप्रकाश रामनारायण (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. टोकरा, जि.उज्जैन
श्री सुशील रामनारायण (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अमला, जि.उज्जैन
श्री रामचंद्र चुन्नीलाल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जलोदिया, जि.उज्जैन
श्री माँगीलाल पूनमचंद (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भोमलवास, जि.उज्जैन
श्री मुश्ताक अब्बास (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दांतरवा, जि.उज्जैन
श्री नरेन्द्र कुमार राजेन्द्रसिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पीरझलार, जि.उज्जैन
श्री जगदीश राधाकिशन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिछड़ोद, जि.उज्जैन
श्री हमीद चाँद बेग (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जगोटी, जि.उज्जैन
श्री नरसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झीतरखेड़ी, जि.उज्जैन
श्री सूर्यप्रकाश शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तुलाहेड़ा, जि.उज्जैन
श्री हीरालाल चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मालीखेड़ी, जि.उज्जैन
श्री रघुवीरसिंह छतरसिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निपानिया गोयल, जि.उज्जैन
श्री सुमेरसिंह नाथूसिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घटिया, जि.उज्जैन
श्री नाथूलाल कछावा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गुराड़िया गुर्जर, जि.उज्जैन
श्री रमेशछंद्र गोलवाना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नजरपुर, जि.उज्जैन
श्री नाथूलाल कछावा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

पशुपालक लतीफ को हो रही गोबर से अतिरिक्त आमदनी

रायपुर। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी 'गोधन न्याय योजना' 20 जुलाई हरेली तिहार के दिन से प्रारंभ होने से राज्य के किसानों में जहां उत्साह है वहीं गोबर खरीदी से उनमे हर्ष और उमंग का वातावरण भी है। इस उमंग की घड़ी में कांकेर जिले के दुर्गूकोंदल विकासखंड अंतर्गत ग्राम तराई घोटिया के पशुपालकों में भी गोबर खरीदी की प्रथम किस्त की राशि मिलने से बड़े ही उत्साहित हैं। श्री लतीफ बघेल ने बताया कि उनके पास 9 भैंस, चार गाय और चार बछड़े हैं। जिनसे नियमित रूप से गोबर एकत्रित कर गांव के ही गौठान में बेचा था जिसकी राशि उनके खाते में जमा हो गई है। पशुपालक श्री बघेल ने बताया कि दुग्ध उत्पादन से तो आए अर्जित हो ही रही थी साथ ही अब गोबर विक्रय से भी अतिरिक्त आमदनी हो रही है। गोबर से होने वाली आय से अब कृषि कार्यों में तेजी आएगी। उन्होंने राज्य सरकार की 'गोधन न्याय योजना' की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का मुक्त कंठ से धन्यवाद ज्ञापित कर आभार व्यक्त किया।

संदिग्ध बीज पार्सल के संबंध में छत्तीसगढ़ में अलर्ट जारी

रायपुर। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा विदेशों से आ रहे संदिग्ध बीज पार्सल के संबंध में जारी दिशा-निर्देश के परिप्रेक्ष्य में छत्तीसगढ़ के कृषि विभाग ने अलर्ट जारी किया है। कृषि विभाग ने विभागीय अधिकारियों एवं राज्य के किसानों से किसी अज्ञात स्त्रोतों से प्राप्त होने वाले बीज इस संबंध में सतर्क रहने की सलाह दी है। राज्य के किसानों से अपील की गई है कि वे स्वयं के रखे हुए बीज अथवा राज्य की सहकारी सोसायटियों के माध्यम से प्राप्त होने वाले प्रमाणित बीज का ही उपयोग करें। अज्ञात स्त्रोतों से भ्रामक पैकेज के साथ अनचाहे/संदिग्ध बीज का उपयोग न करें।

ज्ञातव्य है कि भारत सरकार द्वारा यह अवगत कराया गया है कि विभिन्न देशों जैसे अमेरिका (यूएसए), कनाडा, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, जापान एवं कुछ यूरोपीय देशों में अवांछित स्त्रोतों से भ्रामक पैकिंग में अनचाहे/अवांछित अथवा संदिग्ध बीज पार्सल प्राप्त होने के खतरे के संबंध में जानकारी प्राप्त हुई है। विगत कुछ माह से पूरी दुनिया में ऐसे संदिग्ध बीज के हजारों पार्सल मिले हैं। यूएसए के कृषि विभाग ने इसे बीज बिक्री के फर्जी आंकड़े दिखाने का घोटाला (ब्रशिंग स्कैम) और कृषि तस्करी बताया है।

यह भी अवगत कराया गया है कि उक्त अवांछित बीज पार्सल में विदेशी आक्रामक प्रजातियों के बीज हो सकते हैं अथवा उक्त अवांछित बीज पार्सल के माध्यम से विभिन्न रोगों अथवा रोगजनक कीटाणुओं को प्रवेश कराने का प्रयास किया जा सकता है, जो पर्यावरण, कृषि पारिस्थितिक तंत्र एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

अपर संचालक कृषि ने राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम, प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ राज्य बीज प्रमाणिकरण संस्था रायपुर, निदेशक अनुसंधान सेवाएं एवं निदेशक विस्तार सेवाएं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर, संयुक्त संचालक कृषि एवं सभी जिले के उप संचालकों को इस मामले में सतर्कता बरतने तथा प्रदेश के किसानों एवं आम जनता को इस संबंध में जागरूक बनाने के लिए आवश्यक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं।

वनमंत्री कुंवर विजय शाह ने दी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ

भोपाल। वनमंत्री कुंवर विजय शाह ने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शुभकामनाएँ दी है। वनमंत्री ने अपने संदेश में कहा है कि शहीदों के त्याग ओर बलिदान के बाद ही हमें आजादी मिली है। हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है कि राष्ट्र को मिली आजादी को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। वनमंत्री ने पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के लिए वनों की सुरक्षा में भी सक्रिय भूमिका का आव्हान भी किया है।

विजय शाह

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री गिर्राज डंडौतिया (कृषि राज्यमंत्री)

स्वाधीनता दिवस की हार्दिक बधाई

किसान भाइयों से अपील

नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।

श्री हर्ष पंचोली (भारसाधक अधिकारी) | **मो. सलीम खान** (प्रभारी सचिव)

सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति पेटलावद, जिला झाबुआ (म.प्र.)

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री गिर्राज डंडौतिया (कृषि राज्यमंत्री)

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से अपील

नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।

श्री विजय मंडलोई (भारसाधक अधिकारी) | **श्री रविन्द्र वाणी** (प्रभारी सचिव)

सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति जोबट, जिला अलीराजपुर (म.प्र.)

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री गिर्राज डंडौतिया (कृषि राज्यमंत्री)

स्वतंत्रता दिवस की 73वीं वर्षगाँठ पर शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से अपील

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ उठाएँ।
हम्माल तुलावटी भाई मुख्यमंत्री हम्माल तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री एस.पी. मंडराह (भारसाधक अधिकारी) | **श्री मंशाराम जमरे** (प्रभारी सचिव)

सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति भीकनगाँव, जिला खरगोन (म.प्र.)

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री गिर्राज डंडौतिया (कृषि राज्यमंत्री)

74वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से अपील

नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।

श्री बी.एस. सोलंकी (भारसाधक अधिकारी) | **श्री लक्ष्मणसिंह ठाकुर** (प्रभारी सचिव)

सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति मनावर, जिला धार (म.प्र.)

निवेशकों की समस्याओं का निदान करें : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने औद्योगिक विकास से सम्बन्धित विभिन्न विषयों की समीक्षा की। उन्होंने लम्बित विषयों पर अधिकारियों को शीघ्रता से निर्णय लेते हुए तेजी से कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए लैण्ड बैंक उपलब्ध कराया जाए। लैण्ड बैंक की भूमि चिन्हित करने की कार्यवाही तत्परता से की जाए। उन्होंने प्रदेश में बनाए गए एक्सप्रेसवेज तथा निर्माणाधीन-प्रस्तावित एक्सप्रेसवेज के दोनों ओर प्रमुख पोटेन्शियल क्षेत्रों को चिन्हित करके लैण्ड बैंक विकसित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने औद्योगिक विकास से सम्बन्धित विषयों तथा लैण्ड बैंक की उपलब्धता के सम्बन्ध में आने वाली समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बंजर भूमि के 10 हेक्टेयर या उससे अधिक क्षेत्रफल के भूखण्डों का औद्योगीकरण के लिए उपयोग किए जाने पर विचार करते हुए कार्यवाही की जाए। उन्होंने प्रदेश में एनएचएआई से सम्बन्धित विभिन्न परियोजनाओं के निर्माण को समयबद्ध ढंग से पूरा किए जाने की बात कही।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान में पूरी दुनिया कोविड-19 की वैश्विक महामारी से जूझ रही है। सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ इस चुनौती को अवसर में बदलने के लिए तेजी से कार्य करना होगा। औद्योगिक विकास की सभी सम्भावनाओं को तलाश करते हुए समस्याओं का त्वरित समाधान करना होगा, तभी प्रदेश अधिक से अधिक रोजगार सृजित होंगे। बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास श्री आलोक कुमार ने औद्योगिक विकास से सम्बन्धित लम्बित विभिन्न विषयों पर हुई प्रगति की जानकारी दी।

मध्यप्रदेश के पूर्व राज्यपाल श्री लालजी टण्डन का अवसान

भोपाल। म.प्र. के पूर्व राज्यपाल श्री लालजी टण्डन का स्वर्गवास हो गया। वे पिछले कई दिनों से अस्पताल में उपचाररत थे। श्री टंडन के अवसान पर प्रदेश में पांच दिन तक राजकीय शोक घोषित किया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्यपाल श्रद्धेय श्री लालजी टंडन जीवनभर राष्ट्र सेवा में संलग्न रहे। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। श्री टंडन सार्वजनिक जीवन में शुचिता के प्रतीक थे।

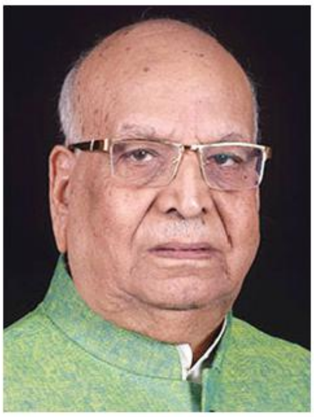

मध्यप्रदेश में राज्यपाल के रूप में उन्होंने हमेशा जनहित में मार्गदर्शन और प्रेरणा दी। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश में उनके सुझाए नवाचार को हम सबने देखा है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ पहुँचकर स्व. टंडन के पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित किये और परिवार को सांत्वना प्रदान की। मंत्रिमंडल के अनेक सदस्यों ने स्व. टंडन को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री तोमर के छोटे भाई को श्रद्धांजलि

ग्वालियर। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने ग्वालियर पहुँच कर केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के छोटे भाई के असामयिक निधन पर उनके निवास पहुंचकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मंत्री श्री पटेल के साथ पूर्व मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय और इंदौर विधायक श्री रमेश मेंदोला ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। वन मंत्री कु. विजय शाह का ग्वालियर आगमन हुआ। भारतीय जनता पार्टी के नेता अमिताभ सिंह, हरसी दीवान साहब एवं रजताव सिंह हरसी के साथ श्री शाह केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्रसिंह तोमर के निवास पर पहुँचे। श्री तोमर के छोटे भाई स्वर्गवास होने पर उनके निज निवास पर उनके परिवार को ढांढस बंधाया। साथ ही शोक संवेदना व्यक्त की।

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

स्वाधीनता दिवस की 73वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री एम.एल. गजभिये (प्रशासक एवं उपायुक्त)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री एस.के. खरे (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री कमल किशोर मालवीय (शा.प्र. साँवेर)
श्री तेजराम मालवीय (पर्य. साँवेर)

श्री ओमप्रकाश चौहान (शा.प्र. क्षिप्रा, इंदौर)
श्री हरीश पाण्डेय (पर्यवेक्षक क्षिप्रा, इंदौर)

श्री सुरेश सोलंकी (शा.प्र. मांगल्या)
श्री धर्मेन्द्र चौहान (पर्य. मांगल्या)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पाचोला, जिला इंदौर
श्री तेजराम मालवीय (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. राजोदा, जिला इंदौर
श्री सुभाष चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कुडाना, जिला इंदौर
श्री सुभाष चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. दर्जी कराड़िया, जिला इंदौर
श्री जितेन्द्र राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सांवेर, जिला इंदौर
श्री सुनेरसिंह यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़ोदिया खान, जिला इंदौर
श्री जगदीश सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. जामोदी, जिला इंदौर
श्री सुरेशचंद्र पिड़लाया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सोलसिन्दा, जिला इंदौर
श्री रामलाल वर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पुर्वार्डा हप्पा, जिला इंदौर
श्री कपिल राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. डकाच्या, जिला इंदौर
श्री माखनलाल पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.गुराण, जिला इंदौर
श्री विजयसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.बरलाई, जिला इंदौर
श्री विजयसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पलासिया, जिला इंदौर
श्री लाखनसिंह कुशवाह (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मांगल्या सड़क, जिला इंदौर
श्री धर्मेन्द्र चौहान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. टोड़ी, जिला इंदौर
श्री अजबसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कदवालीखुर्द, जिला इंदौर
श्री कल्याणसिंह बारोड (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

राशिफल

● **आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक'**
अध्यक्ष : म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद
376, म.गाँ. मार्ग (बड़े गणपति के पास), इंदौर
फोन : 0731-2414181, मो. 9755014181

मेष
आर्थिक प्रयासों में तेजी आएगी। संतान पक्ष के कार्यों में सहयोग देना होगा। विद्यार्थी वर्ग अनुकूल स्थिति पाएंगे। नौकरीपेशा भी अनुकूल स्थिति पाएंगे। प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी। रुके कार्य स्वप्रयत्नों से पूरे होंगे।

वृषभ
मानसिक प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से समय अनुकूल रहेगा। उत्साहजनक समाचार मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय की स्थिति ठीक हेगी। नौकरीपेशा भी अनुकूल स्थिति पाएंगे।

मिथुन
भाग्यबल द्वारा आपके कार्य बनेंगे। व्यापार-व्यवसाय की स्थिति अनुकूल रहेगी। नौकरीपेशा अनुकूल स्थिति पाएंगे। संतान के कार्यों में खर्च होगा। परिवार में शुभ कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी।

कर्क
अधिकारी वर्ग का सहयोग मिलने से कार्य कुशलतापूर्वक बनेंगे। धन-कुटुम्ब के मामलों में सहयोग के साथ उत्तम स्थिति रहेगी। आर्थिक मामलों में स्वप्रयत्नों द्वारा लाभान्वित होंगे। सोचे कार्यों में थोड़ी बाधा रहेगी।

सिंह
प्रभाव में वृद्धि होगी, वहीं स्वास्थ्य ठीक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य संबंधित मामलों में सावधानी रखना होगी। व्यापार-व्यवसाय में संतोषजनक स्थिति रहेगी। जमीनी कार्य से लाभार्जन कर सकते हैं।

कन्या
ईष्ट मित्रों व भाइयों का सहयोग मिलेगा। साझेदारी के कार्य में अनुकूल स्थिति रहेगी। नौकरीपेशा के लिए समय मिला-जुला रहेगा। अधिकारी वर्ग का सहयोग लेकर चलें। स्वास्थ्य अधिकतम ठीक रहेगा।

तुला
दांपत्य जीवन में मधुर वातावरण रहेगा। संतान पक्ष में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थी वर्ग में अनुकूल स्थिति रहेगी। आर्थिक प्रयासों में अनुकूल सफलता पाएंगे। नौकरीपेशा के लिए समझदारी से चलना होगा।

वृश्चिक
इच्छित कार्य में सफल होंगे, मानसिक सुख-शांति रहेगी। पारिवारिक सहयोग के साथ खर्च होगा। मातृपक्ष से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सुखद स्थिति पाएंगे। अधिकारी वर्ग भी सुखद स्थिति पाएंगे।

धनु
पारिवारिक सहयोग के साथ खर्च होगा। भाग्य में अनुकूल स्थिति होने से प्रगतिपूर्ण वातावरण रहेगा। पिता का किसी कार्य में सहयोग लाभकारी रहेगा। व्यापार-व्यवसाय की स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
बाहरी व्यक्तियों से सावधानीपूर्वक वार्तालाप करें व यात्रा में भी सावधानी रखना होगी। स्थानीय मामलों में सफलता के साथ प्रसन्नता रहेगी। स्त्री पक्ष के मामलों में सावधानी रखना होगी।

कुम्भ
भाग्य में अनुकूलता होने से कार्य में प्रगति आएगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। नौकरीपेशा अपने कार्य में प्रगति के साथ लाभान्वित होंगे। पिता का किसी कार्य में सहयोग लाभकारी रहेगा। शत्रुपक्ष पर प्रभाव बना रहेगा।

मीन
भाग्य में अनुकूल स्थिति होने से प्रगतिपूर्ण वातावरण रहेगा। पारिवारिक सुख-शांति रहेगी। अधिकार क्षेत्र में वृद्धि पाएंगे। विद्यार्थी वर्ग अनुकूल स्थिति पाएंगे। नौकरीपेशा के लिए सहयोगवादी समय रहेगा।

कंगना की 'धाकड़' अगले साल रिलीज होगी

कोविड-19 की वजह से कई फिल्मों की रिलीज तारीख टल चुकी है। विाली पर रिलीज होने वाली कंगना रनोट अभिनीत एक्शन फिल्म 'धाकड़' भी इस साल रिलीज नहीं होगी। फिल्म के निर्देशक रैजी यानी रजनीश घई कहते हैं कि उम्मीद है नवंबर-दिसंबर से फिल्म पर काम शुरू होगा। उनके मुताबिक कोरोना काल का असर एक्शन पर नहीं पड़ेगा क्योंकि हम काम ही तभी शुरू करेंगे जब माहौल सामान्य होगा। एक्शन फिल्म में अगर एक्शन अच्छा नहीं होगा तो फिल्म बनाने का क्या फायदा होगा। जहाँ तक अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल की बात है तो हमारा थाईलैंड के शेड्यूल बाकी है। वहाँ पर सब कुछ खुल चुका है। लेकिन अभी अंतरराष्ट्रीय फ्लाईट्स शुरू नहीं हुई है। वहाँ हम जनवरी में जाने की तैयारी कर रहे हैं। ■■

सुशांत केस सीबीआई के हवाले

सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मामले की जाँच सीबीआई को करने का आदेश दे दिया है। इस अहम फैसले से बॉलीवुड हस्तियों ने राहत की साँस ली। कंगना रनोट ने ट्वीट कर कहा कि यह मानवता की जीत है। एसएसआर योद्धाओं में से हर एक को बधाई। सुशांत की बहन श्वेता ने कहा कि अब सीबीआई ही सुशांत के केस की जाँच करेगी। इस मामले में जीत की ओर यह पहला कदम है। वहीं अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने न्याय की देवी के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए उम्मीद जताई कि अब इस मामले में वाकई न्याय होगा। साथ ही नाना पाटेकर, मधुर भंडारकर, अक्षय कुमार, कृति सेनन, नील नितिन मुकेश, शेखर सुमन, एकता कपूर ने भी सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का स्वागत करते हुए सुशांत केस में जल्द न्याय मिलने की बात कही। ■■

क्रिसमस पर आ सकती है '83'

साकिब सलीम अभिनीत फिल्म '83' की रिलीज फिलहाल भले ही स्थगित हो गई हो लेकिन वे इस फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हैं। इस फिल्म में साकिब पूर्व ऑलराउंडर मोहिंदर अमरनाथ का किरदार निभा रहे हैं। इंस्टाग्राम लाइव पर प्रशंसकों से मुखातिब होते हुए साकिब ने बताया कि मोहिंदर अमरनाथ की सोच और उनकी गंभीरता को अपने किरदार में लाना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती थी। इस किरदार में खुद को ढालने के लिए उन्होंने योग और ध्यान का अभ्यास शुरू किया। साकिब के मुताबिक वे खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि उन्हें स्वयं मोहिंदर अमरनाथ और वर्ष 1983 में विश्वकप विजेता टीम के सदस्य बलविंदरसिंह संधू ने बॉलिंग एक्शन सिखाया। साकिब ने यह भी कहा कि सिनेमाघर खुलते हैं तो निर्माता फिल्म को इस साल क्रिसमस पर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। याद रहे कि इस फिल्म में कपिलदेव की भूमिका रणबीर सिंह निभा रहे हैं। ■■

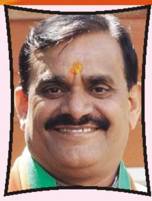

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

म.प्र. के माननीय सहकारिता मंत्री

डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया

को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
स्वाधीनता दिवस की 73वीं वर्षगाँठ
पर हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री जगदीश कन्नौज
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री अम्बरीश वैद्य
(प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री आर.एस. वसुनिया
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री कुंदन प्रजापति (शा.प्र. राजगढ़)
श्री यशवंतसिंह (शा.प्र. सरदारपुर)
श्री बद्रीलाल मारू (शा.प्र. राजोद)
श्री भोलेसिंह राणा (शा.प्र. बाग)
श्री रामलाल चौहान (पर्य. बाग)
श्री सुरेश पाटीदार (शा.प्र. दसई)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. राजगढ़, जि.धार
श्री सुनील जायसवाल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या.रिंगनोद, जि.धार
श्री नंदकिशोर सोलंकी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. तिरला, जि.धार
श्री सुरेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. दत्तीगाँव, जि.धार
श्री प्रहलाद वैष्णव (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सरदारपुर, जि.धार
श्री कैलाश मारू (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. जोलाना, जि.धार
श्री अनूप मंडलोई (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. राजोद, जि.धार
श्री भागीरथ धनोतिया (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. चंदरपुरा, जि.धार
श्री राजेन्द्र दुबे (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. नालछा, जि.धार
श्री यशवंतसिंह चौहान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सागौर, जि.धार
श्री महेन्द्रसिंह शेखावत (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बरमंडल, जि.धार
श्री बद्रीलाल गोयल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. दसई, जि.धार
श्री महेश शुक्ला (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बालोदा, जि.धार
श्री लक्ष्मीनारायण पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. खिलेड़ी, जि.धार
श्री दुलेसिंह गोयल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बाग, जि.धार
श्री इकबाल खान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. टाण्डा, जि.धार
श्री रामलाल चौहान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. लोंगसरी, जि.धार
श्री लखनसिंह वर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. लावरिया, जि.धार
श्री गोवर्धन पटेल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कुक्षी, जि.धार
श्री यशपाल पटेल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. गिरवान्या, जि.धार
श्री शरीफ खान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. धूलसर, जि.धार
श्री रामलाल राठौर (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. लोहारी, जि.धार
श्री भेरूलाल भायल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. अम्बाड़ा, जि.धार
श्री राजेन्द्र पाण्डेय (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. आंवली, जि.धार
श्री तेजसिंह मुजाल्दा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक बृजेश त्रिपाठी द्वारा वी.एम. ग्राफिक्स, के-29, एलआयजी कॉलोनी, इंदौर से मुद्रित एवं 306-ए ब्लॉक, शहनाई-II, रेसीडेन्सी कनाड़िया रोड, इन्दौर से प्रकाशित (फोन : 0731-2595563, 9752558186, 8989179472, संपादक : बृजेश त्रिपाठी, प्रकाशन दिनांक : 17